

छत्तीसगढ़ में रोज अनेक लोग हो रहे शिकार

उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में रोजाना सैकड़ों लोग आवारा कुत्तों का शिकार बन रहे हैं। छत्तीसगढ़ मानवाधिकार आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, एक साल में पूरे प्रदेश में करीब 1 लाख 19 हजार 928 लोगों को कुत्तों ने काटा। अकेले रायपुर जिले में पिछले तीन वर्षों में 51,730 डॉग बाइट ▶▶शेष पेज 7 पर

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

सोने का सच्चा भाव

आनंद का सच्चा भाव

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹115439/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹140990/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹153904/-

Live Rate आनंद ज्वेल्स के मोबाइल ऐप पर चेक करें!

*Conditions Apply

ANAND Jewels Pandri, Raipur

haribhoomi.com

रायपुर, बुधवार 9 सितंबर 2026

तीन शहर, तीन साल...आवारा ने 75 हजार को किया लहूलुहान, अब पोर्टल में बनेगी कुंडली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग जिले में तीन साल में 75 हजार डॉग बाइट के शिकार

छत्तीसगढ़ में आवारा कुत्ते रोजाना कई लोगों पर हमला कर रहे हैं और इनके काटने से लोगों के जीवन के लिए खतरा पैदा हो रहा है। हालत ये है कि पिछले तीन साल में रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग जिले में करीब 75 हजार लोग कुत्तों के हमलों से लहूलुहान हुए हैं। अब इन आवारा कुत्तों पर नकेल लगने की ▶▶शेष पेज 7 पर

खास खबर

ये है मामला

छत्तीसगढ़ सरकार ने शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की समस्या के समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए प्रदेश के सभी नगर निगम, नगरपालिकाओं और नगर पंचायतों को भारत सरकार ▶▶शेष पेज 7 पर



आवारा कुत्तों का बनेगा डिजिटल रिकार्ड

इसके अलावा शहरों में घूम रहे आवारा पशुओं और आवारा कुत्तों का पंजीयन पोर्टल पर अधिकृत वेरिफायर के माध्यम से कराया जाएगा। इससे प्रत्येक पशु का ▶▶शेष पेज 7 पर

अब शहरों में होगा ये काम

निर्देशों के अनुसार प्रदेश के सभी नगरीय निकाय अपने-अपने क्षेत्र में संचालित पशु जन्म नियंत्रण केंद्र का भारत पशुधन पोर्टल पर मैपिंग कराएंगे। इसके लिए संबंधित जिला पशु चिकित्सक के साथ समन्वय स्थापित ▶▶शेष पेज 7 पर

पीएम मोदी का युवाओं से संवाद

बोले प्रधानमंत्री- 'झूठ की गूंज' से जेन-जी नहीं होंगे गुमराह

एजेंसी ▶▶| वडोदरा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जेन-जी से संवाद किया। कार्यक्रम में करीब 6 हजार युवा शामिल हुए। मोदी ने युवाओं से झूठे दावों और भ्रामक बातों से बचने की अपील की। गुजरात के वडोदरा में 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम पर भी तंज कसते हुए कहा कि युवा सच्चाई के साथ खड़े रहेंगे और 'झूठ की गूंज' से गुमराह नहीं होंगे।

वडोदरा में 'नमो फॉर विकसित भारत' कार्यक्रम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को गुजरात के वडोदरा में करीब 35 हजार करोड़ रुपए से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किया। एमएस यूनिवर्सिटी ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने आधुनिक बुनियादी ढांचे, बेहतर कनेक्टिविटी और तकनीक को विकसित भारत की यात्रा का अहम आधार बताया। इस दौरान उन्होंने युवाओं को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में दक्ष बनाने की जरूरत पर जोर दिया। साथ ही कहा कि ▶▶शेष पेज 7 पर

वडोदरा में मोदी ने युवाओं से किया संवाद विपक्ष पर साधा निशाना



नए अंदाज में पहुंचे पीएम

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम के लिए खास तौर पर वी आकार का रैंप बनाया गया था। भाषण से पहले प्रधानमंत्री रैंप पर चलकर युवाओं के बीच पहुंचे। मंच पर पहुंचते ही क्वीन का मशहूर गाना 'वी विल रॉक यू' बजाया गया। इसके बाद 'धुरंधर' का गाना 'आरी आरी' भी बजा।

युवाओं के लिए एआई में दक्ष होना जरूरी

प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को लेकर कहा कि भारत की आने वाली पीढ़ी को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में दक्ष बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि एआई में विशेषज्ञता की जरूरत केवल आईटी सेक्टर तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका इस्तेमाल कृषि, स्वास्थ्य, विनिर्माण और रोबोटिक्स सहित कई क्षेत्रों में किया जा सकता है। पीएम मोदी ने कहा कि भारत को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो एआई को सिर्फ एक तकनीक के तौर पर नहीं, बल्कि अलग-अलग उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले प्रभावी साधन के रूप में समझें।

मानसिक तनाव में थे राकेश

दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव मेहता फंदे से लटके मिले

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव और 1975 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी राकेश मेहता ने सुसाइड कर लिया। 75 वर्षीय राकेश मेहता का शव नोएडा के सेक्टर-82 स्थित केंद्र विहार-2 सोसायटी के उनके फ्लैट में फंदे से लटका मिला। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है। शुरुआती जानकारी के ▶▶शेष पेज 7 पर



3 दशक से ज्यादा रहा प्रशासनिक करियर

राकेश मेहता का प्रशासनिक करियर तीन दशक से भी ज्यादा लंबा रहा। उन्होंने दिल्ली सरकार में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया। 2007 में उन्होंने दिल्ली के मुख्य सचिव का पद संभाला था और नवंबर 2010 में सेवानिवृत्त हुए। 2010 में कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान भी उन्होंने प्रशासन से जुड़ी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली थीं।

राहुल गांधी भी थे सवार

दिल्ली से लखनऊ जा रही फ्लाइट की दूसरी बार में हो पाई लैंडिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली से आ रही एयर इंडिया की फ्लाइट एआई-1717 को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग से ठीक पहले गो-अराउंड करना पड़ा। बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी इसी फ्लाइट में सवार थे। जानकारी के मुताबिक, फ्लाइट लैंडिंग के बिल्कुल करीब थी, तभी अचानक तेज झटका लगा और जहाज दोबारा ऊपर उठने लगा। इससे यात्रियों ▶▶शेष पेज 7 पर



क्या है गो-अराउंड

दरअसल, एविएशन सेक्टर में गो-अराउंड एक सामान्य सुरक्षा प्रक्रिया है। जब पायलट को लगता है कि मौजूदा अप्रोच से सुरक्षित लैंडिंग संभव नहीं है, तो वो लैंडिंग रद्द कर देते हैं और विमान को वापस ऊंचाई पर ले आते हैं। इसके बाद लैंडिंग एक नए अप्रोच के माध्यम से की जाती है।

सीएम साय ने कहा- छात्राओं को समस्याएं बताने पैदल निकलना पड़े, ठीक नहीं

20 किमी पैदल चलीं छात्राएं, प्राचार्य को हटाया, वार्डन को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सरगुजा जिले के शिवपुर स्थित एकलव्य आवासीय विद्यालय की छात्राओं के अपनी समस्याओं को लेकर पैदल कलेक्टोरेट जाने के लिए निकलने की घटना को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गंभीरता से लिया है। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए प्राचार्य को हटा दिया गया है, वार्डन को नोटिस दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री ने सरगुजा कलेक्टर अजीत वसंत से फोन पर चर्चा कर पूरे मामले की जानकारी ली और विद्यालय की व्यवस्थाओं को ▶▶शेष पेज 7 पर



मुख्यमंत्री साय की सख्ती के बाद जिला प्रशासन ने की कड़ी कार्रवाई

जांच कर जिम्मेदारी तय करें

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर को पूरे प्रकरण की जांच कराने, जिम्मेदारी तय करने और लापरवाही सामने आने पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, आदिवासी अंचलों के आवासीय विद्यालयों और छात्रावासों में बच्चों की शिक्षा, सुरक्षा और ▶▶शेष पेज 7



अंधेरे में एकलव्य विद्यालय...कलेक्टर से मिलने 20 किमी पैदल चलीं छात्राएं

एक महीने से अधिक समय से एकलव्य आवासीय विद्यालय कलीनी की कमी थी बिजली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबिकापुर

एक महीने से अंधेरे में डूबे एकलव्य आवासीय विद्यालय शिवपुर की छात्राओं के सब्र का बांध टूट पड़ा। आवासीय विद्यालय में व्याप्त समस्याओं को लेकर छात्राएं 20 किलोमीटर दूर बैठे कलेक्टर से मिलने पैदल ही निकल गईं। छात्राओं के पैदल निकलने की सूचना मिलने के बाद विभाग व प्रशासन में हड़कंप मच गया।

हरिभूमि फॉलोअप

बिजली, पढ़ाई और मेस की व्यवस्था तत्काल सुधारें

मुख्यमंत्री ने छात्राओं द्वारा उठाई गई समस्याओं का तत्काल निराकरण करने को कहा। इनमें बिजली व्यवस्था, शिक्षकों की कमी, नियमित पढ़ाई, मेस और साफ-सफाई से जुड़ी समस्याएं शामिल हैं। उन्होंने कहा, ▶▶शेष पेज 7 पर

नियमित समीक्षा और निरीक्षण होगा

मुख्यमंत्री ने आवासीय विद्यालयों एवं छात्रावासों की व्यवस्थाओं की नियमित समीक्षा तथा अधिकारियों द्वारा सतत निरीक्षण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा, छात्रावास में रहने वाले बच्चों को अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन तक पहुंचने के लिए इस तरह की स्थिति का सामना दोबारा नहीं करना पड़े। मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चों की समस्याओं और जरूरतों की जानकारी लेना तथा उनका समयबद्ध समाधान करना संबंधित अधिकारियों की जिम्मेदारी है।



ब्रिक्स सम्मेलन से पहले अलर्ट मोड में दिल्ली पुलिस और एनएसजी कमांडो

स्लिदरिंग, बंधक बचाव का प्रदर्शन, भारत मंडपम से राजघाट तक मॉक ड्रिल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को आयोजित होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले दिल्ली पुलिस, नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) समेत देश के कई सुरक्षा बलों ने अपनी कमर कस ली है। इस वीकेंड होने वाले इस हाई-प्रोफाइल इवेंट के लिए मजबूत और कई स्तरों वाली सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए सुरक्षाबलों ने 'ऑपरेशन ब्रिक्स कवच' के तहत व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। सुरक्षा तैयारियों के हिस्से के रूप में मंगलवार को लगभग 100 एनएसजी कमांडो ने दिल्ली पुलिस की स्पेशल वेपन्स एंड टैक्टिक्स (एसडब्लूएटी) यूनिट के साथ मिलकर विभिन्न स्थानों पर करीब चार घंटे तक मॉक ड्रिल की। यह अभ्यास सुबह 11:30 बजे से दोपहर 2:00 बजे के बीच जवाहरलाल नेहरू (जेएनएल) स्टेडियम, राजघाट, भारत मंडपम और आर्मी पोलो ग्राउंड में आयोजित किया गया। इस दौरान कमांडो ने हेलीकॉप्टर से स्लिदरिंग (रस्सी के सहारे उतरने) और बंधक बचाव जैसी तकनीकों का प्रदर्शन किया।

राजधानी दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को आयोजित होने जा रहा है ब्रिक्स सम्मेलन

कई देशों के बड़े नेता होंगे मौजूद

सरकारी अधिकारियों ने बताया कि इन अभ्यासों का मुख्य मकसद संभावित आतंकवादी खतरों का अंदाजा लगाना और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान आतंकवाद से जुड़े संकट से निपटने के लिए एक इंटीग्रेटेड सिस्टम को एक्टिवेट करने की प्रक्रियाओं का अभ्यास करना था, क्योंकि उस समय राजधानी में कई देशों के बड़े नेता मौजूद होंगे।



हर स्थिति से निपटने के लिए रणनीति : नाम न बताने की शर्त पर अधिकारी ने कहा कि इस हफ्ते ऐसी ही मॉक एक्सरसाइज की भी योजना है, जिसके तहत हर स्थिति के लिए खास रणनीतियां बनाई जाएंगी, ताकि दिल्ली में होने वाले इंटरनेशनल इवेंट के दौरान किसी भी घटना की स्थिति में उन्हें असल जिंदगी में असरदार ढंग से लागू किया जा सके।

राजधानी दिल्ली में 11 बड़ी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मिलने वाले हैं नेता

भारत एक ऐसे बड़े सम्मेलन की मेजबानी करने जा रहा है, जहां 11 बड़ी और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के नेता मिलने वाले हैं। ये नेता 18वें ब्रिक्स (ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका) शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली में इकट्ठा होंगे। व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग को बुलाए जाने से इस सम्मेलन का महत्व और बढ़ गया है, खासकर ऐसे समय में जब भू-राजनीति में उथल-पुथल मची है और दो बड़े युद्धों के खत्म होने के कोई आसार नहीं दिख रहे हैं, जिससे छोटी-बड़ी सभी ताकतें मौजूदा अनिश्चितता से निपटने की कोशिश कर रही हैं।

सबसे भारत के रिश्ते अलग-अलग

ब्रिक्स में बातचीत में शामिल होने वाली 11 अहम अर्थव्यवस्थाएं हैं-ब्राजील, चीन, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, भारत, ईरान, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम। ये देश अलग-अलग लेकिन अहम भू-राजनीतिक हितों का प्रतिनिधित्व करते हैं, जो शायद उनकी आर्थिक स्थिति के बराबर न हों। इसमें कम से कम 34 मंत्री-स्तरीय और एजेंसी प्रमुखों के ट्रैक, लगभग 100 वर्किंग ग्रुप और सब-ग्रुप, और कई अन्य पी2पी और बी2बी मैकेनिज्म शामिल हैं। ब्रिक्स का सहयोग राजनीतिक, सुरक्षा, आर्थिक और वित्तीय मुद्दों, स्वास्थ्य, शिक्षा, विज्ञान और तकनीक, कृषि, कस्टम, ऊर्जा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में फैला हुआ है। चेयर के तौर पर भारत का कार्यकाल मजबूती, इनोवेशन, सहयोग और सस्टेनेबिलिटी पर केंद्रित रहा है। मजबूती वाला पहलू स्वास्थ्य, कृषि, भोजन, ऊर्जा और आपदा जोखिम को कम करने पर केंद्रित है।

खबर संक्षेप

ग्राहम स्टेंस केस : 17 को निर्णायक सुनवाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दारा सिंह की समय पूर्व रिहाई की याचिका

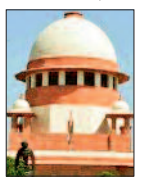

पर 17 सितंबर को सुनवाई करेगा। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा सरकार को दारा सिंह की समय से पहले रिहाई पर फ़ैसला न लेने के लिए फटकार लगाई। दारा सिंह ऑस्ट्रेलियाई मिशनरी ग्राहम स्टेन्स और उनके दो नाबालिग बेटों की हत्या के मामले में उम्रकैद की सज़ा काट रहा है। जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस विजय बिश्नोई की बेंच ने तब कड़ी नाराज़गी जताई जब ओडिशा सरकार ने अपने एडवोकेट-ऑन-रिकॉर्ड (एओआर) की बीमारी का हवाला देते हुए सुनवाई चार हफ़्ते के लिए टालने की मांग की।

व्यक्ति आरोपी न हो, तब भी कंपनी पर चलेगा मुकदमा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कंपनियों के खिलाफ आपराधिक मामलों को लेकर बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने कहा है कि सिर्फ इसलिए किसी कंपनी के खिलाफ केस खत्म नहीं किया जा सकता कि जिस कर्मचारी या अधिकारी के जरिए अपराध हुआ, उसकी पहचान नहीं हो पाई या उसे आरोपी नहीं बनाया गया। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने सुनवाई के बाद फार्मा कंपनी सनोफी इंडिया लिमिटेड की अपील खारिज कर दी।

एमपीएससी स्कैम : जंतर-मंतर के बाद जेन जेड का फिर हल्ला बोल

पेपरलीक, धांधली, गड़बड़ी के खिलाफ अब पुणे में भी सड़कों पर उतरे छात्र

महाराष्ट्र में प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों, धांधली और पेपर लीक के गंभीर आरोपों को लेकर एमपीएससी (महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग) अभ्यर्थियों का धैर्य अब पूरी तरह जवाब दे चुका है। व्यवस्था से नाराज और अपने भविष्य को लेकर चिंतित हजारों छात्रों ने पुणे की सड़कों पर उतरकर आक्रामक विरोध दर्ज कराया है।

एजेंसी ▶▶| पुणे

देश में इस साल परीक्षा प्रणाली में गड़बड़ियों को लेकर युवाओं का गुस्सा एक के बाद एक राज्य में सड़कों पर उतर रहा है। पुणे के ऐतिहासिक ओंकारेश्वर मंदिर चौक से जिलाधिकारी कार्यालय तक मंगलवार सुबह एक विशाल मार्च निकाला गया, जिसमें भारी संख्या में युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया। हाथों में तख्तियां और दिल में आक्रोश लिए प्रदर्शनकारी छात्रों का साफ कहना है कि दिन-रात मेहनत करने वाले अभ्यर्थियों के हक पर डाका डाला जा रहा है। आयोग में बैठे कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और एजेंटों की साठगांठ ने पारदर्शी परीक्षा प्रणाली की धज्जियां उड़ा दी हैं। छात्रों का स्पष्ट अल्टीमेटम है कि जब तक उनकी इन 12 सूत्रीय मांगों पर ठोस प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होती, तब तक उनका यह आंदोलन थमेगा नहीं।

परीक्षा प्रणाली में गड़बड़ियों को लेकर एक से दूसरे राज्य पहुंचा युवाओं का गुस्सा



एमपीएससी छात्रों की 12 प्रमुख मांगें

आक्रोशित छात्रों ने आयोग के सामने कुल 12 मांगें रखी हैं। इनमें प्रमुख रूप से एमपीएससी के मौजूदा अध्यक्ष और सचिव का तुरंत इस्तीफा लेकर बेदाग छवि वाले अधिकारियों की नियुक्ति की मांग सबसे प्रमुख है। छात्रों ने ग्रुप-**B** परीक्षा में लगे धांधली के आरोपों पर आयोग से 7 दिनों के भीतर आधिकारिक स्पष्टीकरण और निष्पक्ष जांच की मांग की है। इसके अलावा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा 2025 और कृषि सेवा परीक्षा के वर्णनात्मक पेपरों के मूल्यांकन में हुई गलतियों की उच्च स्तरीय जांच, मुंबई क्राइम ब्रांच की प्राथमिक जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने और गिरफ्तार आरोपी अपर सचिव अभिजीत लांडे के पूरे कार्यकाल की परीक्षाओं के फॉरेंसिक ऑडिट की मांग भी शामिल है।

दिल्ली से शुरू हुई थी यह लहर

देश के अलग-अलग हिस्सों में परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता की मांग को लेकर युवाओं का यह आंदोलन एक राज्य से दूसरे राज्य तक फैलता जा रहा है। दिल्ली में जून-जुलाई 2026 के दौरान कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में नीट पेपर लीक के खिलाफ बड़ा जेन जी प्रोटेस्ट चला था और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा था। इसके कुछ ही समय बाद झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षाओं में गड़बड़ी के आरोपों पर रांची में हजारों छात्र सड़कों पर उतर आए थे, जिसके दबाव में राज्य सरकार को कई परीक्षाएं रद्द करनी पड़ीं। अब यही गुस्सा महाराष्ट्र पहुंच चुका है, जहां पुणे में हजारों एमपीएससी अभ्यर्थियों ने आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया है।

सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल होने पर छात्र को 5 लाख का नोटिस

ग्रेटर नोएडा स्थित गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी के छात्र अक्षत त्रिपाठी को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन में शामिल होना महंगा पड़ गया है। ग्रेटर नोएडा के कार्यपालक मजिस्ट्रेट ने छात्र को शांति भंग से जुड़े मामले में 5 लाख रुपये का नोटिस जारी किया है। अक्षत त्रिपाठी स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) की उत्तर प्रदेश स्टेट कमेटी



के सदस्य भी हैं। यह कार्रवाई ईकोटेक-1 थाने के एक सब-इंस्पेक्टर की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। नोटिस में आरोप लगाया गया है कि जंतर-मंतर पर हुए सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान अक्षत त्रिपाठी ने छात्रों को सरकार के खिलाफ भड़काने और एकजुट करने का प्रयास किया। हालांकि, अक्षत ने इन आरोपों से इंकार किया है। उनका कहना है कि उन्होंने प्रदर्शन में पूरी तरह शांतिपूर्ण तरीके से हिस्सा लिया था।

सुप्रीम कोर्ट 10 सितंबर को करेगा सुनवाई

दिल्ली हादसा : पूरे देश में होगी असुरक्षित इमारतों की जांच!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि वह दिल्ली के सत्य निकेतन में बिल्डिंग गिरने की घटना के मद्देनजर पूरे देश में इमारतों की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की जांच करने पर विचार कर रहा है। जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस आर.महादेवन की बेंच ने मामले पर यह भी कहा कि वह सत्य निकेतन इमारत गिरने के मामले को दिल्ली हाईकोर्ट से अपने पास ट्रांसफर करने पर विचार करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'हमारे मन में पहले से यह योजना है कि पूरे देश में ऐसी जांच होनी चाहिए। हम इसे (दिल्ली हाईकोर्ट में चल रही याचिका को) यहां ट्रांसफर करवा सकते हैं। हम इस मामले पर 10 सितंबर को सुनवाई करेंगे।'

5 लोगों की गई है जान

दिल्ली यूनिवर्सिटी के साउथ कैंपस के पास सत्य निकेतन में रविवार (6 सितंबर) को एक पीजी बिल्डिंग के ढहने से सात लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें से पांच छात्र थे। कोर्ट का यह बयान ऐसे समय में आया है जब कोर्ट की ओर से नियुक्त एमिकस क्यूरी (न्याय मित्र) और सीनियर एडवोकेट अजीत कुमार कुमार सिन्हा ने इस मुद्दे पर एक याचिका का जिक्र किया। यह याचिका सुप्रीम कोर्ट में दायर की गई थी जिसमें देश भर के प्राइवेट पीजी अकोमोडेशन, हॉस्टल और छात्रों के रहने की अन्य सुविधाओं के निरीक्षण और सुरक्षा ऑडिट के लिए तत्काल निर्देश देने की मांग की गई थी।

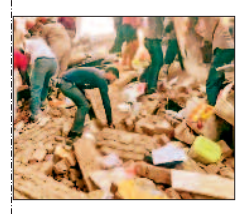

सत्य निकेतन में बिल्डिंग्स गिराने का काम शुरू

7 इमारत सील, 35 को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली के सत्य निकेतन में 6 सितंबर को हुए बिल्डिंग हादसे के बाद दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) एक्शन मोड में है। हादसे के बाद पिछले दो दिनों में एमसीडी ने करीब 1100 पीजी का सर्वे किया है। इन पीजी में करीब 20,250 छात्र रहते हैं। इस दौरान अवैध निर्माण और नियमों के उल्लंघन को लेकर कई संपत्तियों के खिलाफ डिमोलिशन और सीलिंग की कार्रवाई भी की गई है। एमसीडी की ओर से जारी आंकड़ों के मुताबिक, पिछले दो दिनों में 24 संपत्तियों पर डिमोलिशन की कार्रवाई की गई है, जबकि 7 संपत्तियों को सील किया गया है। इसके अलावा अलग-अलग मामलों में 35 शो-कॉज नोटिस जारी किए गए हैं। नगर निगम ने दो दिनों में 6 सीलिंग शो-कॉज नोटिस भी जारी किए हैं।



धीरेंद्र शास्त्री पर बंगाल की मंत्री का पलटवार

'हम पूजा के 4 दिन मछली खाने को ही बचाते हैं पैसा'

एजेंसी ▶▶| कोलकाता



बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री के 'दुर्गा पूजा के दौरान बंगालियों को मांसाहारी भोजन नहीं खाना चाहिए' वाले बयान पर सियासत गरमा गई है। सत्ताधारी दल बीजेपी और विपक्षी पार्टी टीएमसी दोनों ने ही धीरेंद्र शास्त्री के इस बयान पर आपत्ति जताई है। पश्चिम बंगाल सरकार में मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने धीरेंद्र शास्त्री के बयान को लेकर साफ कहा है कि कोई बाहरी व्यक्ति बंगाल की परंपराओं को नहीं समझ पाएगा। अग्निमित्रा ने कहा, 'हम पूरे साल पैसे बचाते हैं ताकि पूजा के चार दिनों में रेस्तरां जा सकें और मांस व हिलसा मछली खा सकें। हमें कोई नहीं बताएगा कि हम क्या खाएंगे, क्या पहनेंगे, कब बाहर जाएंगे या कब आएंगे।' टीएमसी विधायक कुणाल घोष ने धीरेंद्र शास्त्री पर निशाना साधते हुए कहा कि उनकी टिप्पणियां बंगाली समुदाय का अपमान है। पश्चिम बंगाल बीजेपी अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने भी धीरेंद्र शास्त्री के बयान पर आपत्ति जताई थी।

यह कहा था धीरेंद्र शास्त्री ने

गौरतलब है, बीते दिनों धीरेंद्र शास्त्री ने कहा था कि जो लोग धार्मिक होने का दावा करते हैं, लेकिन दुर्गा पूजा पंडाल के पीछे मांसाहारी खाना बनाते हैं, उन्हें धार्मिक नहीं बल्कि पाखंडी कहा जाएगा। साथ ही, उन्होंने दुर्गा पूजा के दौरान बंगालियों से मांसाहारी खाना छोड़ने की अपील की थी।

मिडिल ईस्ट में एक और संघर्ष शुरू

सऊदी के 4 शहरों पर हूती का हमला, 73 लोग घायल



काहिरा। ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के हमलों के कारण सऊदी अरब के दक्षिणी क्षेत्र में कई तेल प्रतिष्ठानों और अन्य आवश्यक सेवाओं से जुड़ी इकाइयों में आग लग गई। इन हमलों में 70 से अधिक लोग घायल हुए हैं। सऊदी अरब के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यमन में हूतियों के खिलाफ लड़ रहे सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-मलिकी ने बताया कि विद्रोहियों ने सऊदी अरब में 'असैन्य और आर्थिक प्रतिष्ठानों' को निशाना बनाया। इन हमलों को अमेरिका के एक महत्वपूर्ण सहयोगी सऊदी अरब और ईरान समर्थित यमन के हूती विद्रोहियों के बीच फिर से शुरू हुए संघर्ष के गंभीर होने के तौर पर देखा जा रहा है।

युद्ध भड़कने की संभावना

हूतियों के इस हमले के बाद मिडिल ईस्ट में एक और युद्ध भड़कने की संभावना है क्योंकि यह हमला सिर्फ सऊदी अरब पर नहीं बल्कि मक्का समझौते के सदस्य देशों जैसे पाकिस्तान और तुर्की के लिए एक चुनौती है। इस हमले के जवाब में अगर मक्का संयुक्त रक्षा समझौता के सदस्य संयुक्त रूप से कोई कार्रवाई करने की सोचते हैं तो फिर यह युद्ध बड़ा हो जाएगा। मक्का संयुक्त रक्षा समझौता 7 अगस्त को ही हुआ था और इस समझौते में सऊदी अरब के अलावा पाकिस्तान और तुर्की जैसे मुल्क भी हैं।

हल्द्वानी 'शुद्धिकरण' मामले में दर्ज हुई पहली एफआईआर

'नहीं लगे थे मजहबी नारे, फैलाए गए एडिटेड वीडियो'

एजेंसी ▶▶| देहरादून

उत्तराखंड के हल्द्वानी रामलीला मैदान में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की रैली के बाद हुई 'शुद्धिकरण' की घटना को लेकर कोतवाली में अज्ञात लोगों के खिलाफ पहली एफआईआर दर्ज की गई है। यह मामला वकील अंजू की शिकायत पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 196 और 299 तथा एससी/एसटी एक्ट की धारा 3(1)(r) के तहत दर्ज किया गया है। आरोपों में जाति-आधारित भेदभाव, सामाजिक अपमान और अनुसूचित जाति के व्यक्ति के प्रति नफरत और तिरस्कार की भावना रखना शामिल है। हल्द्वानी के एसपी (क्राइम) डॉ. जगदीश चंद्र इस मामले की जांच करेंगे।

एडवोकेट ने की शिकायत, कहा- मैं मौके पर थी



एडिटिंग के जरिए सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश

अंजू ने कहा कि सोशल मीडिया पर एडिट किए गए वीडियो के जरिए ऐसी सामग्री प्रसारित की गई, जिससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ने और लोगों के बीच सामाजिक मतभेद पैदा होने की स्थिति बनी। उनके मुताबिक, वीडियो में 'अल्लाह हू अकबर' जैसे भ्रामक शब्द जोड़कर प्रसारित किए गए। उन्होंने कहा कि ऐसे वीडियो सबसे पहले प्रसारित करने वालों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

जानबूझकर किया गया जाति को टारगेट, जोड़े गए भ्रामक शब्द

वकील अंजू का आरोप है कि सोशल मीडिया पर एडिटेड वीडियो प्रसारित कर 'अल्लाह हू अकबर' जैसे भ्रामक शब्द जोड़े गए और एक खास धर्म व जाति को टारगेट करने की कोशिश की गई। अंजू ने कहा कि उन्होंने किसी व्यक्ति, जाति या धर्म के खिलाफ अपमानजनक, भ्रामक या नफरत फैलाने वाली सामग्री की शिकायत नहीं की है। उनका कहना है कि इस मामले को सामान्य बयानबाजी या राजनीतिक मुद्दा कहकर टालना नहीं चाहिए। शुद्धिकरण का मामला गंभीर था और इसके बाद सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो एडिट करके डाले गए।

यह है मामला

8 अगस्त को रामलीला मैदान में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का एक कार्यक्रम हुआ था। इसके बाद, 10 अगस्त को कुछ लोगों ने उसी जगह पर तथाकथित 'शुद्धिकरण' की रस्म निभाई गई। इस घटना की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। कांग्रेस व विपक्ष ने आरोप लगाया इस शुद्धिकरण की रस्म से जाति-आधारित भेदभाव को बढ़ावा इसके अलावा, एक भ्रामक और संभवतः एडिट किए गए वीडियो के जरिए धार्मिक नफरत फैलाने के आरोप भी हैं।

रायपुर
बुधवार 9 सितंबर 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष द्वादशी
वर्ष : 25, अंक : 50
पृष्ठ : 12+4+4 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 33.0
न्यून. 25.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com



3 खराब हिंदी की वजह से छोड़ना पड़ा था पहला

विचार पेज
2 कुटीर उद्योग बना अवैध शराब...

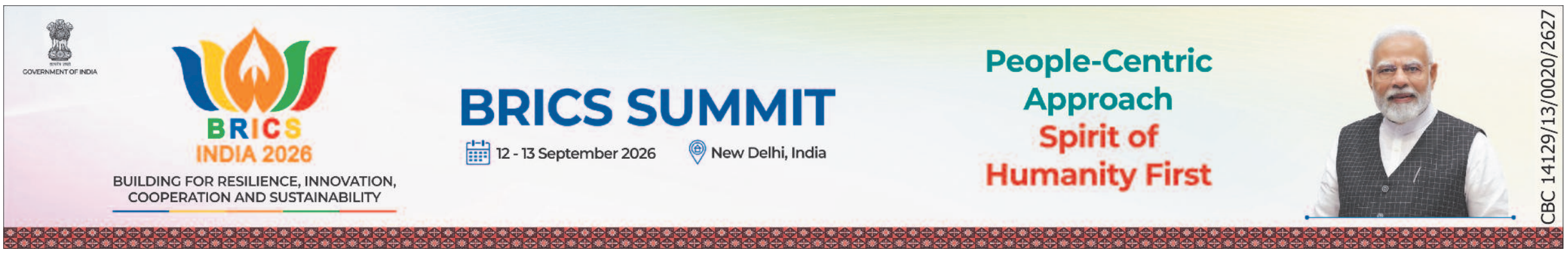

जहां शिक्षामंत्री का प्रवास, उसी इलाके के 599 स्कूलों का पावर कट, 41 लाख का बिल है बकाया

बकायेदार सरकारी संस्थाओं की बिजली कट करने के फैसले के बाद बिजली कंपनी ने ताड़बतोड़ कार्रवाई करते हुए मोहला मानपुर, अंबागढ़ चौकी वनांचल क्षेत्र के 599 स्कूलों की बिजली गुल कर दी। इसका सीधा असर अध्यापन कार्य पर हो सकता है। खास बात यह है कि मंगलवार से ही शिक्षामंत्री गजेंद्र यादव इस इलाके के प्रवास पर हैं और उन्होंने विभागीय समीक्षा बैठकें भी की हैं।



हरिभूमि न्यूज ⏭ मोहला

ऐसा बताया जा रहा है रहा है कि इन स्कूलों पर 41 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया है। जिन स्कूलों की बिजली काटी गई है, उनमें प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी तक शामिल हैं। जानकारी के अनुसार शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव अपने दो दिवसीय प्रवास पर मंगलवार से मोहला मानपुर अंबागढ़चौकी जिले के दौरे पर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने विभाग की समीक्षा बैठक ⏭शेष पेज 7 पर

हरिभूमि फॉलोअप


अब सरकारी दफ्तरों की बिजली भी कटेगी
रायपुर में 441 को नोटिस, धमतरी रजिस्ट्री दफ्तर का पावर कट

आबंटन के बाद भी बकाया

जानकारी के मुताबिक सरकारी स्कूलों के संचालन भवन के रंगरोगन ,फर्नीचर आदि व्यवस्थाओं के लिए सरकार की तरफ से हर वर्ष भारी भरकम फंड उपलब्ध कराया जाता है, परंतु स्कूलों का बिजली बिल भी नहीं पटाया जा सका है।

इन सब स्टेशनों के द्वारा की गई कार्रवाई

विद्युत विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक मोहला, मानपुर, अंबागढचौकी, कौड़ीकसा, दिघवाडी, गोटाटोला, डूमर टोला, खडगांव, सीता गांव,औधी,वासडी,चिल्हाटी बाधाबाजार वितरण केन्द्रों से सरकारी स्कूलों की बिजली सप्लाई रोक दी गई है।

एक साथ सैकड़ों स्कूलों की कटी बिजली

आंकड़ों के मुताबिक जिले में 909 प्राथमिक शालाएं, मिडिल स्कूल ,हाई स्कूल ,हायर सेकेंडरी स्कूल स्थापित हैं। इनमें से ज्यादातर का पावर कट किया गया है। जिला शिक्षा अधिकारी योग दास साहू ने हरिभूमि से कहा कि उन्हें इसकी जानकारी नहीं है आवंटन होने की स्थिति में विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय से बिजली बिल का भुगतान किया जाएगा।

अधूरे पुल पर खुली आंख, पर काम आधा सीढ़ी की जगह सेट्रिंग प्लेट, खतरा अब भी



हरिभूमि न्यूज ⏭ मैनपुर

गरियाबंद जिले के तहसील मुख्यालय मैनपुर से पांच किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत देहारगुड़ा और खामभाठा के बीच पैरी नदी पर बरसों से अटके अधूरे पुल के ऊपर से जान पर खेलकर स्कूल जाते बच्चों की खबर छपने के बाद प्रशासन हरकत में आया है। लोक निर्माण विभाग ने खबर को संज्ञान में लेते हुए चार महीने में पुल का काम पूरा करने का निर्देश ठेकेदार को दिया है। वहीं ठेकेदार ने पुल पर सेंट्रिंग लगाकर खतरा कम करने की कोशिश की है, लेकिन यहां से गुजरने वालों की दिक्कतें कम नहीं हुई है। जानकार बता रहे हैं कि दुर्घटना का ⏭शेष पेज 7 पर

खबर का असर



ग्रामीण नाराज

ग्राम पंचायत के सरपंच महेश दीवान, पूर्व सरपंच डिगेश्वरी सांडे, पवन दीवान, सोहन नागेश एवं ग्रामीणों ने कहा कि यह मामला सामने आने के बाद भी अधिकारी और जनप्रतिनिधियों का रवैया आश्चर्यजनक है। उन्होंने ग्रामीणो को उनके हाल पर छोड़ दिया है।

सिंगल सीढ़ी के बाद अब सेंट्रिंग प्लेट वाली सीढ़ी

बारिश में नदी में बाढ़ आने के कारण इस अधूरे पुल के किनारे लोहे की पतली सीढ़ी के सहारे बच्चे अधूरे पुल के ऊपर पहुंच रहे थे। फिर लकड़ी के गत्तों के सहारे आना जाना करने मजबूर थे। जबकि 20 फीट नीचे नदी बह रही है। ग्रामीण भी इसी तरह आना जाना कर रहे थे। इस खबर के प्रकाशन के बाद ⏭शेष पेज 7 पर

क्या कहते हैं अफसर

लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग बिज के एसडीओ एस के पंडोले ने हरिभूमि को बताया कि उच्च अधिकारियों ने ठेकेदार को सख्त हिदायत दी है कि दिसम्बर तक पुल निर्माण पूरा किया जाए। साथ ही लोगों के आने-जाने के लिए समुचित व्यवस्था करने के लिए कहा गया है।

विधायक जनक ध्रुव बेहद नाराज

बिन्द्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव इस मामले में नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि पूरा मामला सामने आने के बाद भी सरकार सोई हुई है और कोई बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रही है। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्र के लोगों की चिंता किसी को नहीं है। जिले के अफसर भी अब तक अधूरे पुल को देखने नहीं पहुंचे हैं। ग्रामीण कैसे आना जाना कर रहे हैं, इससे शासन प्रशासन को कोई लेना देना नहीं है।

मोदी-पुतिन बैठक का एजेंडा तय

भारत में नए परमाणु संयंत्र एसयू-57 पर बनेगी बात

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली



रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत दौरे पर आने वाले हैं। यहां ब्रिक्स समिट से इतर वो पीएम मोदी के साथ 11 सितंबर को द्विपक्षीय बैठक करेंगे। इससे पहले, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने मंगलवार को मीटिंग का एजेंडा बताते हुए कहा कि भारत में नए परमाणु संयंत्र स्थापित करने और एसयू-57 लड़ाकू विमान पर चर्चा होगी। रूसी राष्ट्रपति के प्रवक्ता ने रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने के अमेरिका के प्रस्तावित कदम पर कहा कि यह अवैध और अस्वीकार्य है।

- 11 सितंबर को भारत आएंगे रूसी राष्ट्रपति

एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम

रूस ने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम की बाकी डिलीवरी को लेकर अपना रुख साफ कर दिया है। क्रेमलिन ने कहा है कि भारत के साथ किए गए रक्षा समझौतों को पूरा किया जाएगा। एस-400 की बची हुई डिलीवरी भी इसी कमिटमेंट का हिस्सा है। बता दें भारत ने 2018 में रूस के साथ करीब 5.43 अरब डॉलर का समझौता किया था। इसके तहत भारत को पांच एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम मिलने थे।

ब्रह्मोस को और ताकतवर बनाने की तैयारी

रूस ने ब्रह्मोस मिसाइल प्रोग्राम को लेकर भी बड़ा संकेत दिया है। पेसकोव ने कहा कि भारत और रूस को अब इस सिस्टम को और बेहतर बनाने पर ध्यान देना चाहिए। दोनों देश ब्रह्मोस मिसाइल का संयुक्त उत्पादन करते हैं। रूस का मानना है कि इसमें नई क्षमताएं जोड़ी जा सकती हैं। इससे इसकी प्रभावशीलता बढ़ेगी। साथ ही अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी प्रतिस्पर्धा भी मजबूत हो सकती है। पेसकोव ने कहा कि भारत और रूस अब सिर्फ हथियार खरीदने और बेचने तक सीमित नहीं हैं। दोनों देश मिलकर रक्षा उपकरण बना रहे हैं।

खबर संक्षेप

अभिनेता उत्तम कुमार पर स्मारक सिक्का

नई दिल्ली। केंद्र सरकार बंगाल के जाने-माने अभिनेता उत्तम कुमार की जन्मशती के अवसर पर 100 रुपए का स्मारक सिक्का जारी करेगी।



बांग्ला सिनेमा के दिग्गज अभिनेता उत्तम कुमार का जन्म तीन सितंबर, 1926 को हुआ था। उनका मूल नाम अरुण कुमार चट्टोपाध्याय था। उन्हें भारतीय सिनेमा के सबसे प्रतिष्ठित अभिनेताओं में गिना जाता है और बांग्ला फिल्म उद्योग में उन्हें 'महानायक' के रूप में याद किया जाता है।

कोर्ट ने रखी शर्त, 5 करोड़ जमा करो, वरना जेल जाओ

नई दिल्ली। चेक बाउंस के मामले में बॉलीवुड एक्टर राजपाल यादव ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा है कि अगर राजपाल यादव कल तक कोर्ट की रजिस्ट्री में 5 करोड़ रुपए जमा करा देते हैं, तो उन्हें फिलहाल जेल नहीं जाना पड़ेगा। कोर्ट ने एक्टर राजपाल यादव के सामने राहत पाने की एक सख्त शर्त रखी है। कोर्ट के निर्देशानुसार, यदि वह 9 सितंबर तक रजिस्ट्री में 5 करोड़ रुपए की राशि जमा करवा देते हैं, तो उन्हें हिरासत में नहीं लिया जाएगा।

विनाशकारी बाढ़ से तबाह
नेपाल की धरती डोली

मुस्तांग जिले में 5.3 तीव्रता का भूकंप

एजेंसी ⏭ काठमांडू

अचानक आई विनाशकारी बाढ़ से तबाह नेपाल की धरती मंगलवार को फिर डोली। नेपाल के पश्चिमोत्तर हिस्से में स्थित मुस्तांग जिले में मंगलवार को 5.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। कोई नुकसान नहीं हुआ, लेकिन काठमांडू और आसपास के रहवासी दहशत में आ गए। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र मुस्तांग जिले के लोमान्थांग में था, जो काठमांडू से 375 किलोमीटर पश्चिमोत्तर में स्थित है। भूकंप रात नौ बजकर 53 मिनट पर आया। भूकंप से तत्काल किसी तरह के नुकसान की कोई सूचना नहीं है। इसके झटके पड़ोसी मनांग, डोल्पा और म्याग्दी जिलों में भी महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र जमीन के अंदर 143 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के झटके के बाद अभी तक किसी के हताहत होने या बड़े पैमाने पर नुकसान की तत्काल सूचना नहीं मिली है।



आश्रय शिविरों में करीब 3500 लोग

एनडीआरआरएमए के अनुसार, सोमवार तक रासुवा, नुवाकोट और धादिंग में सरकार द्वारा संचालित आश्रय शिविरों में करीब 3,500 लोग रह रहे थे। बाढ़ से बेघर हुए कई अन्य लोगों ने जहां भी जगह मिली, वहां शरण ली है, जिनमें स्कूल, मंदिर, मठ, खाली कार्यालय की इमारतें, सामुदायिक इमारतें और जंगलों में लगाए गए तंबू शामिल हैं।

अब तक 1357 की मौत, 5326 लापता

बाढ़ से प्रभावित इलाकों से और शव बरामद किए जाने के बाद मंगलवार को मृतकों की संख्या बढ़कर 1,357 हो गई। राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि बचाव दल अब भी 5,326 लोगों की तलाश कर रहे हैं जबकि अब तक 13,583 लोगों को बचाया जा चुका है।

बॉम्बे हाईकोर्ट में हुई सुनवाई

राहुल को झटका, रद्द नहीं होगा मानहानि मामला

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ चल रहे मानहानि मामले को रद्द करने की अपील की थी। यह मामला 2018 में प्रधानमंत्री मोदी को कमांडर-इन-थीफ कहने से जुड़ा है। अदालत ने कहा कि निचली अदालत का आदेश बिल्कुल सही था, इसलिए अब इस मामले में सुनवाई आगे बढ़ेगी।

राफेल मामले में मोदी पर लगाए थे आरोप

इस मामले की शुरुआत तब हुई थी, जब राहुल गांधी ने राफेल लड़ाकू विमान सौदे पर एक भाषण दिया। अपने भाषण में उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और उनसे जुड़े कुछ लोगों पर गड़बड़ी करने का आरोप लगाया था।

गोंदिया के पास भीषण हादसा

बोलेरो-ट्रक की भिड़ंत छह लोगों की गई जान

गोंदिया। महाराष्ट्र को मध्य प्रदेश से जोड़ने वाले गोंदिया-बालाघाट राज्य महामार्ग पर सोमवार देर रात ग्राम नागरा के पास एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से आ रही मजदूरों से भरी बोलेरो गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी। यह टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए और मौके पर ही 3 वर्षीय मासूम बालक समेत 6 लोगों ने दम तोड़ दिया।

गैस कटर से निकाले गए शव

हादसे की जोरदार आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। सूचना मिलते ही गोंदिया ग्रामीण पुलिस का दल फौरन मौके पर पहुंचा और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

एयर ट्रैफिक सिस्टम में खराबी

300 से ज्यादा फ्लाइट्स रद्द लंदन में मची अफरा-तफरी

लंदन। ब्रिटेन में मंगलवार को हवाई यात्रियों को खासी मुसीबत का सामना करना पड़ा। यहां पर 300 से ज्यादा फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गईं। ऐसा एयर ट्रैफिक कंट्रोल प्रोवाइडर नैट्स को हुई तकीनीकी समस्या चलते ऐसा हुआ। जानकारी के मुताबिक हीथ्रो, गैटविक, मैनचेस्टर और स्टैंस्टेड जैसे बड़े एयरपोर्ट पर कैंसिलेशन और देरी का असर देखने को मिला।

आयरलैंड तक रहा असर

इस समस्या के चलते लंदन फ्लाइट क्षेत्र के सभी हवाई अड्डों पर आने-जाने वाली फ्लाइट्स पर कड़े नियंत्रण लग गए हैं। लंदन लूटन और बर्मिंघम हवाई अड्डों में देरी या रद्द होने की खबरें मिलीं।

जज ने 4 महीने में 11 मामलों में 23 बार सुनाई मौत की सजा

कायर कहलाने के बजाय मौत को गले लगाना पसंद करूंगा

एजेंसी ⏭ मुजफ्फरनगर

मुजफ्फरनगर के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश रवि कुमार दिवाकर ने दहेज हत्या के एक मामले में सोमवार को मृत्युदंड का फैसला सुनाते हुए कहा कि वह कायर जज कहलाने के बजाय मौत को गले लगाना पसंद करेंगे। पिछले चार माह में उनके द्वारा सुनाया गया यह 23वां मृत्युदंड है। दहेज की मांग को लेकर पत्नी को जिंदा जलाने के दोषी एक व्यक्ति को मृत्युदंड की सजा सुनाते हुए त्वरित अदालत के न्यायाधीश ने कहा कि वह अपने न्यायिक कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए माफियाओं, गैंगस्टरों या अपराधियों के दबाव में नहीं आएंगे। न्यायाधीश दिवाकर ने कहा कि उनके माता-पिता ने उन्हें केवल ईश्वर से डरना सिखाया है। उन्होंने कहा कि यदि वह अपने न्यायिक कर्तव्यों ⏭शेष पेज 7 पर

मृत्युपूर्व बयान से दोषी

शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि मृत्यु से पहले दर्ज कराए गए बयान में शहजादी ने आरोप लगाया था कि नदीम ने उसे जलाया था। उन्होंने बताया कि मुकदमे की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष के सभी 11 गवाह मुकर गए, लेकिन अदालत ने शहजादी के मृत्युपूर्व बयान के आधार पर नदीम को दोषी ठहराया।



पत्नी को गलाकर मार डाला

शासकीय अधिवक्ता कुलदीप कुमार के अनुसार, सोमवार के मामले में न्यायाधीश दिवाकर की अदालत ने अभियुक्त नदीम को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 और 504 के तहत दोषी ठहराया और उस पर एक लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया। यह मामला 23 जुलाई 2018 को शाहपुर कस्बे में दहेज की मांग को लेकर नदीम द्वारा अपनी पत्नी शहजादी (23) को कथित तौर जला देने से संबंधित है। शहजादी को गंभीर हालत में दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था, जहां बाद में उसकी मौत हो गई थी।

हत्या के 100 मामले सौंपे गए

शासकीय अधिवक्ता ने बताया कि न्यायाधीश दिवाकर की अदालत ने पिछले चार महीनों में 11 मामलों में 23 लोगों को मृत्युदंड दिया है। इससे पहले अगस्त में, दिवाकर के समक्ष लंबित हत्या के लगभग 100 मामलों को एक प्रशासनिक आदेश के माध्यम से जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार सिंह की अदालत में स्थानांतरित कर दिया गया था। जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने कहा था कि मामलों का स्थानांतरण वकीलों और वादियों के बीच त्वरित अदालत द्वारा मृत्युदंड दिए जाने की आशंका के बीच हुआ।

चिंतन

भारत में आंतरिक सुरक्षा की चुनौतियों की बढ़ती जटिलता



मुद्दा
प्रमोद भार्गव

भारत की आंतरिक सुरक्षा का चरित्र तेजी से बदल रहा है। कभी आतंकवाद का अर्थ था सीमा पार से घुसपैठ करते हथियारबंद लोग, कभी अलगाववादी संगठनों को मिलने वाली विदेशी फंडिंग और कभी पड़ोसी देशों की धरती से संचालित आतंकी शिविर। अब खतरा इससे कहीं अधिक जटिल हो चुका है। विदेशी नागरिक, स्थानीय उग्रवादी संगठन, आधुनिक तकनीक, ड्रोन, साइबर नेटवर्क और सीमापार अस्थिरता का गठजोड़ भारत की आंतरिक सुरक्षा के लिए नए दौर के हाइब्रिड वॉरफेयर की ओर इशारा करता है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी की ताजा कार्रवाई इसी बदलते सुरक्षा परिदृश्य को समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। एनआईए ने अमेरिकी नागरिक मैथ्यू आरोन वैन डाइक व छह यूक्रेनी नागरिकों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। एजेंसी के मुताबिक ये लोग म्यांमार के रास्ते मिजोरम सीमा से भारत में दाखिल हुए थे और बाद में देश के विभिन्न हिस्सों में पकड़े गए। जांच एजेंसी ने इनके संबंध जातीय सशस्त्र समूहों से होने तथा भारत और म्यांमार में सक्रिय समूहों को सहायता एवं ड्रोन प्रशिक्षण देने की आशंका जताई है। दरअसल, इस पूरे मामले का महत्व सात विदेशी नागरिकों से कहीं बड़ा है। भारत के सामने आज सबसे बड़ी सुरक्षा चुनौतियों में से एक यह है कि बाहरी शक्तियां देश के भीतर मौजूद किसी असंतोष, जातीय तनाव या क्षेत्रीय संघर्ष को अपने हितों के लिए इस्तेमाल करने की कोशिश कर सकती हैं। इसे ही हाइब्रिड वॉरफेयर के संदर्भ में देखा जाता है। इसमें दुश्मन धन भेज सकता है, तकनीक उपलब्ध करा सकता है, प्रशिक्षण दे सकता है, सोशल मीडिया पर नैरेटिव खड़ा कर सकता है और स्थानीय संघर्ष को ऐसी क्षमता दे सकता है, जिससे वह कहीं अधिक विस्फोटक बन जाए। भारत के लिए पूर्वोत्तर इस लिहाज से विशेष रूप से संवेदनशील क्षेत्र है। म्यांमार की राजनीतिक अस्थिरता का सीधा प्रभाव भारत की सुरक्षा पर पड़ता है। दूसरी ओर, इस क्षेत्र में दशकों से सक्रिय विभिन्न जातीय और उग्रवादी समूहों का इतिहास रहा है। यही वह परिस्थितियां हैं, जिनका लाभ कोई बाहरी शक्ति उठाने की कोशिश कर सकती है। अब इसमें ड्रोन तकनीक भी जुड़ गई है। आज ड्रोन का इस्तेमाल हथियार और नशीले पदार्थ पहुंचाने, निगरानी करने और सुरक्षा बलों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए किया जा सकता है। यदि किसी स्थानीय सशस्त्र संगठन को बाहरी विशेषज्ञ प्रशिक्षण या तकनीकी सहायता मिलने लगे तो उसका सुरक्षा प्रभाव कई गुना बढ़ सकता है। पश्चिमी सीमा पर पाकिस्तान से आने वाले ड्रोन पहले ही भारत की सुरक्षा एजेंसियों के सामने चुनौती बन चुके हैं। पंजाब और जम्मू-कश्मीर में हथियार और ड्रग्स पहुंचाने के लिए ड्रोन के इस्तेमाल ने यह साबित किया है कि सीमा पार आतंकवाद का मॉडल भी तकनीकी रूप से बदल रहा है। ऐसे में पूर्वोत्तर में किसी विदेशी नेटवर्क द्वारा ड्रोन प्रशिक्षण दिए जाने की आशंका को भी उसी व्यापक तकनीकी बदलाव के संदर्भ में देखना होगा। चीन का संदर्भ भी यहां महत्वपूर्ण है। भारत और चीन के बीच प्रत्यक्ष सैन्य तनाव के अलावा रणनीतिक प्रतिस्पर्धा का क्षेत्र लगातार व्यापक हुआ है। यही कारण है कि भारत की आंतरिक सुरक्षा को अब केवल गृह मंत्रालय या पुलिस का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। यह विदेश नीति, सीमा प्रबंधन, खुफिया तंत्र, साइबर सुरक्षा, वित्तीय निगरानी और रक्षा नीति से सीधे जुड़ा विषय है। सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है इंटेलिजेंस का एक ऐसा एकीकृत तंत्र जो सीमा के उस पार से लेकर भारत के भीतर सक्रिय अंतिम नेटवर्क तक पूरी कड़ी को जोड़ सके।

कुटीर उद्योग बना अवैध शराब का धंधा

> जब देशी शराब महुआ, गुड़ और अनाजों से प्राकृतिक तरीके से बनाई जाती थी, तब यह कतई घातक साबित नहीं होती थी, किंतु जब से इस शराब का निर्माण रसायनों से होने लगा है, तब से मध्य-प्रदेश में ही नहीं देशभर में इस शराब के पीने से निरंतर मौतों की घटनाएं सामने आ रही हैं। धार्मिक नगरियों का मध्यप्रदेश ऐसी शराब का गढ़ बन गया है। मध्यप्रदेश की गलत आबकारी नीति भी इस शराब के निर्माण को बढ़ावा देने का काम कर रही है। शराब के लगातार कहर ठहाने के बाद भी नीति-नियंता इसलिए बेफिक्र रहते हैं, क्योंकि एक तो ऐसी शराब पीने से गरीब और वंचित लोगों की मौतें होती हैं, दूसरे, अब देशी-विदेशी शराब के ठेकों में अला राजनेता, आबकारी एवं पुलिस विभाग के नौकरशाह इन ठेकों में भागीदार हो गए है।

मध्य-प्रदेश में अवैध शराब के निर्माण ने कुटीर उद्योग का रूप ले लिया है। इस शराब का निर्माण बड़े पैमाने पर सीधे-सीधे आसवनी भट्टियों में हो रहा है। यह शराब ड्रमों में लाकर रसायानों से बनाई जा रही है। सागर जिले के बंडा तहसील के ग्राम ततरबारा में अवैध शराब निर्माण की जो फैक्ट्री बताई जा रही है, उसमें बकायदा अलग-अलग ब्रांड की शराब तैयार करके बोतलों में पैकिंग की जाती थी। यानी शराब निर्माण के सभी उपकरण इस फैक्ट्री में मौजूद थे। इस निर्माण से जुड़े नेटवर्क के तार मुरैना से भी जुड़े बताए जा रहे हैं। आमतौर से देशी तरीके से बनाई जा रही शराब भी जहरीली शराब में तब बदल जाती है, जब उसमें घटिया सामग्री का असंतुलित घालमेल बैठा दिया जाता है। ऐसा ज्यादा कमाई के चक्कर में किया जाता है, जो दीनहीनों की मौत का कारण बन जाती है।

एक समय जब देशी शराब महुआ, गुड़ और अनाजों से प्राकृतिक तरीके से बनाई जाती थी, तब यह कतई घातक साबित नहीं होती थी, किंतु जब से इस शराब का निर्माण रसायनों से होने लगा है, तब से मध्य-प्रदेश में ही नहीं देशभर में इस शराब के पीने से निरंतर मौतों की घटनाएं सामने आ रही हैं। धार्मिक नगरियों का मध्यप्रदेश ऐसी शराब का गढ़ बन गया है। मध्यप्रदेश की गलत आबकारी नीति भी इस शराब के निर्माण को बढ़ावा देने का काम कर रही है। शराब के लगातार कहर ठहाने के बाद भी नीति-नियंता इसलिए बेफिक्र रहते हैं, क्योंकि एक तो ऐसी शराब पीने से गरीब और वंचित लोगों की मौतें होती हैं, दूसरे, अब देशी-विदेशी शराब के ठेकों में अला राजनेता, आबकारी एवं पुलिस विभाग के नौकरशाह इन ठेकों में भागीदार हो गए हैं। कुछ आरोपितों को सीधे-सीधे एक पूर्व मंत्री से जुड़ा बताया जा रहा है। साफ है, प्रदेशभर में शराब निर्माण और विक्रय की ठेकेदारी ऐसे लोगों के हाथ में है, जो बाहुबली होने के साथ ऊंची पहुंच रखने वाले है। इसलिए जो भी कार्यवाही होगी वह तत्काल तो मीडिया में असरकारी दिखेगी, लेकिन फिर दर्ज एफआईआर शून्य में बदलती चली जाएंगी। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती ने तीन साल पहले शराबबंदी की मुहिम चलाई थी, लेकिन तब के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की कुटिल चतुराई के चलते वह नक्कारखाने की तूती साबित हुई।

शराब की दुकानें और शराब बिक्री के लिए जो नई आबकारी नीति सामने आई थी, उसमें उमा भारती की मुहिम और धमकी का कोई असर दिखाई नहीं दिया था। इस अबकारी नीति के सामने आने के समय से ही अनेक अनुत्तरित सवाल आज भी खड़े हुए हैं।

नीति में स्पष्ट नहीं है कि जो शुष्क दिन है, मसलन गांधी जयंती, 15 अगस्त, 26 जनवरी, होली और चुनाव प्रक्रिया के दौरान घरों में शराब का बार खोलने की जो छूट चली आ रही है, वह यथावत जारी रहेगी या नहीं ? होम-बार की आड़ में उज्जैन, ओरछा, ओमकारेश्वर जैसे पवित्र नगरों में भी शराबखोरी चलती रहेगी। हालांकि सरकार ने प्रत्यक्ष तौर पर कोई भी नई दुकान खोलने का निर्णय इस नीति में नहीं लिया है, परंतु पिछले दरवाजे से



शराब बेचने की पगडंडियां खुली छोड़ दी गई हैं। देशी शराब की दुकान पर विदेशी और विदेशी शराब की दुकान पर देशी शराब बेची जाती रहेगी। फैसले से स्पष्ट होता है कि सरकार ने तकनीकी रूप से कानूनी झोल की सुविधा बरकरार रखकर यथास्थिति बनाए रखी है। नई आबकारी नीति से सबसे ज्यादा फजीहत उमा भारती की हुई थी। ओरछा की जिस शराब की दुकान पर भारती ने गोबर फेंककर आक्रोश प्रकट किया था, वहां से भी दुकान बदली नहीं गई। अंत में भारती ने राजनीतिक चतुराई बरतते हुए रामराजा मंदिर मार्ग पर खुली दुकान का सारा दोष प्रशासन पर मढ़कर अपनी मुहिम को विराम दे दिया था। यह दुकान पहले नगर में अंदर की तरफ डेढ़ किमी दूर थी, किंतु तब कमाई कम होती थी, ठेकेदार को लाभ दिलाने के लिए जिला आबकारी विभाग ने यह दुकान मंदिर के प्रवेश द्वार पर खुलवा दी। इस दुकान के खोले जाने का विरोध ओरछा के नागरिकों, विद्यार्थी परिषद्, बजरंग दल के नेताओं ने संयुक्त रूप से किया था। लेकिन बात नहीं बनी। पूरी प्रदेश सरकार इस दुकान के आगे नतमस्तक हो गई थी। इस पराजय के बाद से उमा भारती ने शराबबंदी की मुहिम से पूरी तरह तौबा कर आंखें मूंद लीं। शराबबंदी को लेकर अकसर यह प्रश्न खड़ा किया जाता है कि इससे होने वाले राजस्व की भरपाई कैसे होगी और शराब तस्करी को कैसे रोकेंगे? ये चुनौतियां अपनी जगह वाजिब हो सकती हैं, लेकिन शराब के दुष्प्रभावों पर जो अध्ययन किए गए हैं, उनसे पता चलता है कि उससे कहीं ज्यादा खर्च, इससे उपजने वाली बीमारियों और नशा-मुक्ति अभियानों पर हो जाता है। इसके अलावा पारिवारिक और सामाजिक समस्याएं भी नए-नए रूपों में सुरसामुख बनी रहती हैं। घरेलू हिंसा से लेकर कई अपराधों और जानलेवा सड़क दुर्घटनाओं की वजह भी शराब बनती है। यही कारण है कि शराब के विरुद्ध खासकर ग्रामीण परिवेश की महिलाएं मुखर आंदोलन चलातीं, समाचार माध्यमों में दिखाई देती हैं। इसीलिए माहात्मा गांधी ने शराब के सेवन को एक बड़ी सामाजिक बुराई माना था। उन्होंने स्वतंत्र भारत में संपूर्ण शराबबंदी लागू करने की पैरवी की थी। 'यंग इंडिया' में गांधी ने लिखा था, 'अगर मैं केवल एक घंटे के लिए भारत का सर्वशक्तिमान शासक बन जाऊं तो पहला काम यह करूंगा कि शराब की सभी दुकानें, बिना कोई मुआबजा दिए तुरंत बंद करा दूंगा।' बावजूद गांधी के इस देश में सभी राजनीतिक दल चुनाव में शराब बांटकर मतदाता को लुभाने का काम करते हैं।

ऐसा दिशाहीन नेतृत्व देश का भविष्य बनाने वाली पीढ़ियों का ही भविष्य चौपट करने का काम कर रहा है। वर्तमान में तो पूरे प्रदेश में शराब के साथ-साथ स्मैक, चरस की बिक्री धड़ल्ले से चल रही है। सर्वोच्च न्यायालय ने शराब पर अंकुश लगाने की दृष्टि से राष्ट्रीय राजमार्गों पर शराब की दुकानें खोलने पर रोक लगा दी थी। किंतु सभी दलों के राजनीतिक नेतृत्व ने चतुराई बरतते हुए नगर और महानगरों से जो नए बाइपास बने हैं, उन्हें राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करने की अधिसूचना जारी कर दी और पुराने राष्ट्रीय राजमार्गों का इस श्रेणी से विलोपीकरण कर दिया। मध्य-प्रदेश में भी यही किया गया। साफ है, शराब की नीतियां शराब कारोबारियों के हित दृष्टिगत रखते हुए बनाई जा रही हैं। यह हित इसलिए साधे जा रहे हैं, क्योंकि ठेकेदारों के साथ राजनेता और अधिकारी भी इस गठबंधन के हिस्सेदार हो गए हैं। यदि ये शामिल नहीं है तो साफ है, शराब माफिया सरकार पर भारी हैं। अतएव जहरीली शराब का यह गोरखधंधा भविष्य में भी रुकने वाला नहीं है। उमा भारती शराबबंदी के लिए सड़क पर उतरेंगी, नामुमकिन है ?

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

मंथन
दिनेश शर्मा 'दिनेश'



विवेक और संवेदना का संसार हैं पुस्तकें

मानव सभ्यता की विकास यात्रा में श्रुति परम्परा के बाद ज्ञान, विचार और मानवीय संवेदनाओं के हस्तांतरण का सबसे सशक्त और प्रामाणिक माध्यम सदैव से छपे हुए शब्द ही रहे हैं। एक समय था जब छपे हुए शब्द मात्र सूचना संप्रेषित करने का कोई साधारण साधन नहीं हुआ करते थे, अपितु वे जीवन-दर्शन, लोक-संस्कृति और वैचारिक गहराई के संवाहक माने जाते थे। जब भी कोई पाठक किसी मुद्रित पुस्तक को अपने हाथों में लेता था तो वह केवल कागज के निर्जीव पन्ने नहीं पलटता था, बल्कि वह रचनाकार के मस्तिष्क और उसकी आत्मा के साथ एक अत्यंत गहन, मौन और आत्मीय संवाद स्थापित करता था। छपे हुए शब्दों की वह दुनिया अद्भुत थी। तब किसी वैचारिक गद्य को पढ़ने अथवा शास्त्रीय साहित्य के किसी गूढ़ दार्शनिक अर्थ को समझने के लिए जिस एकाग्रता और तन्मयता की आवश्यकता होती थी, वह मनुष्य के भीतर एक असाधारण धैर्य का निर्माण करती थी। काव्य-रसिक जब किसी विशुद्ध कविता, दोहे या मुक्तक के साये को पढ़ते थे तो वे मात्र शब्दों को बांचते नहीं थे, बल्कि शब्दों की लय, मात्राओं के कठोर अनुशासन और उनके नेपथ्य में छिपे गहरे भावों को अपने हृदय में उतारते थे। एक-एक छंद पर रुकना, उसके अर्थ-विस्तार पर विचार करना और उसकी गहराई में उतर जाना ही पठन का वास्तविक आनंद हुआ करता था। हमारी समृद्ध लोक-परंपराओं, ग्रामीण अंचलों से निकले लोक-साहित्य और पीढ़ियों से चले आ रहे पारंपरिक गीतों में जो अमूल्य दर्शन पिरोया गया है, वह इसी गंभीर स्वाध्याय और धैर्य की मांग करता है।

उस स्वर्णिम दौर में पठन-पाठन केवल कुछ नई बातें जान लेने की सतही प्रक्रिया न होकर एक प्रकार का आध्यात्मिक और मानसिक अनुष्ठान था। किंतु समय के चक्र ने एक अत्यंत तीव्र और अकल्पनीय करवट ली। आज हम तकनीकी चकाचौंध के उस चरम बिंदु पर खड़े हैं, जहां आभासी पटल और मायावी विद्युतीय तंत्र ने हमारे जीवन के हर पहलू को अपने मोहपाश में बांध लिया है। वर्तमान परिदृश्य में, त्वरित संचार माध्यमों और यंत्रों के चमचमाते फलकों ने हमारे पढ़ने, समझने और विचार करने की आदतों को जड़ से बदल कर रख दिया है। आज हम सूचनाओं के एक अथाह महासागर में गोते तो लगा रहे हैं, लेकिन उस महासागर की गहराई में उतरकर ज्ञान के सच्चे मोती निकालने का समय और धैर्य अब हमारे पास शेष नहीं है। त्वरित संतुष्टि और तत्काल सूचना प्राप्ति की इस अंधी दौड़ ने स्वाध्याय की मूल प्रकृति को बुरी तरह खंडित कर दिया है। आज पठन की जगह केवल सरसरी निगाह से देखने और उंगलियों को निरंतर आभासी फलक पर खिसकाते रहने की एक नई और खतरनाक प्रवृत्ति ने ले ली है। आज के अधीर पाठक को यदि प्रथम कुछ पंक्तियों में ही कोई चौकाने वाला तत्व या कोई त्वरित निष्कर्ष प्राप्त नहीं होता तो वह बिना क्षण भर विचार किए तुरंत दूसरे विकल्प की ओर भाग खड़ा होता है। यह अधीरता केवल पठन-पाठन तक ही सीमित नहीं रह गई है, वरन यह हमारे चिंतन, मनन और विवेकपूर्ण विचार करने की मौलिक क्षमता को भी कुंद कर रही है। हम ज्ञान और बोध से कोसों दूर जा रहे हैं और केवल निर्जीव आंकड़ों के निष्क्रिय उपभोक्ता मात्र बनकर रह गए हैं।

साहित्यिक और दार्शनिक दृष्टिकोण से यह स्थिति अत्यंत संवेदनशील और चिंताजनक प्रतीत होती है। जब हम किसी लोक-कथा, पीढ़ियों से गाए जा रहे किसी पारंपरिक गीत या किसी मर्मस्पर्शी आलेख को अत्यंत शीघ्रता से पार कर जाते हैं तो हम अनजाने में ही उसकी मूल आत्मा को मार देते हैं। छपे हुए शब्दों की अपनी एक स्वतंत्र ध्वनि होती है, वाक्यों का अपना एक अंतर्निहित संगीत होता है। जब कोई रचनाकार किसी दोहे, मुक्तक या वैचारिक गद्य का सृजन करता है तो वह शब्दों के भार, उनके अर्थ और उनके भाषाई संतुलन को बड़ी तपस्या के साथ साधता है। गंभीर पठन के अभाव में, आज की नई पीढ़ी उस शिल्प, उस लालित्य और उस भाषाई सौंदर्य को महसूस करने से सर्वथा वंचित होती जा रही है।पुस्तक के पन्नों की वास्तविक खुरदरी छुअन और ताजी स्याही की सौंधी महक यंत्रों की कृत्रिम रोशनी में बहुत पीछे छूट गई है। शैक्षणिक संस्थानों, समाज के प्रबुद्ध विचारकों और परिवार के बुजुर्गों का यह सामूहिक दायित्व बनता है कि वे नई पीढ़ी के भीतर पुनः पुस्तकालयों के शांत वातावरण में बैठकर, एकाग्रचित्त होकर घंटों पढ़ने की उस महान संस्कृति को पुनर्जीवित करें। समय की मांग है कि हम ज्ञान को सहेजने के नए माध्यमों का स्वागत अवश्य करें, किंतु ज्ञान को आत्मसात करने की उस प्राचीन और सिद्ध परंपरा को कदापि न विस्मृत करें।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

अहिंसा के प्रयोग



संकलित
दर्शन

हिंसा को किसी भी प्रकार से रोकना या इसके प्रभाव को कम करना, समाज का अनिवार्य कर्तव्य है। हिंसा अनेक तरह की हो सकती है। शारीरिक हिंसा के अतिरिक्त यह मानसिक, शाब्दिक या परोक्ष भी हो सकती है। ऐसी स्थितियां उत्पन्न कर देना, जिससे भय एवं आतंक की छाया में जीवन हर समय आशंकित हो, अव्यवस्थित हो-अप्रत्यक्ष हिंसा है। इसलिए प्रत्येक हिंसा का शमन ही मानव के लिए हितकारी है। हिंसा किसी पशु या अमानुष का विषय हो सकती है, परंतु मानव का धर्म कतई नहीं हो सकती। अहिंसा परमो धर्मः, यही सत्य वचन है। हिंसा किसी समस्या का हल नहीं है। अहिंसा सभी समस्याओं का हल है। लोगों के मन के भीतर प्रेम का बीज होता है, घृणा का फल नहीं। सावधानी से आदर्श व्यवहार का धैर्यपूर्वक पालन किया जाए तो विवाद की स्थिति नहीं आ सकती। किसी विवाद के उत्पन्न होने से शांति के लिए सदैव एक राह शेष रहती है, इस तथ्य को गांठ बांध लेना चाहिए। वार्ता से रास्ता निकलता है। संवेदनहीनता से मानवता का मार्ग अवरुद्ध होगा। आप भगवान को मानें या न मानें, इससे उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे आपका महत्व अवश्य बढ़ेगा या घटेगा। इसी तरह प्रकृति के विषय में सार्थक सोच होना चाहिए। नैतिकता के पाठों में हिंसा का कोई स्थान नहीं है। हिंसा तो मानवता के लिए विष के समान है। अहिंसा का प्रयोग करने वाले व्यक्ति शांति के सच्चे नायक हैं। जीवन में अहिंसा का मूल मंत्र सबसे उपयोगी तंत्र बन सकता है, व्यवस्था और जनता दोनों के हित में यही कारगर उपाय भी है।

अहंकार का त्याग ही तपस्या का मूलमंत्र



संकलित
प्रेरणा

एक साधु व एक डाकू एक ही दिन मरकर यमलोक पहुंचे धर्मराज उनके कर्मों का लेखा-जोखा खोलकर बैठे थे और उसके हिसाब से उनकी गति का हिसाब करने लगे। धर्मराज ने दोनों से कहा- मैं अवसर देता हूं, कह सकते हो। डाकू अत्यंत विनम्र शब्दों में बोला महाराज- मैंने जीवन भर पापकर्म किए जिसने केवल पाप ही किया हो वह क्या आशा रखे आप जो दंड दें, मुझे स्वीकार है। डाकू के चुप होते ही साधु बोला महाराजः मैंने आजीवन तपस्या और भक्ति की है मैं कभी असत्य के मार्ग पर नहीं चला। धर्मराज ने दोनों की बात सुनी फिर डाकू से कहा- तुम्हें दंड दिया जाता है कि तुम आज से इस साधु की सेवा करो डाकू ने सिर झुकाकर आज्ञा स्वीकार कर ली। यमराज की यह आज्ञा सुनकर साधु ने आपत्ति जताते हुए कहा- महाराज! इस पापी के स्पर्श से मैं अपवित्र हो जाऊंगा मेरी तपस्या तथा भक्ति का पुण्य निरर्थक हो जाएगा मेरे पुण्य कर्मों का उचित सम्मान नहीं हो रहा है। धर्मराज को साधु की बात पर बड़ा क्षोभ हुआ वह क्षुब्ध होकर बोले- निरपराध व्यक्तियों को लूटने और हत्या करने वाला डाकू मर कर इतना विनम्र हो गया कि तुम्हारी सेवा करने को तैयार है। तुम वर्षों के तप के बाद भी अहंकार ग्रस्त ही रहे यह नहीं जान सके कि सब में एक ही आत्मतत्व समाया हुआ है तुम्हारी तपस्या अधूरी और निष्फल रही अतः आज से तुम इस डाकू की सेवा करो, और तप को पूर्ण करो।

अंतर्मन



आज की पाती

पृथ्वी के सतत अवलोकन के लिए एक नया कदम

पृथ्वी अवलोकन उपग्रह अब शासन व्यवस्था, आपदा राहत, कृषि क्षेत्र, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा में आवश्यक उपकरण बन गए हैं। ये उपग्रह पृथ्वी की सतह, वायुमंडल और महासागरों के बारे में दूरस्थ संवेदन डेटा प्रदान करते हैं और सरकारों को उन परिवर्तनों पर नजर रखने में मदद करते हैं जिन्हें जमीनी प्रणालियों द्वारा आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता है। भारत में पृथ्वी अवलोकन मिशन वर्षों से अच्छी तरह स्थापित है और ईओएस-05 का प्रक्षेपण इसकी क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी भू-तुल्यकालिक कक्षा से इमेजिंग करने की क्षमता भारतीय क्षेत्र का बार-बार अवलोकन करने में सक्षम बनाती है। *– ब्रिजेश चौहान, बलौदाबाजार*

ट्रेंड

हजारिका की जन्म शताब्दी



डॉ. भूपेन हजारिका की जन्म शताब्दी पर मैं उन्हें अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। उनकी आवाज़ ने असम के साथ पूर्वोत्तर के गौरव को पूरे देश के लोगों के दिलों तक पहुंचाया। संगीत के माध्यम से उन्होंने लोगों की भावनाओं को बहुत ही खूबसूरती से व्यक्त किया। **-नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

सत्य निकेतन की घटना दुःखद



सत्य निकेतन की दुखद घटना के बाद एमसीडी के डिप्टी कमिश्नर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर, सुपरिटेंडिंग इंजीनियर, असिस्टेंट इंजीनियर और जूनियर इंजीनियर को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। बिल्डिंग के मालिक को गिरफ्तार कर लिया गया है। **- रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

दोषियों पर कार्रवाई



दोषियों के खिलाफ तुरंत कार्रवाई तो दूर की बात है, अक्सर आरोपी उन्हीं की पार्टी के होते हैं और पूरा तंत्र दोषियों को बचाने में लग जाता है। एक आम नागरिक अब उनकी पार्टी और सरकार के सामने खुद को बेबस महसूस कर रहा है। **-अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

हॉस्टल की क्षमता



हर साल, लाखों छात्र किसी दूसरे शहर में अपने सपने को पूरा करने के लिए अपना घर छोड़ते हैं। लेकिन क्या हम उन्हें रहने के लिए सुरक्षित जगह दे रहे हैं? दिल्ली में लगभग 7 लाख छात्र पढ़ते हैं, जबकि हॉस्टल की क्षमता मुश्किल से 30,000 है। **- सोनू सूद,** फिल्म अभिनेता

करंट अफेयर

श्रीलंका में अल नीनो से पेयजल संकट, लाखों लोग प्रभावित



श्रीलंका में उभरती अल नीनो स्थिति, बढ़ते तापमान और कम बारिश के कारण देश के कुछ हिस्सों में शुष्क मौसम की स्थिति गंभीर होने से 1.15 लाख से अधिक लोग पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मौसम विभाग के महानिदेशक अजित विजेमन्ना ने कहा कि अल नीनो की स्थिति विकसित हो रही है और हो सकता है कि यह मौजूदा मौसम संबंधी परिस्थितियों को प्रभावित कर रही हो। अल नीनो मध्य और पूर्वी उष्णकटिबंधीय प्रशांत महासागर के पानी के समय-समय पर गर्म होने की स्थिति है, जो क्षेत्र में तापमान को प्रभावित कर सकती है। श्रीलंका में जारी शुष्क मौसम के बीच इसके विकास और संभावित प्रभाव पर करीबी नजर रखी जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि हिंद महासागर से घिरे श्रीलंका में इसका प्रभाव अधिक गंभीर हो सकता है।आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) के अनुसार, देश के 25 प्रशासनिक जिलों में से सात में अल नीनो से जुड़ी मौसम संबंधी स्थिति के कारण 1,15,586 लोग प्रभावित हुए हैं। डीएमसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि भीषण गर्मी और बारिश की कमी से कई इलाके प्रभावित हुए हैं, जिससे पानी की उपलब्धता को लेकर गंभीर चुनौतियां पैदा हो गई हैं।

ऑफ बीट

सिर्फ कैलोरी पर नजर रखना जरूरी नहीं



वजन-समावेशी स्वास्थ्य देखभाल का अर्थ है बेहतर स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करना, जिसमें वजन घटाने की आवश्यकता नहीं है। इसमें कैलोरी की संख्या के बजाय समग्र कल्याण के लिए भोजन करने जैसी प्रथाएं शामिल हैं। इसमें तनाव कम करने के लिए गतिविधियों को प्राथमिकता देना, धूम्रपान से बचना, कम शराब पीना और आनंददायक तरीकों से शारीरिक रूप से सक्रिय रहने का प्रयास करना भी शामिल हो सकता है। स्वास्थ्य के प्रति वजन-समावेशी दृष्टिकोण वजन बढ़ने से होने वाले नुकसान को कम करने का प्रयास करता है। अधिक वजन वाले लोग अक्सर दूसरों से - जिनमें उनके अपने डॉक्टर और अन्य स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता भी शामिल हैं - भेदभाव, पूर्वाग्रह, नकारात्मक रूढ़िवादिता और अपमानजनक टिप्पणियों का सामना करते हैं विभिन्न आकारों के 40% से अधिक अमेरिकी वयस्कों ने अपने दैनिक जीवन में वजन संबंधी अपमान का अनुभव किया है। अमेरिका में लोग वजन कम करने के लिए जिस हद तक जाते हैं, उसके पीछे संभवतः इस अपमान से बचना एक प्रमुख कारण है। बाजार के आंकड़ों से पता चलता है कि अमेरिकियों ने 2021 में वजन घटाने के उत्पादों और कार्यक्रमों पर लगभग 72.6 अरब अमेरिकी डॉलर खर्च किए।

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।





शकः ट्रस्ट नो... से ओटीटी पर रख रहीं कदम

नई दिल्ली। 'शकः ट्रस्ट नो वन' से ओटीटी पर कदम रख रही हैं परिणीति चोपड़ा। सीरीज में वो एक ऐसी मां के रोल में हैं, जो 9 साल से अपने लापता बच्चे को ढूंढ रही है। 'शकः ट्रस्ट नो वन' का पहला लुक और रिलीज डेट सामने आ चुकी है। ये सीरीज 24 सितंबर से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस मिस्ट्री थ्रिलर सीरीज की कहानी एक ऐसी मां के इर्द-गिर्द घूमती है, जो पिछले 9 सालों से अपने लापता बच्चे को ढूंढने की कोशिश कर रही है। इस थ्रिलर सीरीज में परिणीति चोपड़ा एक ऐसी मां के किरदार में दिखेंगी जो हर मुश्किल का सामना करते हुए सच तक पहुंचने की कोशिश करती है। अपने बच्चे को तलाशते हुए वो धीरे-धीरे अपनों के ही बनाए जाले, गहरे राजों और धोखों में उलझती चली जाती हैं । यह शो भरोसे और शक, दिल की सुनने और कड़वी सच्चाई के बीच की एक बहुत ही बारीक लकीर को पर्दे पर दिखाता है। इस प्रोजेक्ट को रेंसिल डी सिल्वा और सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने मिलकर तैयार किया है।

किंग के सेट से लीक हुई अभिषेक-रानी की तस्वीर



मुंबई। शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'किंग' के सेट से अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें दोनों कलाकार एक साथ नजर आ रहे हैं। वायरल हो रही इस तस्वीर में रानी मुखर्जी काले रंग की बॉर्डर वाली साड़ी में बेहद सादगी भरे अंदाज में दिख रही हैं। उन्होंने अपने बालों को वेवी लुक दिया है और माथे पर काली बिंदी लगाई है। वहीं, उनके बगल में खड़े अभिषेक बच्चन वो शेड की दाढ़ी, काले चश्मे और सूट में नजर आ रहे हैं। अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी की जोड़ी बॉलीवुड की सबसे सफल और लोकप्रिय जोड़ियों में से एक रही है। दर्शकों ने उन्हें बंटी और बबली, युवा और कभी अलविदा ना कहना जैसी फिल्मों में एक साथ देखा है। अब किंग के जरिए यह जोड़ी करीब दो दशक बाद फिर से बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रही है। इससे पहले वे साल 2007 में आई फिल्म लागा चुनरी में दाग में साथ नजर आए थे। सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही फिल्म 'किंग' में शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। इस फिल्म में रानी मुखर्जी और अभिषेक बच्चन के अलावा सुहाना खान, अनिल कपूर, जैकी श्रॉफ, जयदीप अहलावत, अरशद वारसी, राघव जुयाल और सौरभ शुक्ला भी महत्वपूर्ण किरदारों में दिखाई देंगे। फिल्म के निर्माताओं ने इसे 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बनाई है।



अक्षय-सैफ की फिल्म को मिली मंजूरी

मुंबई। निर्देशक प्रियदर्शन की आगामी साइको-थ्रिलर फिल्म 'हैवान' को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है। अक्षय कुमार और सैफ अली खान अभिनीत यह फिल्म अपनी रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। सेंसर बोर्ड ने फिल्म की सामग्री की समीक्षा करने के बाद इसे 'यू/ए 16+' सर्टिफिकेट प्रदान किया है, जिसका अर्थ है कि 16 वर्ष से अधिक आयु के दर्शक इसे सिनेमाघरों में देख सकेंगे। हैवान की कुल अवधि 164 मिनट और 7 सेकंड यानी 2 घंटे 44 मिनट और 7 सेकंड तय की गई है। अक्षय कुमार और सैफ अली खान की जोड़ी लंबे समय के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। इससे पहले इन दोनों अभिनेताओं को साल 2008 में आई फिल्म 'टशन' में एक साथ देखा गया था। दर्शक इन दोनों सितारों को एक बार फिर एक साथ स्क्रीन साझा करेंगे। करते हुए देख पाएंगे। फिल्म के ट्रेलर ने दर्शकों के बीच पहले ही काफी उत्सुकता पैदा कर दी है। साइको-थ्रिलर जॉनर पर आधारित 'हैवान' 11 सितंबर 2026 को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

खराब हिंदी की वजह से छोड़ना पड़ा था पहला शो

एजेंसी ⏭ मुंबई

ओटीटी के अमेजन प्राइम विडियो पर स्ट्रीम हो रहे ट्रेटर 2 ने दर्शकों का दिल जीत लिया है। इसकी विनर रही क्रिस्टल डिसूजा आज टीवी इंड्रस्टी की शानदार एक्ट्रेस में से एक है। हाल ही में क्रिस्टल ने ट्रेटर्स 2 की ट्रॉफी को अपने नाम किया है। एक्ट्रेस ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत ' कहे ना कहें' से की थी। जिसके बाद स्टार पल्स के फेमस शो ' एक हजारों में मेरी बहना है' के किरदार जीविका सिंह वढेरा से उन्हें घर - घर में पहचान मिली थी। लेकिन, इस शो से पहले उन्हें टीवी इंडस्ट्री की क्वीन एकता कपूर ने 8 महीने में ही उनके डेब्यू शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया था। क्रिस्टल ने आगे कहा कि आज भले ही हम बेस्ट फ्रेंड्स हैं, लेकिन साल 2007 में जब उन्होंने एकता कपूर के सीरियल 'कहे ना कहे' में डेब्यू किया था, तो उनकी हिंदी बहुत खराब थी, जिसकी वजह से मुझे सीरियल से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया था। एकता कपूर शो की प्रोड्यूसर थीं, कभी-कभी मुझे पिज्जा खिलाते हुए कहती थीं कि तुम्हें पता है हम साथ में कुछ अच्छा करेंगे। मैं समझ गई थी कि मैं शो में अच्छा नहीं कर पा रही हूं। खैर, उन्होंने मुझे एक्टिंग में मौका दिया, जिसके बारे में उनका कोई विजन रहा होगा। जिसके बाद उन्हें रिप्लेस करके वासना अहमद को शो में कास्ट किया गया। हालांकि, क्रिस्टल ने हार नहीं मानी और वह आमिर अली के साथ सीरियल 'क्या दिल में है' में नजर आईं।

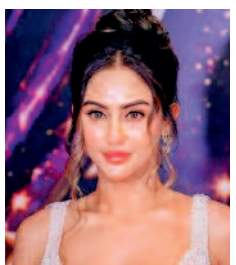

आशा का आखिरी गाना 'ऐ मेरी जिंदगी, तू छुपी है कहां' रिलीज

नई दिल्ली। भारतीय संगीत की दिग्गज गायिका आशा भोसले की 93वीं जयंती का दिन उनके चाहने वालों के लिए बेहद खास बन गया। इसी अवसर पर उनकी आखिरी फीचर फिल्म के लिए रिकॉर्ड किए गए गीत 'ऐ मेरी जिंदगी, तू छुपी है कहां' को रिलीज किया गया। यह गीत निर्देशक हरीश व्यास की फिल्म 'ओम का हरि' का हिस्सा है। फिल्म में रघुबीर यादव, सोनी राजदान और अंशुमन झा अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे। गीत के साथ फिल्म का म्यूजिक एल्बम भी लॉन्च किया गया, जिसने इस आयोजन को भावनात्मक और यादगार बना दिया।

गीत की खास झलक

ओम का हरि' के म्यूजिक एल्बम की सबसे बड़ी खासियत आशा भोसले की आवाज में रिकॉर्ड किया गया यह गीत है। इसे उनकी फीचर फिल्मों के लिए रिकॉर्ड किए गए आखिरी गानों में शामिल किया जा रहा है। गाने का म्यूजिक वीडियो भी जारी किया गया है, जिसमें रिकॉर्डिंग के दौरान स्टूडियो में बिताए गए आशा भोसले के कुछ अनमोल पलों को दिखाया गया है। वीडियो के जरिए दर्शकों को यह देखने का मौका मिलेगा कि आशा भोसले ने फिल्म के इस गीत को किस तरह अपनी आवाज दी थी। उनकी आवाज और रिकॉर्डिंग स्टूडियो के इन पलों ने गाने को सिर्फ एक म्यूजिकल रिलीज न रहकर एक यादगार दस्तावेज जैसा बना दिया है।



18 सितंबर को सिनेमाघरों में आएगी 'ओम का हरि' : रघुबीर यादव, सोनी राजदान और अंशुमन झा जैसे कलाकारों से सजी 'ओम का हरि' अपनी कहानी और संगीत के जरिए दर्शकों तक एक अलग अनुभव पहुंचाने की तैयारी में है। फिल्म के म्यूजिक एल्बम में कई पीढ़ियों के कलाकारों की आवाजें शामिल होने से इसकी खासियत और बढ़ गई है। 'ओम का हरि' 18 सितंबर को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। आशा भोसले के आखिरी फीचर फिल्म गीत का हिस्सा होना फिल्म के लिए भावनात्मक रूप से भी महत्वपूर्ण है। अब दर्शकों को इस कहानी और संगीत से सिनेमाघरों में जुड़ने का मौका मिलेगा।

कई पीढ़ियों के संगीत को एक साथ जोड़ता है एल्बम : 'ओम का हरि'का म्यूजिक एल्बम फिल्म की कहानी के साथ-साथ भारतीय संगीत की अलग-अलग पीढ़ियों की विरासत को भी जोड़ता है। एल्बम में दिवंगत महान गायक किशोर कुमार के बेटे अमित कुमार की आवाज में भी गीत शामिल हैं। इसके अलावा परेश पाहुजा ने भी इस फिल्म के लिए अपनी आवाज दी है। फिल्म के मुख्य कलाकार रघुबीर यादव ने भी एल्बम के लिए दो गाने गाए हैं।





परंपरा

चिरंजीव लाल

अन्न के प्रति आस्था का प्रतीक है बाल बांधना



छत्तीसगढ़ का मुख्य फसल धान होता है। इस फसल के आगमन पर बाल बाँधने का पर्व मनाया जाता है। बाल बाँधने का तात्पर्य है नए फसल के रूप में निकली धान की बाली को पहले देवी देवताओं को समर्पित करना फिर सभी ग्रामवासियों के घरों में बांधना। फसल उत्पादक किसान भाइयों का मानना है कि उनके फसल उत्पादन में मृदा, मेघ, जल, ताप, हवा आदि प्राकृतिक अवदानों के अलावा ईश्वरीय शक्ति और देवी देवताओं के आशीर्वाद भी निहित होते हैं। इसलिए उत्पादित फसल में सभी का किसी न किसी रूप में हिस्सा होता है। यही कारण है कि धान फसल में जब बाली निकल आती है तब सर्वप्रथम देवी देवताओं को अर्पित किया जाता है बाद में सभी ग्रामवासी अपने घरों में बांध देते हैं। यह कार्य गांव में सार्वजनिक रूप से नियुक्त देवी देवता के पुजारी बैगा द्वारा ही किया जाता है। बाल बांधने के इस कार्य को विशेषकर भादो माह के अंतिम सप्ताह अथवा क्वांर माह के किसी रविवार को या फिर कोई पर्व के दिन संपादित किया जाता है। इस समय तक नई फसल के रूप में खेतों में हरुणा धान की बालियां निकल आती है। गांव का बैगा खेतों से धान की बालियां तोड़ कर ले आता है और सर्वप्रथम ग्राम्य देवी देवताओं में धूप दीप जलाकर पूजा अर्चना के साथ धान की बालियां चढ़ाता है उसके बाद सभी के घरों के मुख्य दरवाजा के पास बांधता है। जिस घर में बाल बांधा जाता है उस घर से बैगा को दान स्वरुप चावल डाल दिया जाता है।



परब

कमलेश यादव

अंचल में विराजित प्राचीन गणेश प्रतिमाएं



छत्तीसगढ़ राज्य में छठवीं सदी ईसवी से तेरहवीं सदी तक के प्राचीन मंदिरों के अवशेष प्राप्त होते हैं। इन स्थलों में मल्हार, ताला, सिरपुर, राजिम, डीपाडीह, रतनपुर, पाली, भोरमदेव, बारसूर, दंतेवाड़ा आदि उल्लेखनीय है। इनमें अष्टभुजी प्रतिमा अत्यंत कलात्मक है, जिसमें नृत्य के गति के अनुरूप प्रतिमा की सुडौलता, भाव - भंगिमा, तथा ठुमकन विशेष दर्शनीय है। चतुर्भुजी गणेश नृत्यरत अंशतः खंडित है। सामान्य प्रतिमाएं जिसमें हाथों में परशु, कमल कलिका, स्वदंत, तथा मोदक पात्र है। मस्तक के पीछे अर्ध वृत्ताकार प्रभामंडल है। शुंड दक्षिणावर्त है जिसके अग्र भाग में मोदक स्थित है। इसी तरह मुख भग्न आसनस्थ गणेश प्रतिमा है। मुख भाग पूर्णतः भग्न है। अग्र भाग में मोदक दृष्टवय है। इस तरह अनेक कलात्मक स्वरुप गणेश जी के मन को आकर्षित करते हैं। इनके अलावा बस्तर के ढोलकल गणेश प्रतिमा से हम सभी परिचित हैं। इसके साथ ही कई पुरातत्विक महत्व के कई गणेश मंदिर इतिहास की Http को अपने अंदर समाहित किए हुए हैं।

लोक साहित्य

डा. व्यास नारायण दुबे

छत्तीसगढ़ की अस्मिता की पहचान छत्तीसगढ़ी जनभाषा



छत्तीसगढ़ी बोली का प्रारम्भ रतनपुर के एक प्राचीन राजा कल्याण साय के समय से जाना जाता है। इस प्रदेश का नाम छत्तीसगढ़ भी इन्हीं के समय में पड़ा, ऐसा कहा जाता है। छत्तीसगढ़ी बोली का सर्वाधिक प्राचीन रूप संवत 1760 के एक शिलालेख को माना जाता है, जो बस्तर के दंतेवाड़ा मंदिर में उत्कीर्ण है। इस शिलालेख की भाषा पूर्णतः छत्तीसगढ़ी मिश्रित हिन्दी कहा जा सकता है। यह शिलालेख संवत 1760 में मैथिल ब्राह्मण राजगुरु भगवान मिश्र ने लिखवाया था। इस समय संस्कृत ज्ञाता अल्पसंख्यक ही थे। संभवतः इसीलिए उस शिलालेख को छत्तीसगढ़ी में अंकित करवाना पड़ा। ' छत्तीसगढ़ ' शब्द का प्रयोग हिन्दी के जिन कवियों की रचनाओं में मिलता है, उसका काल लगभग 300 वर्षों से अधिक प्राचीन नहीं है। इसका उल्लेख प. लोचन प्रसाद पाण्डेय ने अपनी पुस्तक ए ग्रामर ऑफ डाइलेक्ट की भूमिका में पृष्ठ 3 पर किया है। नक़्शे में भी ' छत्तीसगढ़ी ' नाम से किसी स्वतंत्र एवं विशिष्ट भू भाग की सत्ता का परिणाम चार्ल्स जोपरर के ' हिस्टोरिकल एटलस ऑफ इंडिया ' के पहले प्राप्त नहीं होता। इसी एटलस में पहली बार गोंडवाना प्रदेश के अंतर्गत छत्तीसगढ़ क्षेत्र का स्वतंत्र घटक के रूप में अंकन हुआ है।

लेखकों से..

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें- **Choupalharibhoomi@gmail.com**

अंचल में लोक पर्व तीजा का अनेक रूपों में महत्व

धार्मिक

गौकरण मानिकपुरी



छत्तीसगढ़ में अनेक लोक पर्व प्रचलित है जो लोक जीवन जीवन में ऊर्जादायी और स्वस्थ मनोरंजन लोकरंजन प्रदान भी करता है और हर पर्वों त्योहारों को मनाने उत्साह भी। छत्तीसगढ़ के डंडा पचरंगा, घरघुंदिया लुकऊला, घांदी मुंदी और फुगड़ी जैसे अनेक लोक खेलों में कविता गीत नृत्य भी शामिल होने से हर तीज त्योहार को और अधिक समृद्ध बन देता है। इसलिए यहां हर पर्व अत्यंत ही आनंद और मनोरंजक भाव से मनाने की परम्परा समृद्ध है।

जैसे सावन महिने में राखी बांधने आई बहनों द्वारा सावन झूला झूलना और गीत गाना...

सावन झूला झूलन दे...
लीख पटापट मारन दे...

सावन म सांवा,भांदो म काशी...
राहेर फूल गे,अगहन ओन्हारी...
कातिक सिंहारी कनेर फूलगे... लाली रतालू डुमर फूल के...
माला,तुही ला खुलगे...
आदि।

ऐसे ही सावन महीना बीतने पर



,भादो महिने में कमरछठ आठे गोकुल पोरा, और बहन बेटियों का प्रसिद्ध पर्व तीजा अत्यंत उत्साह के साथ मनाया जाने वाला पर्व होता है, जिस पर आधारित लोक खेल फुगड़ी में प्रयुक्त होने वाला गीत बडा ही आनंददायक और मनोरंजक होता है, जिसे बालिकाएं या बेटियां जमीन में हाथों को फेरती हुई गाती हैं-

गोबर दे बछरु गोबर दे...
चारो खुट ल लीपन दे...
अपन खाथे गुदा गुदा...
मोला देथे बीजा,ए बीजा ला...
काय करहुं,रहि जांहु तीजा...
,तीजा के बिहान दिन खादी...
खादी लुगरा...
हेर दे भउजी कपाट के खीला...।
एक गोड़ में लाल भाजी एक गोड़ कपूर...
कतेक ल मांनव मैं देवर ससुर...

ऐसे ही कई मनोरंजक गीत विभिन्न अवसरों पर अंचल में गाया जाता है जिसे लोक खेलों के माध्यम से प्रायः बच्चों द्वारा खेल खेलते हुए गाया जाता है। जैसे-

नांगर बइला बोर दे,पानी दमोर दे...
इत्ता इत्ता पानी ,घोर घोर रानी...
अंधियारी अंजोरी घांदी मुंदी खेलबो न...
और
अटकन मटकन दही चटाका...
लऊहा लाटा बन में कांटा...
चुहुर चुहुर पानी आवय,गंगा ले गोदावरी जाबो...
बेल के डारा टुटगे ,भरे कटोरा फूटगे...।

पर्यटनः डा. डी. पी. देशमुख

प्राकृतिक सुंदरता चेंद्रा रनघाघ जलप्रपात में



अंबिकापुर -रायगढ़ राजमार्ग पर दस कि मी की दूरी पर चेंद्रा ग्राम स्थित है। चेंद्रा से उत्तर दिशा में तीन चार कि मी की दूरी पर साल वनों एवं पहाड़ी की गोद में चेंद्रा रनघाघ जलप्रपात स्थित है। यह एक मनोरम प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थल है। जलप्रपात के पास ही वन विभाग की पौध रोपण नर्सरी और एक छोटा निरीक्षण गृह भी है। यहां का वन सौंदर्य एवं सुषमा देखते ही बनती है। चेंद्रा जलप्रपात लगभग 10 कि मी लम्बाई एवं 800 फीट ऊंचाई की पर्वत माला पर स्थित होने से एक उत्तम वनभोज स्थल बन गया है। इन स्थलों के आसपास और भी छोटे छोटे झरने हैं जो देखने योग्य हैं। यह ऐसे स्थलों में हैं जो गर्मी के दिनों में भी मन को सुकून प्रदान करते हैं। यहां वर्ष भर पर्यटक प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेने आते रहते हैं। बरसात के दिनों में यहां का नजारा लोक लुभावन होता है।



सुरता

डुमन लाल ध्रुव

जन जागरण के साथ ही अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष करने वालों में रामाधीन गोंड़



छत्तीसगढ़ की गोंड़ जनजाति में रामाधीन गोंड़ का जन्म हुआ। वे बचपन से ही साहसी, निर्भीक और न्यायप्रिय प्रवृत्ति के थे। गोंड़ जनजाति का जीवन प्रकृति, नदी, जंगल से जुड़ा होता है और इसी जीवन पद्धति ने उनमें स्वतंत्रता और स्वाभिमान का भाव विकसित किया। 18वीं और 19 वीं शताब्दी के दौरान छत्तीसगढ़ और मध्य भारत में अंग्रेजों और सामंती व्यवस्था के शोषण से जनजातीय समाज त्रस्त था। बेगार प्रथा, भारी लगान, जबरन वसूली, जंगल जमीन से बेदखली जैसी समस्याओं ने गोंड़ समुदाय के जीवन को संकट में डाल दिया। इन्हीं परिस्थितियों में गोंड़ नायक रामाधीन ने विद्रोह का बिगुल फूंका।

आपने अपने क्षेत्र के किसानों और आदिवासियों को एकजुट किया। वे अंग्रेज सरकार की जुल्मी नीतियों और जमींदारों की मिलीभगत के खिलाफ खड़े हुए। उन्होंने ग्रामीणों को जागरूक किया कि अंग्रेजों के विरुद्ध संघर्ष ही मुक्ति का मार्ग है। अंग्रेज हुकूमत ने रामाधीन गोंड़ के नेतृत्व और उनके बढ़ते प्रभाव को खतरे के रूप में देखा। उनके आंदोलनों और विद्रोही गतिविधियों को कुचलने के लिए अंग्रेज अधिकारियों ने उन्हें पकड़ने की योजना बनाई। उन्हें गिरफ्तार कर क्रूर यातनाएं दी गई। यातनाओं के बावजूद उन्होंने अंग्रेज सरकार के सामने घुटने नहीं टेके और अपने साथियों को बचाने के लिए सत्य और संघर्ष के पथ पर डटे रहे। अंततः वे शहादत के मार्ग पर अमर हो गए और अपने प्राणों का बलिदान देकर स्वतंत्रता संग्राम की लौ को और अधिक प्रखर किया।

ऐतिहासिकः विजय शर्मा

देवगढ़ का प्रथम राजा जाटवा गोंड था। यहां पहले रणसूर, घनसूर नाम के गबली जाति के राजाओं के यहां एक वीर सिपाही था, उसनें निज पराक्रम से अपने स्वामी की हत्या कर खुद राजा बन गया। इसी घराने में राजा बख्त बुलंद शाह बड़ा प्रख्यात हुआ। बख्त बुलंद औरंगजेब के दरबार में जाकर सम्राट को प्रसन्न करने के लिए मुसलमान बन गया।

छत्तीसगढ़ में मुगल शासन

मुसलमान राजाओं ने पूरे भारत में आक्रमण कर प्रभावित किया, लेकिन छत्तीसगढ़ की भौगोलिक स्थिति के कारण मुसलमान राजा प्रयास के बावजूद अपना प्रभाव नहीं जमा सके, घोर जंगल होने के कारण मुगलों के प्रवेश में बाधा हुई। उस समय छत्तीसगढ़ गोंडवानों के छोटे छोटे राज्य में बटे थे। इसमें सबसे सबल राज गोंडो का घराना गढ़ा में था। देवगढ़ा का घराना इतना प्रबल था कि चांदा (चंदरपुर) व गढ़ा के गोंड राजाओं का ऐश्वर्य दबता था। देवगढ़ का प्रथम राजा जाटवा गोंड था। यहां पहले रणसूर, घनसूर नाम के गबली जाति के राजाओं के यहां एक वीर सिपाही था, उसनें निज पराक्रम से अपने स्वामी की हत्या कर खुद राजा बन गया। इसी घराने में राजा बख्त बुलंद शाह बड़ा प्रख्यात हुआ। बख्त बुलंद औरंगजेब के दरबार में जाकर सम्राट को प्रसन्न करने के लिए मुसलमान बन गया। तभी से देवगढ़ के आगामी राजा गोंड से मुसलमान हो गए। नागपुर शहर का निर्माण बख्त बुलंद शाह ने ही किया। बख्त बुलंद के बारे में भोंसला के राज्य ग्रन्थ में बहुत कुछ लिखा है। बख्त बुलंद का उत्तराधिकारी चांद सुल्तान हुआ। उसकी मृत्यु 1738 में हो गई उसके चार पुत्रों में राज्य के लिए विवाद हुआ। यह अकबर शाह, मीर बहादुर, बुरहान शाह और दासी पुत्र बली शाह थे। बलीशाह ने बड़ी ही क्रूरता के साथ अपने भाई मीर बहादुर का कत्ल कर राजा बना। इन्हीं उठापटक और गद्दी संघर्ष में रानी रतन कुंवारी अथवा तारामती ने बरार से राधो जी को शांति स्थापना के लिए बुलाया। सन 1738 में बलीशाह और राधोजी के मध्य भयंकर संघर्ष हुआ। अंत में बली शाह मारा गया। इस तरह गोंडो से मराठा शासन का उदय हुआ।

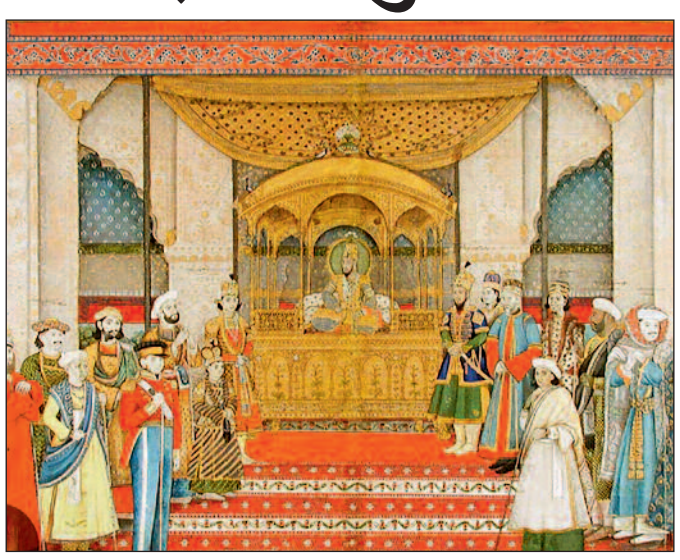

राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बताया खतरा आतंकियों की रिहाई याचिका खारिज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2008 के जयपुर सिलसिलेवार बम धमाका मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे आतंकवादी मोहम्मद सरवर आजमी उर्फ ढिल्ला पप्पू और शाहबाज अहमद की रिहाई की याचिका खारिज कर दी है। न्यायालय ने दो टूक कहा कि यह अत्यंत गंभीर मामला है, जिसे सामान्य जमानत अर्जी की तरह नहीं देखा जा सकता। इसमें राष्ट्रीय सुरक्षा और जनसुरक्षा को खतरे का गंभीर विषय शामिल है। न्यायाधीश एमएम सुंदरेश और न्यायाधीश प्रसन्ना वी वराले की पीठ ने दोनों दोषियों की अपील निरस्त करते हुए यह आदेश दिया। इस फैसले के बाद उच्च न्यायालय के उस आदेश पर रोक लगाने से इंकार हो गया है, जिसके तहत अपील लंबित रहने के दौरान रिहाई से मना किया गया था।

सिलसिलेवार हुए थे 8 बम धमाके, मारे गए थे 70 निर्दोष

यह मामला 13 मई, 2008 को चांदपोल बाजार में मिले एक जिंदा बम से संबंधित है। उस खौफनाक शाम गुलाबी नगर में 9 अलग-अलग स्थानों पर बम रखे गए थे, जिनमें से 8 में एक के बाद एक धमाके हुए थे। इन विस्फोटों में 70 निर्दोष लोगों की जान चली गई थी और 186 लोग गंभीर रूप से घायल हुए थे।

नई दिल्ली ने की पुष्टि, अरुणाचल में हुई भारत और चीन के सैन्य कमांडरों की बैठकें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली



भारत की तरफ से आखिरकार वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर शांति, स्थिरता के मामले को लेकर भारत और चीन के शीर्ष सैन्य कमांडरों के बीच हुई पहली प्रत्यक्ष बैठकों की आधिकारिक रूप से घोषणा कर दी गई है। जिसे लेकर बीते रविवार से लगातार मीडिया में काफी जोरशोर से चर्चा हो रही थी। यहां राजधानी में मंगलवार को आयोजित की गई मीडिया ब्रीफिंग में इस मामले पर पूछे गए हरिभूमि के एक सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया इस महीने 6 और 7 सितंबर को अरुणाचल-प्रदेश के वाचा-दमाई सीमा बैठक स्थल (बीपीएम) पर दोनों देशों के शीर्ष सैन्य कमांडरों के बीच दो बैठकें हुई हैं। जिसके लगभग दो सत्र क्रमवार रूप से भारत, चीन में आयोजित किए गए थे। भारत में बैठक का आयोजन 6 सितंबर को प्रदेश के वाचा में किया गया था। जबकि इसके ठीक एक दिन बाद 7 सितंबर को भी जारी रहा वार्ता का यह सिलसिला वाचा के दूसरी ओर चीन के दमाई इलाके में जाकर संपन्न हुआ।

इजरायल में बंद होगा ब्रिटेन का दूतावास, नेतन्याहू का पलटवार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



इजरायल ने पूर्वी यरूशलम में स्थित ब्रिटिश वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दे दिया है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने यूके, फ्रांस और कनाडा की ओर से आयात पर बैन लगाने के प्लान के जवाब में यह कड़ा रूख अपनाया है। यूके, फ्रांस और कनाडा की वेस्ट बैंक में इजराइली बस्तियों से होने वाले आयात को रोकना चाहते हैं। इसे लेकर तीनों देश प्लान बना रहे हैं, जिसकी जानकारी ब्रिटेन के विदेश मंत्री एड मिलिबैंड ने मंगलवार को दी।

गाजा मिशन के साथ कई सख्त कदम

न्यूज एजेंसी रायटर्स के मुताबिक, इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने कहा कि यरूशलम स्थित वाणिज्य दूतावास को बंद किया जा रहा है। ब्रिटेन अब गाजा के लिए अमेरिका के नेतृत्व वाले कोऑर्डिनेशन मिशन (गाजा मिशन) में हिस्सा नहीं रहेगा। साथ ही 12 ब्रिटिश सांसदों और कुछ नागरिकों के इजरायल में आने पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह सभी वे नेता हैं जो इजरायल विरोधी गतिविधियों और यहूदी विरोधी बयानों में शामिल रहे हैं। इसके अलावा, रामल्लाह में फिलिस्तीनी सुरक्षा बलों को ट्रेनिंग देने वाले ब्रिटिश सपोर्ट मिशन की गतिविधियों को इजरायल ने तुरंत खत्म कर दिया।

'पड़ोसियों के साथ मधुर संबंध बनाने के पक्ष में भारत, संकट में नहीं छोड़ेगा श्रीलंका का साथ'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास बातें

- कोलंबो में प्रवासी भारतीयों को संबोधित करते हुए बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह अपनी तीन दिवसीय (8 से 10 सितंबर तक) आधिकारिक यात्रा के तहत मंगलवार को श्रीलंका पहुंचे। जहां उन्होंने सबसे पहले कोलंबो में प्रवासी भारतीय समुदाय द्वारा आयोजित किए गए एक कार्यक्रम में शिरकत की। इस दौरान अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत और श्रीलंका के संबंध बहुत ही गहरे हैं। जो हमारे साझा इतिहास, संस्कृति और विश्वास की बुनियाद पर टिके हुए हैं। लेकिन हमारा देश इस सच्चाई को भी भली भांति समझता है कि जिंदगी में सब कुछ बदल सकता है। लेकिन पड़ोसी कभी नहीं बदल सकते हैं। दोस्तों के मामले में ऐसा संभव है। उक्त तथ्य के हिसाब से हमें अपने पड़ोसियों के साथ लगातार अच्छे रिश्ते बनाकर रहने चाहिए, हम सभी को अपने परिवार के सदस्य के रूप में मानते हैं। भारत हर मुश्किल वक्त में श्रीलंका के साथ खड़ा रहा है। आज भारत सरकार के प्रतिनिधि और रक्षा मंत्री के रूप में भी मैं इस बात को मजबूती के साथ दोहराना चाहता हूं कि जब भी इस द्वीपीय देश पर कोई संकट आएगा। तो भारत पहले की तरह ही पूरी ताकत के साथ श्रीलंका की सरकार के साथ खड़ा रहेगा। यहां बता दें कि रक्षा मंत्री के साथ विदेश और रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी श्रीलंका गया है। प्रवासी भारतीयों के अलावा राजनाथ की श्रीलंका के शीर्ष नेतृत्व के साथ मुलाकात होगी।

दुनिया में बढ़ी भारत की साख

राजनाथ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय के समक्ष आज भारत की साख काफी बढ़ी है। जबकि बीते करीब 13 साल पहले जब हम किसी वैश्विक मंच पर बोलते थे। तो हमारी बातों को गंभीरता से नहीं लिया जाता था। लेकिन आज हालात पूरी तरह से बदल गए हैं। अब जहां कहीं पर भी हम बोलते हैं, तो पूरी दुनिया हमारी बात को कान खोलकर सुनती है। उन्होंने श्रीलंका के साथ नई दिल्ली के संबंधों को इस द्वीपीय देश में रहने वाले भारतीयों से भी जोड़ा और कहा कि जहां भारतीय आबादी निवास करती है। वहां भारत बसता है। जिसमें वह एक प्रकार से अपनी शक्तिशाली सीमाओं के साथ समाप्त नहीं होता है। श्रीलंका में भारतीय समुदाय काफी वाइब्रेंट है। इतना ही नहीं व्यापार, स्वास्थ्य व शिक्षा सहित अन्य क्षेत्रों में हमारे प्रवासी समुदाय के लोग काम कर रहे हैं।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने कसा शिकंजा, लिया जांच का फैसला

सीएसईएएम विज्ञापनों के आरोपों की होगी जांच, मेटा के अफसर तलब

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली



सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा (मेटा) से जुड़े कथित चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मटेरियल (सीएसईएएम) के ऐड मामले में राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने जांच का फैसला किया है। आयोग ने इस मामले में मेटा से जवाब मांगे जाने के बाद अब तथ्यों की पड़ताल के लिए औपचारिक जांच शुरू करने का निर्णय लिया है। इसी सिलसिले में मेटा इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर और अधिकारी को 9 सितंबर को आयोग के सामने पेश होने के लिए समन जारी किया गया है।

9 सितंबर को होगी अहम सुनवाई

आयोग ने उपलब्ध जानकारी और मेटा के जवाब पर विचार करने के बाद अब पूरे मामले की फैक्चुअल जांच कराने का फैसला किया है। एनसीपीसीआर की कार्रवाई अब अगले चरण में पहुंच गई है। आयोग ने मेटा के अधिकारियों को तलब किया है। माना जा रहा है कि उनसे प्लेटफॉर्म पर कथित सीएसईएएम से संबंधित विज्ञापनों की मौजूदगी, उनकी पहचान और निगरानी की प्रक्रिया और ऐसे कंटेंट को रोकने के लिए कंपनी की ओर से अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों को लेकर सवाल किए जा सकते हैं।

बाल यौन शोषण और दुरुपयोग से जुड़े कंटेंट

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक मामला बीबीसी आई की एक मीडिया रिपोर्ट से सामने आया था। रिपोर्ट में मेटा के प्लेटफॉर्म पर कथित तौर पर बाल यौन शोषण और दुरुपयोग से जुड़े कंटेंट के ऐड्स का आरोप लगाया गया था। रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए एनसीपीसीआर ने 3 जुलाई 2026 को स्वतः संज्ञान लिया था। इसके बाद आयोग ने मेटा को नोटिस जारी कर मामले में स्पष्टीकरण मांगा। मेटा ने आयोग के नोटिस का जवाब करीब एक सप्ताह बाद दाखिल किया। हालांकि, कंपनी की ओर से दिए गए जवाब के बाद एनसीपीसीआर ने मामले को यहीं खत्म नहीं किया।

बच्चों के लिए सुरक्षित ऑनलाइन वातावरण

गौरतलब है कि बच्चों से संबंधित यौन शोषण सामग्री को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की जिम्मेदारी लंबे समय से वैश्विक स्तर पर चर्चा का विषय रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ऐसे कंटेंट का प्रमोशन बच्चों की सुरक्षा और ऑनलाइन वातावरण को लेकर गंभीर चिंता पैदा करता है। भारत में एनसीपीसीआर बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा से जुड़े मामलों की निगरानी करता है और ऐसे मामलों में संबंधित संस्थाओं से जवाब मांग सकता है। 9 सितंबर को होने वाली कार्यवाही में कंपनी की ओर से दिए गए जवाब और आयोग के सवाल इस मामले की आगे की दिशा तय कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री ने ली क्लास, दिए टिप्स

मंत्रियों को युवाओं के सुझावों पर ध्यान देने की दी नसीहत



हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार शाम अपने आधिकारिक आवास पर 20 केंद्रीय राज्य मंत्रियों और स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्रियों के साथ करीब चार घंटे तक बैठक की। इस बैठक में सरकार की प्रमुख योजनाओं की प्रगति और उनके जमीनी स्तर पर लागू होने की स्थिति की समीक्षा की गई। साथ ही विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को लेकर मंत्रियों से उपयोगी और लागू किए जा सकने वाले सुझाव भी मांगे गए। पीएम ने मंत्रियों को सोशल मीडिया पर सक्रिय रहने की सलाह दी, साथ ही युवाओं के सुझावों पर ध्यान देने की भी नसीहत दी।

मोदी ने 20 राज्य मंत्रियों के साथ की 4 घंटे की बैठक

डिजिटल मीडिया के जरिए लोगों से जुड़े

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप ठोस और लागू किए जा सकने वाले विचार मांगे। रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने मंत्रियों से एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सक्रिय रहने को कहा। उनका मानना है कि इससे वे युवाओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ सकेंगे। लोगों के विचार और उनसे मिलने वाले सुझावों को नीतियां लागू करने के दौरान ध्यान में रखने की भी बात कही। जनता से लगातार संवाद करना जरूरी है, ताकि सरकारी कार्यक्रमों की जानकारी लोगों तक पहुंच सके और लोगों के सुझाव भी समय पर मिल सकें।

कार्यालय नगर पंचायत पटना जिला-कोरिया (छ.ग.)

Email.id cmonppatna@gmail.com

क्रमांक / 232 / लो.नि.वि./न.पं./2026-27 // द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना // पटना, दिनांक 8/9/2026

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत पटना की ओर से 15वें वित्त मद अन्तर्गत एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत फर्म/या ठेकेदारों से पी.डब्ल्यू.डी (भवन) एस.ओ.आर. 20.04.2026 एवं CG PHED एस.ओ.आर. 01.06.2020 से प्रभावशील लागत, अधिक या कम प्रतिशत दर पर निम्नलिखित कार्यों हेतु त्रि-लिफाफा पद्धति द्वारा फार्म 'ए' मोहरबंद लिफाफा में निविदा आमंत्रित की जाती है।

जो निम्नानुसार निर्धारित दिनांक तक अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में पंजीकृत डाक / स्पीड पोस्ट द्वारा प्रेषित की जावेगी ।

01. निविदा प्रपत्र डाक से प्राप्त होने की अंतिम तिथि - 23/09/2026 समय 3:00 बजे तक
02. प्राप्त निविदा खोलने की तिथि - 23/09/2026 समय 5:00 बजे सांय ।

क्र.	कार्य का नाम	लागत राशि (लाख में)	अमानत राशि रू.	निविदा प्रपत्र मूल्य	ठेकेदार /सप्लायर	कार्य की अवधि
1.	वार्ड क्र.01 में संत लाल के घर से मुन्नु चापेकर के घर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	4.14	3200.00	750.00	सक्षम श्रेणी	03 माह
2.	वार्ड क्र.09 में इरफान मेडिकल शॉप से बालेन्दु सागर तालाब तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	1.03	2000.00	300.00	सक्षम श्रेणी	02 माह
3.	वार्ड नं.02 में थाना से सती मंदिर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	2.44	2000.00	750.00	सक्षम श्रेणी	03 माह
4.	वार्ड नं. 13 में बुद्ध यादव पी.एम. आवास से परसापारा रोड में बोर ड्रिलिंग व पाईप लाईन कार्य। (निविदा दर समस्त करों सहित प्रस्तुत करें)।	4.41	3400.00	750.00	सक्षम श्रेणी	03 माह
5.	वार्ड नं. 14 में आदर्श चौक से कुड़ेली रोड में बोर ड्रिलिंग व पाईप लाईन कार्य। (निविदा दर समस्त करों सहित प्रस्तुत करें)।	6.61	5000.00	750.00	सक्षम श्रेणी	03 माह
6.	वार्ड नं. 02 में राजकुमार के घर से सती मंदिर तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य।	8.53	6400.00	750.00	सक्षम श्रेणी	03 माह

उपरोक्त कार्य की निविदा की समस्त शर्तें / विस्तृत निविदा विज्ञप्ति / निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय में संबंधित शाखा प्रभारी से प्राप्त की जा सकती है एवं विभागीय वेबसाइट www.uad.cg.gov.in. में देखी एवं निविदा फार्म डाउनलोड किया जा सकता है ।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत पटना, जिला-कोरिया (छ.ग.)

Chhattisgarh Rural Roads Development Agency
VIKASH BHAVAN, CIVIL LINES, RAIPUR (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

NIT No. 1189 /TC-T/CGRRDA/2026 Dated 07/09/2026

Chief Engineer, CGRRDA, Raipur on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for PMGSY Road Renewal Maintenance, sanctioned for districts of the state as per B.O.Q. from the eligible contractors / Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below. Date of release of Invitation for Bids through e-procurement:-

S. No	NIT No	Work Name	Amount (Rs. in Lakhs)	Districts	Rate invited
01	1189	Renewal / Maintenance Under PMGSY Roads	Total Cost 17578.78 Lakhs (including I.R. works, maint, Renewal works, Emergency work, GST)	Balrampur, Jashpur, Koria, Surajpur, Surguja, Kabirdham, Bilaspur, Raigarh, Bastar, Dhamtari, Mungeli, Balodabazar, Gariaband, Mahasamund, GPM, Kanker, Kondagon, Bemetara,	Percentage Rate of PMGSY SOR 06.06.2025 issued by CE, CGRRDA Raipur

Availability of Bid Documents and mode of submission: The bid document is available online and should be submitted online in https://eproc.cgstate.gov.in. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.

Detailed NIT and other details can be viewed on our website https://eproc.cgstate.gov.in from 09.09.2026 from 5:30 PM & onwards. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of this website.

Chief Engineer (Tender Cell)
Chhattisgarh Rural Road Development Agency Civil Lines, Raipur (C.G.)
E-mail : pmgsyrc4@yahoo.co.in

G-48974/1

लापरवाही पर उठाए सवाल, केंद्र सरकार पर भड़कीं जस्टिस शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार की आलोचना की है क्योंकि उन्होंने वर्कप्लेस पर महिलाओं की सुरक्षा से जुड़ी एक ऑफिशियल हैंडबुक में उस पीड़िता का नाम छापा, जिसके साथ कथित तौर पर यौन उत्पीड़न हुआ था। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि यौन अपराध की शिकार महिला की पहचान उजागर नहीं की जा सकती और इस बात पर जोर दिया कि कानून सरकारी अधिकारियों पर भी समान रूप से लागू होता है।

सूरत : ब्रिज पर रील बनाते हुए 40 फीट नीचे गिरा युवक

सूरत। गुजरात के सूरत शहर में रील बनाने के चक्कर में एक युवक 40 फीट ऊंचे ओवरब्रिज से नीचे गिर गया। खुशकिस्मती से वह एक ऑटो रिक्शा के शेड पर गिरा था, जिससे उसकी जान बच गई। मामला सोमवार का है, जिसका सीसीटीवी फुटेज आज सामने आया है। सूचना मिलते ही किम पुलिस थाने की पेट्रोलिंग टीम मौके पर पहुंच गई थी। टीम उसे पास के अस्पताल गई। युवक के हाथ-पैर में मामूली चोटें थीं। वहीं, पुलिस ने समझाइश देकर उसे छोड़ दिया। दोस्त के साथ ब्रिज पर रील बना रहा था मूल रूप से बिहार का रहने वाला और सूरत में काम करने वाले 21 साल का मोनू अपने दोस्त के साथ किम रेलवे ओवरब्रिज पर पहुंचा था।

झारखंड सरकार
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा 814133
(rdsd.godda@gmail.com)

शुद्धि पत्र

इस कार्यालय द्वारा आहूत ई निविदा आमंत्रण सूचना संख्या RWD/SD/GODDA/10/2026-27 जिसका पी.आर. संख्या 386901 (Rural Development) 26-27 (D) है में निम्न प्रकार से संशोधित किया जाता है।

क्रम	पूर्व की तिथि	संशोधित तिथि
1. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि	दिनांक 17.08.2026	दिनांक 10.09.2026
2. वेबसाईट में ई निविदा की अंतिम तिथि	दिनांक 05.09.2026 को अपराहन् 5:00 बजे तक	दिनांक 28.09.2026 को अपराहन् 5:00 बजे तक
3. वेबसाईट में ई निविदा खोलने की तिथि	दिनांक 07.09.2026 को अपराहन् 2:00 बजे	दिनांक 30.09.2026 को अपराहन् 2:00 बजे

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, गोड्डा।

PR.NO.389233 Rural Development(26-27):D

कार्यालय कार्यपालन अभियन्ता, ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

:: मैनुअल निविदा आमंत्रण सूचना द्वितीय बार (क्र.-05) ::

क्रमांक / 986 / निविदा/ग्रा.यां.सेवा / 2026-27

दन्तेवाड़ा दिनांक- 07/09/2026

1. एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैनुअल आमंत्रण निविदा दिनांक 22/09/2026 तक आमंत्रित की जाती है :-

स.क्र.	कार्य का विवरण	अनु. लागत (रू. लाख में)	कार्यालय में निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि
1	2	3	4
1	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित **भूसारास** का निर्माण कार्य सेनेटरी फिटिंग सहित (विद्युतीकरण छोड़कर) वि.खं.-कटेकल्याण	24.134 लाख	दिनांक 22/9/2026 शाम 5.00 बजे तक
2	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित **अरनपुर** का निर्माण कार्य सेनेटरी फिटिंग सहित (विद्युतीकरण छोड़कर) वि.खं.-कुआकोंडा	24.134 लाख	
3	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित **बड़ेगोडरे** का निर्माण कार्य सेनेटरी फिटिंग सहित (विद्युतीकरण छोड़कर) वि.खं.-दन्तेवाड़ा	24.134 लाख	
4	आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्यादित **बचेली** का निर्माण कार्य सेनेटरी फिटिंग सहित (विद्युतीकरण छोड़कर) वि.खं.-दन्तेवाड़ा	24.134 लाख	

2. उपरोक्त निर्माण कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी विभागीय वेब साईट **http://res.cg.gov.in** में दिनांक 10/09/2026 से 19/09/2026 तक देखी/डाउनलोड की जा सकती है।

कार्यपालन अभियन्ता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग दन्तेवाड़ा
जिला दक्षिण बस्तर दन्तेवाड़ा (छ.ग.)

G-262703157/3

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग (भ / स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि :- 07.09.2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

01. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Log in करें http://eproc.cgstate.gov.in
02. संबंधित संभाग - स.क्रं. 1 से 3 अम्बिकापुर, स.क्रं. 04 से 06 जशपुर, स.क्रं. 07 से 09 सूरजपुर एवं स.क्रं. 10 से 12 मनेन्द्रगढ़ संभाग
03. स.क्रं. 1,5,6,7,11,12 'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार एवं स.क्रं. 2,3,4,8,9,10 - 'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
04. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 25.09.2026

सरल क्र.	एन.आई.टी. क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	146	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग सीतापुर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी. टी. पैच कार्य 1. सोनतराई व्हाया भूसू गेरसा मार्ग 2. बतौली भुटको चिरगा मार्ग 3. करौली सखौली मार्ग 4. धौरपुर डूमरडीह मार्ग 5. पटोरा नागम मार्ग 6. डूमरडीह चितरपुर मार्ग 7. सिलसिला असकला मार्ग 8. सेमरडीह से बकिला मार्ग 9. छेरमुण्डा से देवरी मार्ग 10. कोट पहुंच मार्ग (प्रथम आमंत्रण)	48.85
2	147	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं. 1 अम्बिकापुर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी. टी. पैच कार्य - 1. अम्बिकापुर धनवार वाराणसी मार्ग 2. उदयपुर मतरिंगा मार्ग 3. लहपटरा बेलखरिखा मार्ग 4. साईंस कालेज अम्बिकापुर 5 पी जी कालेज अम्बिकापुर 6 जूना लखनपुर मार्ग 7. तराजू आवरापारा मार्ग 8. जमगला तालापारा मार्ग 9. कोरजा बिनकरा मार्ग 10. केदमा बनकेसमा मार्ग 11. अमगसी चैनपुर मार्ग 12. उदयपुर सलका मार्ग 13. उदयपुर रेस्ट हाउस मार्ग 14. सरगंवा से रूपपुर मार्ग 15. जरहाडांड मुदराडांड मार्ग । (प्रथम आमंत्रण)	109.10
3	148	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं. 2 अम्बिकापुर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी. टी. पैच कार्य 1. महामाया चौक से लरंगसाय चौक तक 2. दरिमा बड़ेदमाली लखनपुर मार्ग 3. मेण्ड्रा हरिहरपुर शिवपुर करजी बरकला पोड़ी बतौली मार्ग 4. दरिमा मैनपाट मार्ग 5. अम्बिकापुर से नवागढ़ मार्ग 6. अम्बिकापुर रिंगरोड 7. डकई कुन्दी मार्ग 8. बकना कुन्दी मार्ग 9.. बफौली कुन्दी मार्ग 10. कुन्दी सेमरडीह मार्ग 11. दरिमा बेलखरिखा मार्ग 12. बरियों पहाड़पारा मार्ग 13. मोतीपुर पहुंच मार्ग 14. सरगुजा विश्वविद्यालय भकुरा अम्बिकापुर पहुंच मार्ग । (प्रथम आमंत्रण)	176.40
4	149	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बगीचा के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य। (प्रथम आमंत्रण)	128.51
5	150	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग कुनकुरी के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	12.71
6	151	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग क्रं. 1 एवं 2 जशपुर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य । (प्रथम आमंत्रण)	46.52
7	152	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग सूरजपुर अंतर्गत विभिन्न 15 नग मार्गों में बी टी पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	100.00
8	153	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग सूरजपुर अंतर्गत विभिन्न 13 नग मार्गों में बी टी पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	150.00
9	154	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग प्रेमनगर अंतर्गत विभिन्न 14 नग मार्गों में बी टी पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	150.00
10	155	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग बैकुण्ठपुर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	101.70
11	156	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग मनेन्द्रगढ़ के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	84.68
12	157	लोक निर्माण विभाग उपसंभाग जनकपुर के अंतर्गत विभिन्न मार्गों में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	67.84

अधीक्षण अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

G-262703166/5

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को मिले 3 नए जज

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट को 3 नए जज मिल गए हैं। केंद्र सरकार ने मंगलवार को 3 ज्यूडिशियल अधिकारियों की नियुक्ति की है। इसमें संतोष शर्मा, सुषमा सावंत और सुधीर कुमार शामिल हैं। यह नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के बाद की गई है। ध्यान रहे कि हाईकोर्ट में जजों की मंजूर संख्या 22 है, लेकिन अभी 11 जज हैं। अब यह संख्या बढ़कर 14 हो जाएगी।सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 18 अगस्त 2026 को हुई बैठक में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के लिए तीन ज्यूडिशियल अफसरों की नियुक्ति के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसमें सुषमा सावंत ने न्यायिक सेवा में कई महत्वपूर्ण पदों पर काम किया है।

जब शासन-प्रशासन से उम्मीदें टूटीं, तो ग्रामीणों ने खुद ही बना डाला रास्ता

हरिभूमि न्यूज ⏭ रसेला

छुरा क्षेत्र के राजपुर और धर्मपुर में दिखी एकजुटता की अनूठी मिसाल

जब व्यवस्था की सुस्ती और प्रशासनिक उपेक्षा के आगे आम नागरिकों की उम्मीदें दम तोड़ने लगती हैं, तब जनशक्ति और सामूहिक इच्छाशक्ति ही सबसे बड़ा संबल बनकर उभरती है। कुछ ऐसी ही प्रेरणादायक और व्यवस्था को आईना दिखाने वाली तस्वीर गरियाबंद जिले के छुरा विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण अंचल से सामने आई है।

- दो गांव के लोगों ने चंदा और श्रमदान से कोंगालबाहरा नाला पर बनाई अस्थायी पुलिया

खास खबर

स्थायी पुल की है दरकार

ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा यह प्रयास तात्कालिक राहत के लिए उठाया गया कदम है, जो उनकी मजबूरी को बयां करता है। ग्रामीणों का स्पष्ट कहना है कि यह किसी स्थायी समाधान का विकल्प नहीं है। उनकी मूल मांग आज भी कोंगालबाहरा नाला पर एक मजबूत, पक्के और स्थायी पुल के निर्माण की है, ताकि साल के बारह महीने सुरक्षित आवागमन मिल सके।



इन हाथों ने गढ़ी नई इबारत

इस सामूहिक और प्रेरणादायी प्रयास को सफल बनाने में राजपुर और धर्मपुर के दर्जनों ग्रामीणों ने तन, मन और धन से सहयोग किया। आर्थिक चंदे से लेकर मैदानी श्रमदान तक में बिसाहू राम सिन्हा, देवलाल सिन्हा, खमंसिह ठाकुर, केलसिंह ठाकुर, सालिक राम सिन्हा, कुंजलाल ठाकुर, दुलार ठाकुर, ईश्वर सिंह ठाकुर, लवकुश नायक, निरंजन सिंह ध्रुव, संतुराम कमार, चम्पेश्वर साहू, नितेश ध्रुव, राकेश यादव, अजय तावड़े, नंद कुमार साहू, पुष्पराज कुमार और टिकट ध्रुव सहित तमाम ग्रामीणों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

राजपुर और धर्मपुर गांव के ग्रामीणों ने वर्षों से उपेक्षित पड़ी समस्या का समाधान खुद ही करने का बीड़ा उठाया है। क्षेत्र का महत्वपूर्ण कोंगालबाहरा नाला लंबे समय से टेंगनाबासा-सिवनी मार्ग के सुगम आवागमन में एक बड़ी दीवार बना हुआ था। इस नाले पर पुल का निर्माण न होने के कारण विशेष तौर पर बारिश के दिनों में स्थिति बेहद नारकीय हो जाती थी। छुरा ब्लॉक मुख्यालय की वास्तविक दूरी महज चार से पांच किलोमीटर है, लेकिन नाला पार करने का साधन न होने पर ग्रामीणों को मजबूरी में करीब पंद्रह किलोमीटर का लंबा और घुमावदार सफर तय करना पड़ता था। यह समस्या केवल आवागमन की नहीं, बल्कि रोजमर्रा के जीवन की सुरक्षा से जुड़ी थी।

11 साल बाद पुलिस पर हमला करने वाले मामले में आया निर्णय

भैंसगांव-नागरेमारी पहाड़ी मुठभेड़ प्रकरण में पांच माओवादी को सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

करीब 11 साल पहले नक्सली गतिविधियों से जुड़े एक मामले में पुलिस पार्टी पर घातक हमला करने और प्रतिबंधित संगठन को सहयोग पहुंचाने के आरोपों पर आखिरकार न्यायालय का फैसला आ गया है। विशेष न्यायाधीश (एनआईए एक्ट / अनुसूचित अपराध), कांकेर विभा पाण्डेय की अदालत ने पांच आरोपियों को दोषी ठहराते हुए अलग-अलग धाराओं में कठोर कारावास और अर्थदंड की सजा सुनाई है। फैसला 7 सितंबर को घोषित किया गया। मामला थाना कोरर के अपराध क्रमांक 108/2015 से संबंधित है। न्यायालयीन दस्तावेज के अनुसार घटना 7 सितंबर 2015 को शाम करीब 4 बजे से रात 10.15 बजे के बीच ग्राम भैंसगांव-नागरसरी पहाड़ी क्षेत्र में हुई थी। आरोप था कि वर्दीधारी अन्य नक्सली सहअभियुक्तों के साथ मिलकर आरोपियों ने करीब 7-8 लोगों के साथ प्रतिबंधित संगठन से जुड़कर पुलिस पार्टी को जान से खत्म करने तथा हथियार लूटने की नीयत से घातक हमला किया। अभियोजन के अनुसार घटना के दौरान हथियारों से अंधाधुंध फायरिंग कर पुलिस दल पर हमला किया गया था। न्यायालय के रिकॉर्ड में दोषी ठहराए गए आरोपियों प्रभाकर उर्फ बालमुरी नारायण राव, राजे कांगे उर्फ मालती उर्फ निर्मला, चिन्तुराम ताम्रकार, रमेश कुमार कुमेटी और श्यामनाथ उसेंडी दर्ज हैं। प्रकरण में भारतीय दंड संहिता, आयुध अधिनियम और विधि विरुद्ध क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम यानी यूएपीए की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे।

- 25 लाख का इनामी माओवादी प्रभाकर राव को सात साल की सजा



जेल में बिताई अवधि का मिलेगा लाभ

न्यायालय ने आदेश में आरोपियों द्वारा पूर्व में न्यायिक अभिरक्षा में बिताई गई अवधि को भी ध्यान में रखा है। रिकॉर्ड के अनुसार प्रभाकर 23 दिसंबर 2024 से 7 सितंबर 2026 तक कुल 624 दिन, राजे कांगो और श्यामनाथ उसेंडी 12 जनवरी 2025 से 604 दिन, जबकि चिन्तुराम ताम्रकार और रमेश कुमार कुमेटी 5 अप्रैल 2025 से 521 दिन न्यायिक अभिरक्षा में रहे। अदालत ने दंड प्रक्रिया संहिता की संबंधित धारा के तहत इस अवधि को सजा की अवधि में समायोजित करने का आदेश दिया है।

किस माओवादी को मिली कितनी सजा

फैसले के अनुसार प्रभाकर उर्फ बालमुरी नारायण राव और राजे कांगे उर्फ मालती उर्फ निर्मला को भारतीय दंड संहिता की धारा 147 के तहत दो वर्ष के कठोर कारावास और 100 रुपए और यूएपीए की धाराओं 38 (2) और 39 (2) के तहत प्रत्येक अपराध में सात-सात वर्ष के कठोर कारावास तथा 500-500 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है। यूएपीए की धाराओं 38 (2) और 39(2) के तहत प्रत्येक अपराध में सात-सात वर्ष के कठोर कारावास तथा 500-500 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है। दोनों सजाएं साथ-साथ भुगतने का आदेश दिया गया है। इसी तरह चिंतूराम ताम्रकार को धारा 212 भारतीय दंड संहिता के तहत दो वर्ष के कठोर कारावास और 100 रुपये अर्थदंड की सजा मिली है। रमेश कुमार कुमेटी और श्यामनाथ उसेंडी को यूएपीए की धारा 19 के तहत पांच-पांच वर्ष के कठोर कारावास और 500-500 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया है।

अमृत मिशन के कार्य मिशन मोड में पूरे करें, नालंदा परिसरों के निर्माण में तेजी लाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहरों का विकास केवल अधोसंरचना निर्माण तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि नागरिकों को स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, बेहतर सड़क, प्रकाश व्यवस्था और सुगम सार्वजनिक परिवहन जैसी मूलभूत सुविधाएं गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध रूप से मिलनी चाहिए। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंगलवार को मंत्रालय महानदी भवन में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए उक्त बातें कही। साथ ही नगरीय निकायों में संचालित योजनाओं और विकास कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए उन्हें निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए।

उन्होंने विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा करते हुए कहा कि शासन द्वारा स्वीकृत विकास कार्यों का वास्तविक लाभ नागरिकों तक समय पर पहुंचे, यह अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है। निर्माण कार्यों में अनावश्यक विलंब स्वीकार नहीं किया जाएगा। उन्होंने कार्यों में तेजी के साथ गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।



स्वच्छ वायु सर्वेक्षण में रायपुर के प्रदर्शन की सराहना

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि रायपुर नगर निगम ने वायु प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में उल्लेखनीय सुधार किया है। स्वच्छ वायु सर्वेक्षण-2026 में 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की श्रेणी में रायपुर ने 189 अंक प्राप्त कर देश में छठा स्थान हासिल किया है। राज्य स्तरीय वार्ड रैंकिंग-2026 में रायपुर के वार्ड क्रमांक 46 ने 30 हजार से अधिक आबादी वाली श्रेणी तथा वार्ड क्रमांक 30 ने 10 हजार से 30 हजार आबादी वाली श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस उपलब्धि के लिए विभाग और नगर निगम की टीम को बधाई दी।

सुनियोजित और नागरिक केंद्रित हों प्रदेश के शहर

मुख्यमंत्री श्री साय ने नगरोत्थान योजना की समीक्षा करते हुए शहरों में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर अधोसंरचना विकसित करने पर जोर दिया। बैठक में बताया गया कि प्रदेश के 14 नगर निगमों के लिए प्रारंभ की गई इस योजना के तहत मुख्य सड़कों का चौड़ीकरण, बाईपास, फ्लाईओवर, सर्विस लेन और अंडरपास सहित यातायात से संबंधित आवश्यक अधोसंरचना का विकास किया जा रहा है। बैठक में बताया गया कि नगरीय निकायों के सतत, संगठित एवं नागरिक-केंद्रित विकास के लिए 'आदर्श शहर समृद्धि योजना' प्रारंभ की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योजना के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है और इसके अंतर्गत 32 नगरीय निकायों का चयन किया गया है।

38 नगरीय निकायों में नालंदा परिसर, 31 का निर्माण प्रगतिरत

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रदेश के नगरीय निकायों में युवाओं को अध्ययन के लिए आधुनिक और सुविधायुक्त वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बनाए जा रहे सेंट्रल लाइब्रेरी सह रीडिंग जोन 'नालंदा परिसर' की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने निर्माणाधीन परिसरों के कार्यों में तेजी लाते हुए इन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने बताया कि योजना के अंतर्गत तीन वित्तीय वर्षों में प्रदेश के 38 नगरीय निकायों में नालंदा परिसर निर्माण की स्वीकृति दी गई है, जिनमें 31 कार्य वर्तमान में प्रगतिरत हैं।

औद्योगिक संयंत्रों में प्रदूषण, शासन ने कहा- नियम बनाए जा रहे

बिलासपुर। औद्योगिक संयंत्रों में प्रदूषण से श्रमिकों के बीमार होने के मामले में हाईकोर्ट में शासन की ओर से बताया गया कि इस मुद्दे पर नियम बनाए जा रहे हैं। कोर्ट ने नियम बनने के बाद प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को निर्धारित की है। उल्लेखनीय है कि प्रदेश के थर्मल पॉवर उद्योगों में श्रमिकों के बीमार होने के मामले में हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। जनहित याचिकाएं भी दायर की गईं थीं। हाईकोर्ट ने कोर्ट कमिश्नरों को नियुक्त कर अलग अलग इलाके की रिपोर्ट मंगाई थी। कमिश्नरों ने अपनी जांच के बाद रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें संयंत्रों में प्रदूषण नियंत्रण, सुरक्षा मानकों के पालन और श्रमिकों के इलाज की व्यवस्था की जरूरत बताई। पिछली सुनवाई में राज्य शासन की ओर से उपस्थित अतिरिक्त महाधिवक्ता ने तर्क दिया था कि 37 विद्युत संयंत्र ऐसे हैं जिन्हें वर्तमान जनहित याचिका में पक्षकार-प्रतिवादी नहीं बनाया गया है। ऐसे विद्युत संयंत्रों की सूची की उनके द्वारा प्रस्तुत की गई। हाईकोर्ट ने रजिस्ट्री को निर्देश दिया था कि वह उपरोक्त 37 विद्युत संयंत्रों को पक्षकार बनाएं और कोर्ट कमिश्नर वहां भी जांच करें। हाईकोर्ट ने आईएएस अफसरों को अपने जिलों में औद्योगिक संयंत्रों का निरीक्षण कर प्रदूषण व स्वास्थ्य सुविधा पर अपनी रिपोर्ट न्यायमित्रों को देने के निर्देश दिए थे।



सरकार से मांगा छात्रों की संख्या और आरटीई के तहत सीटों का पूरा ब्योरा

बिलासपुर। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के. आर. महापात्र और जस्टिस संजय जायसवाल की डिवीजन बेंच ने आरटीई के तहत निजी स्कूलों में दाखिले से जुड़े मामले में स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव को शपथपत्र पेश कर प्रदेश के प्रत्येक स्कूल में अध्ययनरत छात्रों की संख्या और आरटीई के तहत निर्धारित सीटों का पूरा ब्योरा देने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने यह जानकारी अगली सुनवाई के पहले प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर 2026 को होगी। मामले की पिछली सुनवाई में कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार के स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आरटीई के तहत रिक्त सीटों को भरने के लिए उठाए जा रहे कदमों पर गौर किया था। राज्य की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता शशांक ठाकुर ने 10 जुलाई 2026 को स्कूल शिक्षा विभाग के अवर सचिव द्वारा लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक को भेजे गए पत्र की प्रति पेश की थी। पत्र का उद्देश्य शैक्षणिक सत्र 2026-27 में आरटीई की खाली सीटों को अधिक से अधिक पात्र बच्चों से भरना था। सरकार की ओर से बताया गया था कि सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को आरटीई नियमों के अनुसार निजी स्कूलों के आसपास रहने वाले अभिभावकों से पोर्टल के माध्यम से आवेदन मंगाने और जिले की सुविधा के अनुसार लॉटरी अथवा काउंसलिंग के जरिए बच्चों को प्रवेश देने की अनुमति दी गई है।

खैर लकड़ी के अवैध परिवहन के आरोपी के घर से 81 लाख बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭ महासमुंद

खैर लकड़ी के अवैध परिवहन व फर्जी एनओसी के मामले में जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में बसना पुलिस द्वारा की गई छापामार कार्रवाई के दौरान आरोपी के मकान की तलाशी के दौरान 81 लाख रुपए नगद बरामद किया है।

- प्रकरण में बीएनएस और भारतीय वन अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना जारी



पुलिस अफसरों ने बताया कि जिला पुलिस महासमुंद द्वारा अवैध गतिविधियों, वनोपज के अवैध परिवहन एवं धोखाधड़ी करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी बीच में, वन परिक्षेत्र अधिकारी पिथौरा के आवेदन पर खैर लकड़ी (23,350 किग्रा) के अवैध परिवहन हेतु प्रयुक्त एनटीपीएस एनओसी में कूटरचना कर उपयोग करने और धोखाधड़ी के मामले में थाना पिथौरा में अपराध क्रमांक 172/2026 पंजीबद्ध किया गया है। यह प्रकरण धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2), 61(2), 3(5), 111 बीएनएस व 25 आर्म्स एक्ट एवं भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 42(1) सहपठित धारा 41(2) (ख) (घ), धारा 52(1) के तहत दर्ज कर विवेचना में लिया गया है।

प्रकरण की विवेचना के दौरान ज्ञात तथ्यों के आधार पर आरोपी मनीष अग्रवाल के ग्राम मुडपार सरसीवां स्थित मकान की तलाशी हेतु सर्च वारंट न्यायालय से प्राप्त किया गया था। महासमुंद पुलिस द्वारा 07 सितंबर को आरोपी मनीष अग्रवाल के घर (ग्राम मुड़पार, थाना सरसींवा, जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़) की तलाशी ली गई। मकान के केयरटेकर की उपस्थिति और गवाहों के समक्ष ली गई, इस तलाशी के दौरान थैले 500 रुपए के नोटों की 162 गड्डियां बरामद की गई। इस थैले के अंदर 500-500 के कुल 16,200 नोट पाए गए, जिनकी कुल नगदी रकम 81,00,000 रुपए है, जिसे पुलिस द्वारा मौके से विधिवत जब्त कर लिया गया है।

मामले में जब्त की गई 81 लाख रुपए नगदी अपराध से अर्जित संपत्ति को महासमुंद पुलिस द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 107 के प्रावधानों के अंतर्गत न्यायालय के समक्ष इस अवैध नगदी की विधिवत कुर्की के लिए आवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है, ताकि आरोपी के विरुद्ध समुचित वैधानिक कार्रवाई कर उसको अपराध से अर्जित आर्थिक लाभों से पूर्णतः वंचित किया जा सके।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि

Email : response.haribhoomi@gmail.com

CLASSIFIED

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी

Contact for advertisment booking :
Raipur- 6263818152
79871-19756

Appointment आवश्यकता

शिक्षाकर्मी

आवश्यकता है- लेडी इंचार्ज, स्पोर्ट्स टीचर, हिंदी टाइपिंग टीचर एवं अंग्रेजी-हिंदी माध्यमः एस.एसटी, इंग्लिश, मैथ्स, इकोनॉमिक्स, बीएसटी हेतु शिक्षक/शिक्षिकाओं, म्यूजिक टीचर एवं माली की आवश्यकता। साक्षात्कार 12.09.2026, प्रातः 9:30 बजे, **रायपुर कॉन्वेंट हा.से. स्कूल, पानीटंकी के पास खमतराई, 9826198065, 0771-2252855.** (आरे-005)

Required- Required teachers for Physics, Chemistry, Biology, Commerce, History, Sociology, Political-Science and Economics. Candidate must be PG with B.Ed, English Medium. Principal, Glorious School, Krishna Nagar Near Santoshi Nagar, Raipur **8226078877, 7987357145.** (आरे-841)

हाऊस कीपिंग

आवश्यकता है- हाउस कीपिंग – पुरुष उम्मीदवार (इन-हाउस रहने हेतु), ऑफिस बॉय – **केवल रायपुर लोकल उम्मीदवार एवं कंसल्टेंसी वाले संपर्क करें :- मो.6232022676.** (आरे-309)

हरिभूमि क्लासीफाईड छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सिक्योरिटी/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- रायन इंटरनेशनल स्कूल (रहेजा अपार्टमेंट के पास, अवन्ति विहार, रायपुर) में सिक्योरिटी सुपरवाइजर की आवश्यकता है.12- घंटे ड्यूटी। **संपर्क-मोबाइल :- 7828090392, 8319204585.** (आरे-16582)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप पर काम करने हेतु महिला एवं पुरुष कर्मचारियों की आवश्यकता है **संपर्क करें जय जवान पेट्रोल पंप मरीन ड्राइव के पास तेलीबांधा रायपुर छत्तीसगढ़ मो-9827141707.** (आरे-4171)

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 12 वी पास युवक की आवश्यकता है। स्वयं का वाहन आवश्यक। आकर्षक वेतन + पेट्रोल। बायोडाटा सहित 12 से 3 बजे के बीच **संपर्क करे :- 9300160001, 9300160003.** (आरे-546)

शीघ्र आवश्यकता है- जो बाहर रहकर कार्य कर सके इंदौर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के, आयु 18 से 30 वर्ष वेतन 12000 + कमीशन + बोनस के साथ 20000 रहना फ्री + गाड़ी किराया + कोई शुल्क नहीं लगेगा **संपर्क, 9630922589, 9893029618.** (आरे-501)

विज्ञापन बुकिंग टाइम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक

आवश्यकता है- ऑफिस स्टाफ के लिए 12वीं पास लड़को की जिसे कम्प्युटर की जानकारी हो बेसिक सैलरी 10,000/- **संपर्क करें- बालाजी मार्केटिंग गोंदवारा रायपुर नियर लवकुश फर्नीचर मों. - 7987399644, 9617104455.** (आरे-A)

वायरिंग कार्य

आवश्यकता है- पेनल वायरिंग संबंधित कार्य करने हेतु फ्रेशर लड़को की आवश्यकता है। **संपर्क करें:- साकेत इलेक्ट्रीकल्स, परशुराम नगर, प्रोफेसर कालोनी, रायपुर मोबाइल नंबरः- 9826160381, 9754428361.** (आरे-069)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- चायपत्ती के फैक्ट्री में पैकिंग कार्य लेडीज व लड़कों की आवश्यकता है। **संपर्क करें जैन ट्रेडर्स नियर SBI ATM के सामने गली आकृति विहार अमलीडीह 0771-4075490, 79879 27854, 9753674707.** (आरे-844)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु 10- 12 लड़के/लड़कियों लड़कियों की आवश्यकता है. वेतन योग्यतानुसार **संपर्क करें- लाइट एन लाइट, जवाहर नगर चौक, एमजी रोड, रायपुर** (आरे-16581)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- टेली कॉलिंग के लिए युवतियों की आवश्यकता है। अनुभवहीन/अनुभव को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार पावर हाऊस भिलाई **संपर्क करें मो.- 86249-87631, 92442-54776.** (आरे - 331)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ - फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः-B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, LLB M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLY-TECHNIC, B.tech M.tech (अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करें) सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा **संपर्क** Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai **9826196515, 9826896515.** (आरे-4171)

Property प्रापर्टी

प्लॉट बेचना है - बिलासपुर सकरी थाना के सामने मेन रोड से 30मी. दूर डायवर्टेड आवासीय प्लॉट टुकड़ों में उपलब्ध। सीसी रोड, नाली, पानी, बिजली सुविधा सहित प्लॉट 75.5×54= 4077 वर्गफुट। **सम्पर्क करें- 7898855268.** (RO-41750)

हरिभूमि क्लासीफाईड

For Rent किराया

किराये से देना है- मैग्नेटो माल स्थित आफिजो में नं. 515 फर्नीश्ड एयरकंडीशण्ड आफिस किराये से देना है। एरीया 480 वर्गफिट। केबिन व वर्क स्टेशन बना हुआ है। **संपर्क करें- मों. 7591088888.** (आरे-17)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - प्रगति फाइनेंस द्वारा कृषि, बिजनेस, पर्सनल, लघु उद्योग, आधारकार्ड, समूह लोन , होम लोन पर कम समय आसान क़िस्त (2%ब्याज), (40%छूट) 50 हजार से 40 लाख समस्त लोन कराये - **7606809537, 7587708423.** (आरे-4349)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वाहे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवे व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।



विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

जैकेट के शेष

तीन शहर, तीन साल...

संभावना है। दरअसल छत्तीसगढ़ के आवारा कुत्तों का पंजीयन केंद्र सरकार के पशुधन पोर्टल पर किया जाएगा। साथ ही इसके माध्यम से कुत्तों की नसबंदी और एंटी-रेबीज टीकाकरण कार्यक्रमों की निगरानी बेहतर होगी तथा पशु कल्याण और जनसुरक्षा से जुड़े अभियानों को अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

छत्तीसगढ़ में रोज ...

के मामले दर्ज किए गए हैं। वहीं एक साल की रिपोर्ट में रायपुर में 15,953 मामले सामने आए थे। बिलासपुर में 12,000 से अधिक और दुर्ग जिले में 11,000 से अधिक लोग डॉग बाइट का शिकार हुए हैं।

ये है मामला...

के भारत पशुधन पोर्टल पर आवारा पशुओं का अनिवार्य पंजीयन कराने के निर्देश दिए हैं। संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास ने इस संबंध में प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को निर्देश जारी किए हैं। यह कार्रवाई भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय के पशुपालन एवं डेयरी विभाग के आदेश के अनुपालन में की जा रही है। इसका उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में घूम रहे आवारा मवेशियों और आवारा कुत्तों का डिजिटल डाटाबेस तैयार करना, उनकी निगरानी को प्रभावी बनाना तथा पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को अधिक व्यवस्थित बनाना है।

आवारा कुत्तों का ...

डिजिटल रिकॉर्ड तैयार होगा, जिससे उनकी पहचान, निगरानी और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी उपलब्ध रहेगी। नगरीय प्रशासन विभाग का मानना है कि इस व्यवस्था से शहरी क्षेत्रों में आवारा पशुओं की संख्या का वास्तविक आकलन संभव होगा। छत्तीसगढ़ के शहरों में आवारा पशुओं के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं, यातायात बाधाओं और रेबीज जैसी बीमारियों के जोखिम को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

अब शहरों में ...

करना होगा। साथ ही केंद्रों में किए गए नसबंदी और टीकाकरण की पूरी जानकारी भी पोर्टल पर अपलोड करनी होगी।

बोले प्रधानमंत्री ...

'झूठ की गूंज' के जरिए लोगों को गुमराह करने वाले हर चौराहे पर मिल जाएंगे, लेकिन भारत का युवा सच की गर्जना के साथ आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विकसित भारत के लिए ऐसी कनेक्टिविटी जरूरी है, जो सुगम होने के साथ समय के अनुरूप तेज भी हो। उन्होंने वडोदरा को गतिशक्ति यूनिवर्सिटी का शहर बताते हुए कहा कि यहां डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर की आखिरी कड़ियां भी जुड़ गई हैं। उन्होंने बताया कि 2,800 किलोमीटर से अधिक लंबे डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर प्रोजेक्ट का काम पूरा हो चुका है। पीएम मोदी ने इसे 21वीं सदी के भारत के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि आधुनिक कनेक्टिविटी देश की आर्थिक गति को नई ताकत देगी।

इधर, पीएम के कार्यक्रम से पहले पकड़े गए दो संदिग्ध : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के महाराष्ट्र दौरे से पहले मुंबई में उनकी सुरक्षा में बड़ी चूक की खबर सामने आई है। मुंबई में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक कार्यक्रम से एक दिन पहले दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक के पास से बंदूक बरामद हुई है। पुलिस ने बताया कि बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित नीता मुकेश अंबानी सांस्कृतिक केंद्र (एनएमएसीसी) में एक व्यक्ति को हिरासत में लिया गया। वह खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बता रहा था। हिरासत में लिए गए व्यक्ति की उम्र 24 साल बताई जा रही है। उसके साथ एक बॉडीगार्ड भी था, जिसके पास बंदूक थी। मुंबई पुलिस के अनुसार, मामले की आगे की जांच मुंबई अपराध शाखा कर रही है।

दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव ...

मुताबिक, नोट में मानसिक तनाव और कई शारीरिक बीमारियों का जिक्र किया गया है। हालांकि, पुलिस मामले की जांच कर रही है. मौत से जुड़ी सभी परिस्थितियों की पड़ताल की जा रही है। जानकारी के मुताबिक, राकेश मेहता की पत्नी सुमंती मेहता भी सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हैं। वह इन दिनों अपने बेटे से मिलने देहरादून गई हुई थीं। उनकी एक बेटी भी है, जो विदेश में रहती है। मेहता की पत्नी सुमंती मेहता जब अपने फ्लैट पर पहुंचीं तो दरवाजा अंदर से बंद था। काफी कोशिश के बाद भी दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण पुलिस ने उसे तोड़ा और फ्लैट के अंदर दाखिल हुई। अंदर राकेश मेहता फंदे से लटके मिले।

दिल्ली से लखनऊ ...

में अफरा-तफरी मच गई। हालांकि पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए गो-अराउंड किया और दूसरे प्रयास में फ्लाइट की सुरक्षित लैंडिंग कराई।
यह फ्लाइट दिल्ली से दोपहर 2:20 बजे रवाना हुई थी और 3:30 बजे लखनऊ पहुंचनी थी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, लखनऊ हवाई अड्डे पर पहले लैंडिंग प्रयास के दौरान रनवे के पास विमान की स्थिति अस्थिर हो जाने पर पायलट ने लैंडिंग रद्द कर दी और विमान को वापस ऊंचाई पर ले गया। फिर कुछ देर बाद विमान दोबारा रनवे के पास पहुंचा और दूसरे प्रयास में पायलट ने सुरक्षित लैंडिंग कर ली। विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। रायबरेली में राहुल गांधी का कार्यक्रम :रिपोर्ट्स के मुताबिक, राहुल गांधी दो दिवसीय दौरे के लिए मंगलवार को उत्तर प्रदेश में अपने संसदीय क्षेत्र रायबरेली पहुंचे। राहुल अपनी यात्रा के दौरान जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पिछली दिशा बैठक की अध्यक्षता अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने की थी। रायबरेली कांग्रेस अध्यक्ष पंकज तिवारी ने कहा कि राहुल गांधी दो दिनों के लिए दौरे पर रहेंगे।

20 किमी पैदल चली ...

लेकर नाराजगी जताई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा, बच्चियों को अपनी बुनियादी समस्याओं के समाधान के लिए विद्यालय से पैदल निकलना पड़े, यह किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि यदि विद्यालय में लंबे समय से बिजली सहित अन्य समस्याएं बनी हुई थीं, तो संबंधित अधिकारियों ने समय रहते उनका समाधान क्यों नहीं किया।

जांच कर जिम्मेदारी ...

·मूलभूत सुविधाओं से जुड़े मामलों में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री की सख्ती के बाद स्कूल के प्राचार्य को हटाने और छात्रावास के वार्डन को नोटिस जारी किया गया है।

बिजली, पढ़ाई और ...

केवल मौजूदा समस्याओं को दूर करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ऐसी व्यवस्था विकसित की जाए, जिसमें छात्राओं की शिकायतें विद्यालय और छात्रावास स्तर पर ही समय पर सुनी जाएं और उनका समाधान किया जा सके।

महिला कर्मचारियों को हटाने को लेकर भारी विवाद

फ्रांस में स्वामी नारायण संप्रदाय के संतों पर बवाल के बाद एफिल टावर बंद

खास बातें
- लिंग भेद का मामला बताया जा रहा है इसे
- मैनेजमेंट ने मानी गलती, माफी मांगी



एजेंसी ▶▶| पेरिस

फ्रांस की राजधानी पेरिस में विवाद के पास मशहूर एफिल टावर को फिलहाल पर्यटकों के लिए बंद कर दिया गया है। एफिल टावर को बंद करने का फैसला कर्मचारियों के हड़ताल करने के बाद लिया गया है।

दरअसल पेरिस के एफिल टॉवर के कर्मचारियों ने इस आरोप पर हड़ताल कर दी है कि कुछ दिन पहले एक हिंदू धार्मिक समूह के दौरे के दौरान महिला कर्मचारियों को वहां से 'हटा' दिया गया था। यह बात कर्मचारियों और मैनेजमेंट ने बताई है। ये पूरा विवाद पिछले हफ्ते बीएपीएस (बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था) से जुड़े लगभग 100 लोगों के एक दल के निजी दौरे से शुरू हुआ। इस धार्मिक समूह के प्रतिनिधि पेरिस के बाहरी इलाके में एक मंदिर के उद्घाटन से जुड़े समारोहों के लिए फ्रांस पहुंचा था। आरोप है कि इस दौरान एफिल टावर मैनेजमेंट से कहा गया था कि कुछ समय के लिए महिला कर्मचारियों को वहां से हटा दिया जाए और उन्होंने ऐसा ही किया। इसके बाद धीरे धीरे विवाद बढ़ा और अब कर्मचारियों ने इस बात के लिए हड़ताल कर दिया है।

एफिल टावर प्रबंधन और बीएपीएस ने जताया खेद

एफिल टावर का मैनेजमेंट संभालने वाली कंपनी एसईटीई ने स्वीकार किया है कि प्रतिनिधिमंडल की तरफ से 'महिलाओं के साथ बातचीत को सीमित करने' का अनुरोध किया गया था। कंपनी ने माना कि उनसे गलती हुई और ऐसी शर्तें स्वीकार नहीं की जानी चाहिए थीं। प्रबंधन ने अपने कर्मचारियों से इसके लिए माफी भी मांगी है। वहीं इस विवाद पर बीएपीएस संगठन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि दल बड़ा होने के कारण सामान्य समय से पहले ही दौरे का तालमेल किया गया था ताकि आम लोगों को असुविधा न हो। इस स्थिति से जिसे भी ठेस पहुंची या असुविधा हुई उसके लिए वे ईमानदारी से माफी मांगते हैं।

एडमिशन नहीं, छात्र ने की आत्महत्या

एजेंसी ▶▶| मुंबई

मुंबई ठाणे में 17 साल के एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। वह अपनी पसंद के हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूट में एडमिशन न मिल पाने से परेशान था। उसने 12वीं क्लास की साइंस परीक्षा में 95.7% मार्क्स हासिल किए थे। स्टूडेंट ने फैमिली व्हाट्सएप ग्रुप पर एक मैसेज भेजकर अपनी जान देने की बात कही। इससे पहले कि कोई कुछ कर पाता, वह एक रेजिडेंशियल बिल्डिंग की 22वीं मंजिल के रिफ्यूज एरिया से कूद गया। यह घटना शुक्रवार 4 सितंबर को हुई।

ओडिशा में नए डीजीपी की नियुक्ति पर विवाद

भुवनेश्वर। ओडिशा में नए पुलिस महानिदेशक डीजीपी की नियुक्ति का मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। आरोप है कि राज्य सरकार ने डीजीपी चुनने के लिए तय नियमों से हटकर कुछ जूनियर अधिकारियों के नाम भी यूपीएससी को भेज दिए। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल यूपीएससी को डीजीपी के लिए पैनल अंतिम रूप नहीं देने को कहा है।

कांग्रेस की मांग, वित्तमंत्री को करो बर्खास्त

पंजाब में जिसने बताई नशे की सत्यता उसे क्यों करनी पड़ी आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस ने पंजाब में बढ़ते नशे की समस्या की सच्चाई सामने रखने वाले ग्रामीण गुलजार सिंह को आत्महत्या के लिए मजबूर करने के जिम्मेदार प्रदेश के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की तत्काल बर्खास्तगी की मांग की है। पार्टी का आरोप है कि आप (आम आदमी पार्टी) की सरकार प्रदेश में नशे को लेकर खोखले दावों की पोल खोलने वाले नागरिकों को प्रताड़ित कर रही है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आप सरकार नशे के खात्मे के झूठे दावे कर रही है, जबकि हकीकत यह है कि नशा आज पंजाब के घर-घर तक पहुंच चुका है। कांग्रेस नेता ने बताया कि पंजाब के संगरूर जिले में एक जनसभा के दौरान वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा जब नशे के खिलाफ जंग में सफलता की बात कह रहे थे, तब दलित गुलजार सिंह ने खुलकर उनके दावे को गलत बताया था। इसके अगले ही दिन सत्ताधारी पार्टी के लोगों द्वारा गुलजार पर सोशल मीडिया पर माफी मांगने का भारी दबाव बनाया गया। प्रताड़ना से परेशान होकर गुलजार ने सल्फास खा लिया और मृत्युपूर्व बयान में कहा कि उन्हें धमकाने के लिए सीधे तौर पर हरपाल सिंह चीमा भी जिम्मेदार हैं। बाजवा ने कहा कि सत्ता में बैठे लोग आज जनता को सवाल तक नहीं पूछने दे रहे हैं।

पेज एक के शेष

जहां शिक्षामंत्री का प्रवास...

से लेकर तमाम प्रशासनिक कार्यक्रमों में शिरकत की। इधर, जिले भर की प्राथमिक से लेकर हायर सेकेंडरी स्कूलों का एक के बाद एक विद्युत विभाग ने बकाया बिजली बिल के भुगतान के लिए कनेक्शन काट दिया है। एक के बाद एक जिले भर के सैकड़ो स्कूलों का बिजली सप्लाई कट होने से स्कूलों के कामकाज अध्यापन पर बेहद असर पड़ रहा है।अंबागढ़ चौकी मोहला मानपुर में पदस्थ सहायक अभियंता एसके मिलिंद,अंबागढ़ चौकी के सहायक अभियंता बी कुर्रे ने बताया कि जिले में 599 से भी अधिक सरकारी शिक्षण संस्थानों का 41 लाख रुपए बिजली बिल महिनों से बकाया, है जिसके कारण स्मार्ट मीटर के माध्यम से बिजली काटी जा रही। इस करवाई की सूचना विभाग प्रमुख को दे दी गई है।

अधूरे पुल पर खुली आंख...

खतरा तो अब भी बना हुआ है। बता दें कि पिछले 4-5 वर्षों से करोड़ों रुपए की लागत से विशाल पुल का निर्माण लोक निर्माण विभाग सेतु संभाग द्वारा किया जा रहा है। पुल निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से चल रहा है और निर्माण स्थल पर न तो पुल निर्माण संबंधित किसी भी प्रकार के सूचना पटल नहीं लगाया गया है, जिससे विवरण का पता चले। बहरहाल लगातार बारिश के कारण नदी मे बाढ़ आने के कारण ग्रामीण और स्कूली छात्र इस अधूरे पुल पर जान जोखिम मे डालकर आना जाना करने मजबूर हैं। एक लोहे की सीढ़ी से चढ़कर दर्जनों बच्चे इस पुल को पारकर देहारगुड़ा स्कूल पढ़ाई करने जा रहे थे। हरिभूमि में 1 सितम्बर को प्रमुखता के साथ खबर छपने के बाद संबंधित विभाग के अफसर इस अधूरे पुल का निरीक्षण करने पहुंचे थे और ग्रामीणों से भी चर्चा की थी। साथ ही संबंधित ठेकेदार को दिसम्बर 2026 तक पुल निर्माण पूरा करने का आदेश दिया गया है।

सिंगल सीढ़ी के बाद अब...

दो दिन पहले विभाग के बड़े अफसर पहुंचे थे और उन्होने अस्थाई तौर पर आने जाने के लिए रास्ता बनाने का निर्देश दिया। साथ ही ठेकेदार को दिसम्बर 2026 तक पुल निर्माण पूर्ण करने का सख्त निर्देश दिया है। लेकिन अफसरों के निरीक्षण कर जाने के बाद संबंधित ठेकेदार ने सेंट्रिंग प्लेट को एक दूसरे से जोड़कर सीढ़ी बनवा दिया है, जिसमें चलना तो दूर एक साथ बच्चे बैठ बैठकर उतर रहे हैं। इसमें पैर फिसलने से दुर्घटना की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि सिर्फ कागजी खानापूर्ति करने के बजाय विभाग को जल्द से जल्द इस अधूरे पक्के पुल का निर्माण कार्य पूरा कराना चाहिए, ताकि कोई बड़ा हादसा न हो।

कायर कहलाने के ...

का पालन करते हुए 'बाहुबलियों, माफियाओं, गैंगस्टरों या अपराधियों' से डर जाएंगे तो न्यायपालिका में जनता का विश्वास समाप्त हो जाएगा। अपने फैसले में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि वह 'कायर जज कहलाने के बजाय मौत को गले लगाना पसंद करेंगे' और जब तक अपने सिद्धांतों का पालन कर सकते हैं, तब तक सेवा करते रहेंगे। न्यायाधीश ने यह भी कहा कि उन्हें माफियाओं और अपराधियों से धमकियां मिल रही हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि माफियाओं और अपराधियों को लाभ पहुंचाने के लिए उनकी अदालत से लगभग 100 गंभीर मामलों को वापस ले लिया गया है। ऐसा समझा जाता है कि दिवाकर ने मुजफ्फरनगर में अपनी सुरक्षा कम किए जाने का आरोप लगाते हुए वरिष्ठ अधिकारियों से सुरक्षा की मांग की है।

ब्रिटेन के किले पर पाक का झंडा फहराने पर विवाद

लंदन। ब्रिटेन के वेल्स में कार्डिफ कैसल (किले) पर पाकिस्तान का झंडा फहराने को लेकर विवाद हो गया है। दक्षिणपंथी रिफॉर्म UK पार्टी ने इसका विरोध किया है। रिपोर्ट के मुताबिक रिफॉर्म के सीनियर नेता रॉबर्ट जेनरिक ने सोशल मीडिया पर कार्डिफ कैसल पर पाकिस्तानी झंडा फहराए जाने का वीडियो शेयर किया। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक इमारतों पर विदेशी झंडे फहराया जाना बंद होना चाहिए। कार्डिफ काउंसिल के लेबर नेता क्रिस वीवर ने कहा कि 14 अगस्त को पाकिस्तान के स्वतंत्रता दिवस पर झंडा फहराने का मकसद कार्डिफ में रहने वाले पाक समुदाय के योगदान को सम्मान देना था। क्रिस वीवर ने बताया कि 15 अगस्त को भारत के स्वतंत्रता दिवस के मौके पर भारतीय झंडा भी फहराया गया था। काउंसिल के मुताबिक 9 अगस्त को भी एक कार्यक्रम में पाकिस्तानी झंडा फहराया गया था और वह रातभर लगा रहा। वेल्श कंजरवेटिव सांसद नताशा असगर ने रिफॉर्म के विरोध की आलोचना करते हुए कहा कि वह पाकिस्तानी, भारतीय और पोलिश समुदायों के झंडा फहराने के कार्यक्रमों में शामिल हो चुकी हैं।

विधानसभा में अधिकारी को हार्ट अटैक, मौत

हैदराबाद। हैदराबाद में तेलंगाना विधानसभा के अंदर मंगलवार को एक अधिकारी अचानक बेहोश होकर गिर गए। इसके बाद विधानसभा में अफरा-तफरी मच गई। पशुपालन मंत्री वकिटी श्रीहरि ने तुरंत उन्हें सीपीआर दिया। मेडिकल स्टाफ को बुलाकर अधिकारी को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान राजू के रूप में हुई है। वे प्रिंसिपल सेक्रेटरी नवीन मित्तल के पर्सनल असिस्टेंट (पीए) थे। अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, राजू को गंभीर कार्डियक अरेस्ट आया था।

राशिफल

मेष — किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में भागदौड़ अधिक रहेगी।

वृष — धैर्यशीलता में कमी भी हो सकती है। संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन के रखरखाव एवं वस्त्रों आदि पर खर्च बढ़ सकते हैं।

मिथुन — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। लाभ में वृद्धि होगी।

कर्क — मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कुछ चिंता परेशान भी हो सकती हैं। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

सिंह — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है।

कन्या — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

तुला — कला एवं संगीत में रुचि रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य में सुधार होगा। कारोबार में भाग-दौड़ बढ़ेगी, परन्तु स्वास्थ्य के प्रति सचेत भी रहे।

वृश्चिक — संयत रहें। क्रोध से बचें। बातचीत में संयत रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों में वृद्धि होगी। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु मन अशान्त भी रहेगा। आत्मसंयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं।

मकर — माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी। कारोबार से लाभ में वृद्धि होगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। फिर भी धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। बातचीत में सन्तुलित भी रहें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है।

मीन — आत्मविश्वास तो भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत रहें। अपनी भावनाओं को वश में रखें। पिता का साथ मिलेगा। किसी रुके धन की प्राप्ति हो सकती है।

पश्चिम मध्य रेल

पत्र सं बिकी/1402/मु-भं/डब्ल्यू सी आर
ई-नीलामी/प्रोग्राम/2026-27, दिनांक 04.09.2026

विषय– अक्टूबर नवम्बर एवं दिसम्बर का ई-नीलामी कार्यक्रम।
अक्टूबर नबम्बर एवं दिसम्बर 2026 के दौरान विभिन्न लोकेशन मे मौजूद रददी माल की ई- नीलामी कार्यक्रम निम्न प्रकार है।

नीलामी का स्थान	सडिपुका भोपाल/	वैगन मरम्मत शॉपकोटा/	जबलपुर मंडल	भोपाल मंडल	कोटा मंडल
सम्बंधित व्यक्ति	उप मुख्य साम्र/ भोपाल (0755-2747414)	उप मुख्य साम्र/ कोटा (0744-2467082)	व/मं सा प्र/ जबलपुर (0761-2623491)	व/मं सा प्र भोपाल (0755-4001594)	व/म साम्र कोटा (0744-2487006)
नीलामी की तिथि अक्टूबर 2026	01.10.2026	03.10.2026	05.10.2026	06.10.2026	07.10.2026
	08.10.2026	09.10.2026	12.10.2026	13.10.2026	14.10.2026
	15.10.2026	16.10.2026	21.10.2026	22.10.2026	23.10.2026
	24.10.2026	26.10.2026	27.10.2026	28.10.2026	30.10.2026
नीलामी की तिथि नवम्बर 2026	02.11.2026	03.11.2026	04.11.2026	05.11.2026	06.11.2026
	10.11.2026	12.11.2026	13.11.2026	18.11.2026	17.11.2026
	16.11.2026	19.11.2026	20.11.2026	23.11.2026	25.11.2026
	21.11.2026	28.11.2026	26.11.2026	27.11.2026	30.11.2026
नीलामी की तिथि दिसम्बर 2026	01.12.2026	02.12.2026	03.12.2026	04.12.2026	07.12.2026
	08.12.2026	09.12.2026	10.12.2026	11.12.2026	15.12.2026
	14.12.2026	16.12.2026	17.12.2026	18.12.2026	21.12.2026
	22.12.2026	28.12.2026	29.12.2026	30.12.2026	31.12.2026

नीलामी आइटमः– अनुपयोगी रेल और अन्य पी-वे सामग्री कार्यालय से जारी सभी अनुपयोगी कास्ट आयरन् अनुपयोगी रोलिंग स्टॉक, नॉन फेरस एवं नॉन मेटॉलिक स्कैप, टर्निंग और बोरिंग., प्रयुक्त तेल, पेंट ड्रम,, अनुपयोगी मशीनरी प्लांट, अनुपयोगी वाहन, अनुपयोगी कार्यालय उपकरण, एमएस/जी आई पाइप फाउंड्री स्लैग और अन्य विविध स्कैप आदि।
(हस्ता.)
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/(बिक्री), पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर
स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल
पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला- रायपुर (छ.ग.)

// सर्व संबंधित को सूचना //

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन, 2006 (यथा - संशोधित) के तहत् सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि मेसर्स नूतन इस्पात एण्ड पॉवर प्राईवेट लिमिटेड, ग्राम- जरौदा, तहसील-धरसींवा, जिला - रायपुर (छ.ग.) द्वारा प्रस्तावित Expansion of Steel Plant DRI Kilns [Sponge Iron-60,000 TPA (2x100 TPD) to 2,90,000 TPA (2x100 TPD + 2x350 TPD)], Induction Furnaces (MS Ingots/ Billets / blooms) - 88,320 TPA to 3,96,000 (6x20 T) TPA, Rolling Mill (Re-rolled Products from direct Charging (85% Hot charge + 15% RHF)- 1,50,000 TPA to 3,50,000 TPA, existing Coal Gasifier- (2x6000 Nm³/hr) -12,000 Nm³/hr, Ferro Alloys Unit (2x6 MVA) FeSi- 9,760 TPA / FeMn- 14,520 TPA / SiMn- 19,530 TPA / Pig Iron- 33,600 TPA, Power Plant (WHRB- 04MW to 29MW, FBC to Biomass based Power Plant – 06MW to 21MW (New 15 MW Biomass based + Also conversion of existing 6.0 MW AFBC to biomass with Dolochar based), Proposed Briquetting Plant - 100 kg/Hr, Fly Ash Brick manufacturing unit - 20,000 nos./Day to 80,000 nos./Day and Slag crushing unit for metal Recovery- 10,000 TPA to 35,000 TPA के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् **लोक सुनवाई दिनांक 09/10/2026 को प्रातः 11:00 बजे से स्थान-खेल मैदान, खसरा नंबर 528, अटल चौक के पास, ग्राम जरौदा, तहसील- धरसींवा, जिला- रायपुर (छ.ग.)** में नियत की गई है। यह भी सूचित हो कि लोक सुनवाई के दौरान भारत सरकार, पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली के ऑफिस मेमोरेण्डम F.No.22-25/2020-IA.III दिनांक 14.09.2020 तथा कोरोना वाईरस के नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु शासन द्वारा जारी समस्त दिशा-निर्देशों का अक्षरश पालन कराया जाना अनिवार्य होगा।

ई.आई.ए. नोटिफिकेशन, 14 सितम्बर, 2006 (यथा - संशोधित) के अनुसार संबंधित व्यक्तियों के अवलोकन / पठन हेतु ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा तथा सी.डी. (साफ्ट कॉपी) डायरेक्टर, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जोर बाग रोड, नई दिल्ली, वैज्ञानिक 'ई' भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला - रायपुर (छ.ग.), कार्यालय कलेक्टर रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत रायपुर, जिला- रायपुर (छ.ग.), मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, जिला- रायपुर (छ.ग.), मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत-धरसींवा, जिला - रायपुर (छ.ग.), कार्यालय सरपंच / सचिव, ग्राम पंचायत जरौदा, तहसील- धरसींवा, जिला - रायपुर, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, न्यू ऑफिस बिल्डिंग, रिंग रोड़ नं.- 2, टाटीबंध, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर, जिला - रायपुर (छ.ग.) में रखी गई है।

सदस्य सचिव
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल,
नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.)

Office of Municipal Council Kanker, Dist. - Uttar Bastar Kanker (C.G.)

S.No./858/NPP/2026 KANKER, DATE 08.09.2026

:: संशोधित ई-टेंडर सूचना ::

ई-टेंडर पत्र क्र. 849/ 850/ न.पा.प./ 2026 दिनांक 07.09.2026 जारी ई-टेंडर सिस्टम क्रमांक 198945 एवं 198924 का आमंत्रण सूचना समाचार पत्र दैनिक भास्कर एवं हरिभूमि में प्रकाशन दिनांक 08.09.2026 में टेण्डर डाउनलोड करने की अंतिम तिथि **त्रुटिवश 28.08.2026** समय 5.30 अपरान्ह अंकित हो गया है जिसमें **संशोधित** कर टेण्डर डाउनलोड की अंतिम तिथि **28.09.2026** समय 5.30 अपरान्ह पढ़ा एवं समझा जावे।

http://eproc.cgstate.gov.in

Chief Municipal Officer
Municipal Council Kanker

Home First Finance Company India Limited — कब्जा सूचना
CIN: L65990MH2010PLC240703 Website: homefirstindia.com
Phone No.: 180030008425 Email ID: loanfirst@homefirstindia.com

संदर्भ: सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के उप-नियम (1) के तहत कब्जा नोटिस

चूंकि अधोहस्ताक्षरी, होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड के अधिकृत अधिकारी होने के नाते, वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण एवं सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (2002 के अधिनियम संख्या 54) के तहत नीचे दी गई संबंधित तिथियों पर जारी मांग सूचना के अनुसरण में एवं सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(2) के तहत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आप/उधारकर्ताओं, अधोनामों से संबंधित नोटिस प्राप्त होने की तिथि से 60 दिनों के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने का आह्वान करते हैं। आप/सभी ऋणधारक निर्धारित समय के अंदर उक्त बकाया राशि का भुगतान करने में विफल रहे हैं, इसलिए होम फर्स्ट फाइनेंस कंपनी इंडिया लिमिटेड, सरफेसी अधिनियम, 2002 की धारा 13 की उपधारा (4) के प्रावधानों के तहत प्रदत अधिकार का प्रयोग करते हुए और उसके अंतर्गत नियमों का पालन करते हुए, नीचे उल्लिखित गिरवी संपत्तियों पर कब्जा कर लिया है:

क्र. सं.	ऋणधारकों / सह-ऋणधारकों/ जमानतदारों के नाम	बंधक रखी गई संपत्ति का विवरण	मांग सूचना की तिथि	मांग सूचना की तिथि को कुल बकाया राशि (रूपये में)	कब्जा की तिथि
1.	नोकेश कुमार देशमुख, नेहा देशमुख,	प्लॉट- प.ह.नं. 28, प्लॉट नंबर 08, खसरा नंबर- 615/1; प.ह. नंबर- 24; ग्राम-अंजोरा, प्लॉट नंबर- 08, ग्राम पंचायत अंजोरा, तहसील एवं जिला- दुर्ग (छत्तीसगढ़), दुर्ग, छत्तीसगढ़-491001। चौहद्दी: पूर्व - अन्य का प्लॉट, पश्चिम- सड़क, उत्तर - प्लॉट नंबर-09, दक्षिण -प्लॉट नंबर-07।	04-07-2026	1,113,127	05-09-2026

ऋणधारक द्वारा राशि का भुगतान न कर पाने की स्थिति में, ऋणधारक/जमानतदार तथा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के नियम 8 के तहत प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उपरोक्त तिथि से अधोहस्ताक्षरी ने उपर्युक्त वर्णित संपत्ति पर कब्जा कर लिया है।

ऋणधारकों/जमानतदारों तथा आम जनता को चेतावनी दी जाती है कि वे उपरोक्त संदर्भित संपत्तियों/प्रतिभ

खबर संक्षेप



सोना 2,150 रुपए टूटा चांदी 600 रुपए महंगी हुई

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में कमजोरी के रुख के बीच राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमतों में लगातार दूसरे दिन गिरावट आई और यह 2,150 रुपये टूटकर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,150 रुपये टूटकर 1,58,100 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) रह गई। हालांकि, पिछले दो सत्र में स्थिर रहने के बाद चांदी की कीमतों में फिर से तेजी आई और यह 600 रुपये बढ़कर 2,41,100 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) हो गई।

रेज ऑफ बिलीफ के शेयर निर्गम मूल्य पर सूचीबद्ध



नई दिल्ली। मॉम्स बिलीफ ब्रांड के तहत कारोबार करने वाली रेज ऑफ बिलीफ लिमिटेड के शेयर ने मंगलवार को बाजार में धीमी शुरुआत की और 239 रुपये के निर्गम मूल्य पर ही सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का शेयर बीएसई और एनएसई दोनों पर 239 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। बाद में बीएसई पर शेयर 4.18 प्रतिशत की गिरावट के साथ 229 रुपये पर आ गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 476.77 करोड़ रुपये रहा।रेज ऑफ बिलीफ लिमिटेड के आईपीओ को बृहस्पतिवार को बोली के अंतिम दिन करीब 108 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 227-239 रुपये प्रति शेयर तय किया गया था।

भारत में नियुक्तियों की धारणा वैश्विक स्तर पर सबसे मजबूत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत में नियुक्तियों को लेकर धारणा इस साल अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में दुनिया में सबसे मजबूत है और बड़ी संख्या में नियोक्ता इस दौरान कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। एक रिपोर्ट में मंगलवार को यह कहा गया। मैनपावरग्रुप के नवीनतम रोजगार परिदृश्य सर्वेक्षण के अनुसार, इस साल की अंतिम तिमाही में भारत में रोजगार परिदृश्य मजबूत हुआ है। इसकी मुख्य वजह कंपनियों का विस्तार है जबकि कर्मचारियों की संख्या घटाने की संभावित वजहों में स्वचालन, प्रौद्योगिकी और आर्थिक चुनौतियां प्रमुख हैं। वैश्विक स्तर पर रोजगार परिदृश्य के मामले में भारत सबसे आगे है और उसका स्तर वैश्विक औसत से 25 अंक अधिक है। सूची में शामिल अन्य देशों में ब्राजील (53 प्रतिशत), पनामा (49 प्रतिशत), मेक्सिको (41 प्रतिशत), संयुक्त अरब अमीरात (41 प्रतिशत) और पेरू (40 प्रतिशत) हैं। भारत में करीब 70 प्रतिशत नियोक्ता बदलती भूमिकाओं और कौशल की बदलती मांग के अनुरूप नियुक्तियां कर रहे हैं। वैश्विक क्षमता केंद्रों के लगातार विस्तार के साथ वित्त एवं बीमा तथा आतिथ्य जैसे क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि से प्रतिभाओं की लगातार मांग बनी हुई है। गुलाटी ने कहा, ''नियोक्ता कृत्रिम मेधा (एआई) के कारण कार्यबल में बदलाव, कौशल की कमी और उम्मीदवारों की अपेक्षाओं में असंगति जैसी चुनौतियों से जूझ रहे हैं, लेकिन कुल मिलाकर रोजगार परिदृश्य भरोसेमंद और उद्देश्यपूर्ण वृद्धि का बना हुआ है।''

मैनपावरग्रुप के नवीनतम रोजगार परिदृश्य सर्वेक्षण की रिपोर्ट

नियोक्ता कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने योजना बना रहें

भारत में करीब 65 प्रतिशत नियोक्ता अक्टूबर से दिसंबर के बीच कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने की योजना बना रहे हैं, जबकि 11 प्रतिशत इसमें कमी की उम्मीद कर रहे हैं। सर्वेक्षण में शामिल 24 प्रतिशत नियोक्ताओं का मानना है कि कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं होगा।

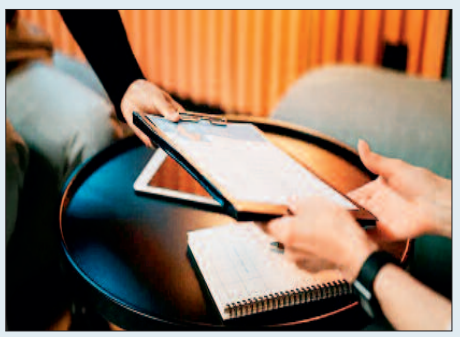

भारत में नियोक्ताओं का भरोसा मजबूत हो रहा

मैनपावरग्रुप के भारत एवं पश्चिम एशिया के प्रबंध निदेशक संदीप गुलाटी ने कहा, ''2026 की चौथी तिमाही की ओर बढ़ते हुए भारत में नियोक्ताओं का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। शुद्ध रोजगार परिदृश्य छह अंक बढ़कर 54 प्रतिशत हो गया है, जो पिछली तिमाही से छह अंक और पिछले साल इसी समय से 11 अंक अधिक है।''

पश्चिम एशिया तनाव बढ़ने से कच्चा तेल 100 डॉलर के करीब पहुंचा

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से भारत के आयात बिल और महंगाई पर दबाव बढ़ा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंचने से भारत के तेल आयात बिल, रुपये और महंगाई पर दबाव बढ़ने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव दो प्रतिशत से अधिक बढ़कर करीब 99 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) करीब तीन प्रतिशत बढ़कर 94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक एवं उपभोक्ता देश है तथा अपनी जरूरत का 88 प्रतिशत से अधिक कच्चा तेल आयात करता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय कीमतों में लंबे समय तक बढ़ोतरी से देश का डॉलर में होने वाला आयात बिल बढ़ने के साथ व्यापार संतुलन और रुपये पर दबाव पड़ सकता है।

- ब्रेंट क्रूड का वायदा भाव दो प्रतिशत बढ़कर 99 डॉलर प्रति बैरल



ऊंची कीमतों का असर परिवहन व महंगाई पर

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों का असर ईंधन, परिवहन और अन्य ऊर्जा लागत के जरिये घरेलू महंगाई पर भी पड़ सकता है। पेट्रोलियम मंत्रालय के पेट्रोलियम नियोजन एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) के अनुसार, अप्रैल-जुलाई में भारत का कच्चे तेल का आयात बिल 56 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 63.4 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 40.5 अरब डॉलर था।

भारत के आयात की औसत कीमत 100.75 डॉलर पहुंची

पीपीएसी के मुताबिक, भारत के कच्चे तेल के आयात की औसत कीमत सितंबर में औसतन 100.75 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गई है, जो अगस्त में 90.19 डॉलर और जुलाई में 82.04 डॉलर प्रति बैरल थी। सात सितंबर को इसकी कीमत 106.26 डॉलर प्रति बैरल रही।

धमकी से आपूर्ति जोखिम में पड़ सकती है

रेटिंग एजेंसी इक्रा लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं कॉरपोरेट रेटिंग्स के सह-समूह प्रमुख प्रशांत वशिष्ट ने कहा, ''ईरान और अमेरिका के बीच तनाव फिर बढ़ने से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते आने वाली सीमित कच्चे तेल की आपूर्ति के सामने चुनौती पैदा हुई है। ईरान की ओर से जलडमरूमध्य से आगे नया प्रतिबंधित समुद्री क्षेत्र बनाने की धमकी से अतिरिक्त ऊर्जा आपूर्ति भी जोखिम में पड़ सकती है।''

एलपीजी पर 200 रुपए सिलेंडर का बोझ बढ़ सकता है

वशिष्ट ने कहा कि कच्चे तेल के दाम में हाल की तेजी से वाहन ईंधन बेचने वाली कंपनियों का मार्जिन नकारात्मक हो सकता है और घरेलू एलपीजी पर लागत से कम कीमत पर बिक्री का मौजूदा करीब 200 रुपये प्रति सिलेंडर का बोझ बढ़ सकता है। फिलहाल पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें तीन महीने से अधिक समय से स्थिर हैं। इनके दाम आखिरी बार 25 मई को बढ़े थे।

कंपनियों के मार्जिन पर पड़ सकता है दबाव

कच्चे तेल की बढ़ी कीमतों से सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों के मार्जिन पर भी दबाव बढ़ सकता है। ये कंपनियां अंतरराष्ट्रीय कीमतों में पिछली बढ़ोतरी का पूरा बोझ ग्राहकों पर नहीं डाल पाने के कारण पहले ही नुकसान से जूझ रही हैं। इस बीच, पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण तेल की वैश्विक आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य से आवाजाही धीमी हो गई है।

पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति घटी

इस मार्ग से अमूमन वैश्विक तेल और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) आपूर्ति का करीब पांचवां हिस्सा गुजरता है। संघर्ष के बीच पश्चिम एशिया से तेल की आपूर्ति घटकर करीब 1.1 करोड़ बैरल प्रतिदिन रह गई है, जो पहले करीब 1.8 करोड़ बैरल प्रतिदिन थी।

सैमसंग इंडिया ने शुरू की छंटनी



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मोबाइल फोन और उपभोक्ता उपकरण क्षेत्र की प्रमुख कंपनी सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रॉनिक्स ने मध्य से वरिष्ठ स्तर के 8-10 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। उद्योग सूत्रों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि बढ़ती लागत तथा कमजोर उपभोक्ता मांग के बीच लागत युक्तिकरण की कवायद के तहत आने वाले सप्ताहों में 40-50 अन्य कर्मचारियों को हटाने की योजना है। सूत्रों ने बताया कि यह छंटनी सैमसंग इंडिया के उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स (सीई) डिविजन में की जा रही है, जिसके अंतर्गत टेलीविजन, डिजिटल उपकरण और घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबार आते हैं। उद्योग सूत्रों ने बताया कि पहले चरण में कंपनी ने सीई डिविजन से महाप्रबंधक, टीम नेतृत्वकर्ता और ब्रांच/एरिया मैनेजर से लेकर निदेशक स्तर तक के लगभग 8-10 कर्मचारियों को हटाया है। दूसरे दौर में, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया 40 से 50 अन्य लोगों की छंटनी कर सकती है। इस कदम का मकसद कार्यबल को संतुलित करना और दक्षता बढ़ाना है, क्योंकि सैमसंग इंडिया को इस क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बीच सीई कारोबार में प्रतिद्वंद्वी कोरियाई और चीनी कंपनियों से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

- वरिष्ठ स्तर पर कार्यबल में कटौती, 8 से 10 को निकाल

फिनटेक क्षेत्र अब यूपीआई का वैश्विक विस्तार करे : मोदी

एजेंसी ▶▶| मुंबई



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को फिनटेक क्षेत्र से एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई) की वैश्विक पहुंच बढ़ाने, इसे अन्य देशों की स्थानीय भुगतान प्रणालियों से जोड़ने और प्रवासी भारतीयों के लिए पैसा भेजने की लागत कम करने में मदद करने का आह्वान किया। मोदी ने यहां वैश्विक फिनटेक सम्मेलन के सातवें संस्करण के उद्घाटन के बाद अपने संबोधन में कहा कि यूपीआई मंच अब 11 देशों में काम कर रहा है और इसे सिंगापुर की स्थानीय भुगतान प्रणाली से भी जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री ने फिनटेक (वित्तीय प्रौद्योगिकी) क्षेत्र से पिछले एक दशक की उपलब्धियों पर संतुष्ट होकर रुकने के बजाय यूपीआई की पहुंच को और व्यापक बनाने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ने को कहा। पिछले एक दशक में यूपीआई देशभर में वास्तविक समय में भुगतान का व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाला मंच बन गया है। पीएम ने कहा कि ध्यान उन देशों पर होना चाहिए जहां बड़ी संख्या में प्रवासी भारतीय रहते हैं, भारत के साथ व्यापार की मात्रा अधिक है या जो भुगतान प्रणालियों को जोड़ने में भारत के साथ साझेदारी करने के इच्छुक हैं।

- यूपीआई मंच अब 11 देशों में काम कर रहा

कच्चे तेल के दाम में तेजी से सेंसेक्स 555 अंक लुढ़का

एजेंसी ▶▶| मुंबई

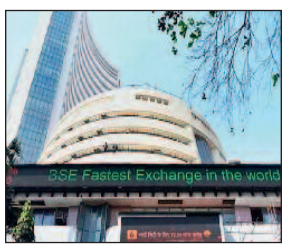

घरेलू शेयर बाजार में मंगलवार को गिरावट का सिलसिला लगातार दूसरे दिन जारी रहा और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। जहां बीएसई सेंसेक्स 555 अंक लुढ़क गया, वहीं एनएसई निफ्टी 144 अंक टूटा। कच्चे तेल के दाम में तेजी और अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बने रहने से निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई।

आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे प्रमुख शेयरों में बिकवाली से भी बाजार पर दबाव बढ़ा। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 555.23 अंक यानी 0.73 प्रतिशत टूटकर 75,577.58 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 579.46 अंक तक लुढ़क गया था। इसी तरह, एनएसई निफ्टी 144.05 अंक यानी 0.61 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,635.10 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, कोटक महिंद्रा बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक में प्रमुख रूप से गिरावट रही। दूसरी ओर लाभ में रहने वाले शेयरों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, अदाणी पोर्ट्स, हिंदुस्तान यूनिलीवर और इंटरग्लोब एविएशन शामिल हैं।

- निवेशकों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हुई

वैश्विक अनिश्चितता से बाजार में गिरावट

एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर ने कहा, ''भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुए। कच्चे तेल की ऊंची कीमत और लगातार बनी वैश्विक अनिश्चितता से निवेशकों की धारणा प्रभावित होने के कारण बाजार में गिरावट जारी रही और यह सात सप्ताह के निचले स्तर पर पहुंच गया। पूरे कारोबारी सत्र के दौरान बिकवाली का दबाव बना रहा।''

एनएसई का आईपीओ 18 सितंबर को आने की उम्मीद

कोलकाता। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का करीब 30,000 करोड़ रुपये का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) 18 सितंबर को खुल सकता है। एनएसई का शेयर 25 सितंबर को बाजार में सूचीबद्ध होने की संभावना है। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, आईपीओ का मूल्य दायरा 15 सितंबर को घोषित किए जाने की संभावना है, जबकि एंकर (बड़े) निवेशक 17 सितंबर को शेयरों के लिए बोली लगा सकेंगे। इस सार्वजनिक निर्गम के 18 सितंबर, 21 सितंबर और 22 सितंबर को खुला रहने की संभावना है। हालांकि, इस निर्गम की समय-सारणी को लेकर शेयर बाजार की ओर से फिलहाल कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। सूत्रों ने बताया कि करीब 30,000 करोड़ रुपये का यह आईपीओ वर्ष 2024 में आए हुंडई मोटर इंडिया के 27,870 करोड़ रुपये के निर्गम को पीछे छोड़कर देश का सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम बन सकता है।

सुजलॉन को अयाना रिन्यूएबल से मिला 200 मेगावाट का ठेका

नई दिल्ली। सुजलॉन को अयाना रिन्यूएबल पावर लिमिटेड से मध्य प्रदेश में 200 मेगावाट की पवन ऊर्जा परियोजना का ठेका मिला है। यह मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में कंपनी का तीसरा पवन ऊर्जा ठेका है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि परियोजना के तहत मध्य प्रदेश के लिम्बावास में उसकी 3.15 मेगावाट क्षमता वाली एस144 पवन टर्बाइन की 64 इकाइयां लगाई जाएंगी। इस ठेके के साथ सुजलॉन के तीन मेगावाट प्लेटफॉर्म ने 10 गीगावाट क्षमता का आंकड़ा पार कर लिया है। परियोजना से पैदा होने वाली बिजली को मध्य प्रदेश पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड (एमपीपीसीएल) के राज्य ग्रिड से जोड़ा जाएगा।







यूएस ओपन

नंबर-1 बनने से महज एक कदम दूर रायबाकिना



एजेंसी ▶▶| न्यूयॉर्क

एलेना रायबाकिना ने नाओमी ओसाका को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया और अब वह विश्व की नंबर एक महिला खिलाड़ी बनने से केवल एक जीत दूर हैं। उन्हें अब रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंचने के लिए झेंग किनवेन को हराना है, जो आसान नहीं होगा। रायबाकिना ने चौथे दौर में ओसाका के खिलाफ 6-1, 6-4 से जीत हासिल की। दूसरी वरीयता प्राप्त रायबाकिना सेमीफाइनल में जगह बनाने पर एरीना सबालेंका को पछाड़कर डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर पहुंच जाएंगी।

पहली बार यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में कोको

इस बीच कोको गॉफ ने नंबर 14 इवा जोविच को 6-1, 6-4 से हराकर 2023 में खिताब जीतने के बाद पहली बार यूएस ओपन क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। इस चौथी वरीयता प्राप्त खिलाड़ी का सामना फ्रेंच ओपन चैंपियन और यहां पांचवीं वरीयता प्राप्त मीरा एंड्रीवा से होगा, जिन्होंने 24वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अनास्तासिया पोटापोवा को 5-7, 6-4, 6-3 से हराया।

ज्वेरेव ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

यूएस ओपन में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव का शानदार प्रदर्शन जारी है। ज्वेरेव ने इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-2, 6-2, 7-6(3) से हराकर हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। ज्वेरेव ने अपनी सर्व और हैवी बेसलाइन हिटिंग का इस्तेमाल करके डार्डेरी पर लगातार दबाव बनाए रखा। यहां तक कि जब 21वें सीड वाले डार्डेरी ने शुरुआती सेट में देर से अपनी सर्व टेस्ट की, तब भी ज्वेरेव ने दूसरे सेट में एक और गियर ढूंढने से पहले मजबूती से पकड़ बनाए रखी। डार्डेरी तीसरे सेट में उस रिदम को तोड़ने में कामयाब रहे। ज्वेरेव ने धैर्य बनाए रखा और अहम मौकों पर नियंत्रण के साथ खेला तीसरा सेट भी अपने नाम किया। जीत के साथ ही एलेक्जेंडर ज्वेरेव सभी चार ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले अकेले खिलाड़ी बन गए हैं।

शानदार फॉर्म का कमाल, टॉप-5 में जमीं स्मृति, टी20 रैंकिंग में दबदबा

एजेंसी ▶▶| दुबई

भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने हांगकांग के खिलाफ महिला एशिया कप के मुकाबले में 124 रन की शानदार पारी के बाद आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पांच में अपनी स्थिति और मजबूत कर ली।

मंधाना ने 64 गेंदों में 124 रन बनाए। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने हांगकांग को 137 रन से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस दौरान मंधाना ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की। वह सभी प्रारुपों को मिलाकर महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गईं। उनके नाम अब 10,880 रन हैं और उन्होंने भारत की पूर्व कप्तान मिताली राज के 10,868 रन के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा। यह मंधाना का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18वां शतक भी था। इसके साथ ही वह महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक शतक लगाने वाली बल्लेबाजों की सूची में सबसे आगे निकल गईं। टी20 रैंकिंग में मंदाना पांचवें स्थान पर कायम हैं।



दीप्ति ने लगाई दो पायदान की छलांग

भारतीय ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में दो पायदान की छलांग लगाई है। वह गेंदबाजों की रैंकिंग में अब छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। उन्हें बल्ले और गेंद दोनों से उनके अच्छे प्रदर्शन का फायदा मिला है। हरफनमौला खिलाड़ियों की रैंकिंग में दीप्ति पांचवें स्थान पर बनी हुई हैं। एशिया कप में भारत के लिए उनके लगातार अच्छे प्रदर्शन से टीम में उनकी अहम भूमिका भी साफ होती है। यूएई की कप्तान ईशा ओझा एसोसिएट देशों की प्रमुख खिलाड़ियों में अपनी स्थिति लगातार मजबूत कर रही हैं। वह टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में 39वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि हरफनमौला खिलाड़ियों की रैंकिंग में शीर्ष 20 में जगह बनाने से वह मामूली अंतर से चूक गई।

दलीप ट्रॉफी फाइनल : कप्तान तिलक अर्धशतक लगाकर नाबाद, पडिक्कल ने बनाए 62 रन

ईस्ट जोन के 708 रनों के जवाब में साउथ जोन संघर्षरत, गिरे 6 विकेट

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

ईस्ट जोन ने दलीप ट्रॉफी के फाइनल मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। पहली पारी में 708 रन बनाने के बाद इस टीम ने तीसरे दिन की समाप्ति तक 242 के स्कोर तक साउथ जोन के 6 विकेट हासिल कर लिए हैं। फिलहाल, साउथ जोन की टीम ईस्ट जोन से 466 रन पीछे है। एमए चिदंबरम स्टेडियम में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रनों का विशाल स्कोर बनाया।

- साउथ जोन की टीम ईस्ट जोन से 466 रन पीछे
- शमी ने 11 ओवर में 17 रन देकर चटकाए 2 विकेट

साउथ जोन ने तीसरे दिन की समाप्ति तक 80 ओवरों का सामना किया, जिसमें 6 विकेट खोकर 242 रन जुटाए। इस टीम ने 10 के स्कोर पर रिकी भुई (1) का विकेट गंवा दिया था, जिसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने नारायण जगदीशन के साथ दूसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 70 के स्कोर तक पहुंचा दिया।



तिलक वर्मा ने लगाई फिफ्टी

आर स्मरण 23 रन बनाने के बाद शमी के दूसरे शिकार हो गए. इससे 174 के स्कोर पर साउथ जोन की आधी टीम पवेलियन लौट गई। ऐसे में तिलक ने एक छोर थामा और दूसरी तरफ से श्रेयस गोपाल ने उनका साथ दिया। इन दोनों ने मिलकर सेमीफाइनल में भी साउथ जोन को मजबूत स्थिति में पहुंचाया था। मगर फाइनल में ऐसा हो न सका। कुरैशी ने गोपाल (26) को अपनी ही गेंद पर लपककर वापस भेजा। इस बीच तिलक ने अर्धशतक पूरा किया। वे 133 गेंद खेल चुके हैं और 56 रन बनाकर खेल रहे हैं। अभी साउथ जोन को फॉलोऑन का खतरा भी मंडरा रहा है।

शमी की कमाल की बॉलिंग

ईस्ट जोन के लिए मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार को 2-2 विकेट हाथ लगे। इनके अलावा, कौनेन कुरैशी और शिखर मोहन ने 1-1 विकेट चटकाया। शमी ने कमाल की बॉलिंग की। उन्होंने 11 ओवर डाले और चार मेडन के साथ 17 रन देकर दो विकेट लिए।

129 के स्कोर पर गंवाए 4 विकेट

टीम ने 129 के स्कोर तक अपने 4 विकेट गंवा दिए थे, जिसके बाद कप्तान तिलक वर्मा ने मोर्चा संभालते हुए स्मरण रविचंद्रन (23) के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन और श्रेयस गोपाल (26) के साथ छठे विकेट के लिए 66 रन जुटाकर टीम को 200 के पार पहुंचा दिया।

पडिक्कल अर्धशतक बनाकर लौटे

पडिक्कल ने अच्छी फॉर्म जारी रखते हुए अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने भारत की तरफ से श्रीलंका दौरे पर दोनों टेस्ट में दो शतक बनाए थे। हालांकि दलीप ट्रॉफी फाइनल में वे शतक नहीं बना सके। मुकेश ने उनकी पारी का अंत किया। पडिक्कल ने 104 गेंद खेली और चार चौकों से 62 रन बनाए।

चैपमैन ने किया कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट



ऑकलैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में खेलने के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ औपचारिक केंद्रीय अनुबंध के बजाय 'कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट' का विकल्प चुना है लेकिन वह भारत के खिलाफ आगामी घरेलू श्रृंखला के लिए उपलब्ध रहेंगे। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने चैपमैन के इस फैसले की घोषणा की। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने कहा, 'चैपमैन भारतीय टीम के दौरे के लिए चयन के लिए उपलब्ध हैं। इसके साथ ही फिन एलन, लॉकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्ने और टिम सीफर्ट सहित चार अन्य 'कैजुअल कॉन्ट्रैक्ट' वाले खिलाड़ी भी उपलब्ध रहेंगे।'

ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस की कमान संभालेंगे वार्नर

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को 'वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल)' के तीसरे सत्र के लिए ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम का कप्तान नियुक्त किया गया। टीम का सह-स्वामित्व अब ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के पास है।



तीसरे सत्र से पहले आयोजित एक कार्यक्रम में टीम ने अपनी नई पहचान का अनावरण किया। इसी दौरान पोंटिंग को पुणे के रहने वाले पुनीत सिंह के साथ फ्रेंचाइजी का सह-मालिक घोषित किया गया।

खबर संक्षेप



भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया

मोकी। कप्तान अनमोल एक्का के दो गोल की मदद से भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से करारी शिकस्त देकर जूनियर एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंचने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। मैच के पहले तीन क्वार्टर में मुकाबला बराबरी पर रहा लेकिन मौजूदा चैंपियन भारतीय टीम ने चौथे और अंतिम क्वार्टर में तीन गोल करके दक्षिण कोरिया को पस्त कर दिया। इस जीत के साथ भारत के तीन मैचों में सात अंक हो गए हैं, जिनमें दो जीत और एक ड्रॉ शामिल है। भारत बुधवार को अपने आखिरी पूल मैच में चीनी ताइपे का सामना करेगा। इस मैच में जीत से उसकी सेमीफाइनल में जगह पक्की हो जाएगी।

दिल्ली हाफ मैराथन में हिस्सा लेंगे लेगेसे और चेप्टाई

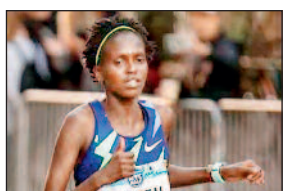

नई दिल्ली। इथोपिया के बिरहानु लेगेसे और कीनिया की इरीन चेप्टाई 18 अक्टूबर को होने वाली 21वीं दिल्ली हाफ मैराथन की एलीट स्पर्धा में मुख्य आकर्षण होंगे। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रोड रेस में दुनिया के लंबी दूरी के कई दिग्गज धावक हिस्सा लेंगे। प्रतियोगिता में कुल 2 लाख 75 हजार 732 डॉलर की इनामी राशि दांव पर होगी। प्रत्येक वर्ग के विजेता को 27 हजार डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। पुरुष और महिला दोनों वर्गों में 10वें स्थान तक रहने वाले धावकों को पुरस्कार राशि दी जाएगी।

विश्व तीरंदाजी पैरा सीरीज : भारत ने दो गोल्ड समेत जीते पांच पदक

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

भारतीय तीरंदाजों ने पैरा तीरंदाजी विश्व सीरीज के समापन से एक दिन पहले शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक अपने नाम किए। पुरुषों की कंपाउंड और रिकर्व टीमों ने स्वर्ण पदक जीते, जबकि स्वाति चौधरी ने एक ही दिन में दो पदक हासिल किए। मौजूदा विश्व चैंपियन तोमन कुमार और श्याम सुंदर स्वामी की पुरुष कंपाउंड जोड़ी ने इराक को 152-139 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। वहीं, दो बार के पैरालंपिक पदक विजेता हरविंदर सिंह और विजय सुंडी की रिकर्व जोड़ी ने स्लोवाकिया को 6-2 से पराजित कर शीर्ष स्थान हासिल किया।

स्वाति ने हासिल किए दो पदक

महिला रिकर्व टीम में भावना और पूजा को रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को फाइनल में चीन के हाथों 0-6 (23-34, 33-35, 30-31) से हार मिली। स्वाति चौधरी और आदिल मोहम्मद नजीर अंसारी ने मिश्रित टीम डब्ल्यू-1 (रिकर्व/कंपाउंड) स्पर्धा में रजत पदक जीता। स्वाति ने व्यक्तिगत डब्ल्यू-1 वर्ग में कांस्य पदक भी अपने नाम किया। उन्होंने व्यक्तिगत तटस्थ एथलीट (एआईएन) के झंडे के तहत खेल रही रूस की एलेना क्रुतोवा को 6-2 से हराया। इस तरह स्वाति ने एक ही दिन में रजत और कांस्य, दोनों पदक हासिल किए।



कंपाउंड टीम में स्वामी और तोमन ने जीता गोल्ड

स्वामी और तोमन ने पुरुष कंपाउंड टीम स्पर्धा के फाइनल में इराक के अब्बास कादिम और अनवर अलदावोद को हराकर स्वर्ण पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने धीमी शुरुआत की, लेकिन इसके बाद जल्द ही लय हासिल कर ली और फिर उसे जीत दर्ज करने में कोई परेशानी नहीं हुई। हरविंदर और सुंडी ने पहले सेट में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए स्लोवाकिया के डेविड इवान और डेनिस इवान को 6-2 (34-37, 36-31, 38-34, 35-31) से हराया।

अंडर-19 टीम में शामिल सवसानी और बलोदा

नई दिल्ली। सौराष्ट्र के आर्यन सवसानी और हरियाणा के तन्मय बलोदा को उम्र में धोखाधड़ी के मामले में बाहर किए गए रोहित यादव के स्थान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस महीने के आखिर में होने वाली श्रृंखला के लिए भारत की अंडर-19 टीम में शामिल किया गया। बीसीसीआई ने कहा कि सवसानी और बलोदा क्रमशः एकदिवसीय और बहुदिवसीय भारतीय टीमों में यादव की जगह लेंगे। बीसीसीआई ने बताया, 'जूनियर चयन समिति ने सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन के आर्यन सवसानी को रोहित यादव के स्थान पर भारत की अंडर-19 वनडे टीम में, जबकि हरियाणा क्रिकेट एसोसिएशन के तन्मय बलोदा को बहुदिवसीय टीम में शामिल किया है।' भारत अंडर-19 टीम राजकोट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैच और पहला बहुदिवसीय मैच खेलेगी, जबकि दूसरा बहुदिवसीय मैच अहमदाबाद में खेला जाएगा। तीनों एकदिवसीय मैच क्रमशः 18, 21 और 23 सितंबर को, जबकि दो बहुदिवसीय मैच 27 से 30 सितंबर और पांच से आठ अक्टूबर को खेले जाएंगे।

फ्लेमिंग को टीम इंडिया के खिलाफ जापान की कमान

22 सितंबर को सानो में ऐतिहासिक टी20 मैच

एजेंसी ▶▶| दुबई

जापान की तरफ से सर्वाधिक रन बनाने वाले केंडेल कादोवाकी फ्लेमिंग 22 सितंबर को सानो में भारत के खिलाफ होने वाले ऐतिहासिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में अपने देश की कप्तानी करेंगे। इस मैच में जापान ने वही टीम उतारने का फैसला किया है, जो आइची-नागोया में एशियाई खेलों में खेलेगी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बताया कि जापान की टीम में इब्राहिम ताकाहाशी और डेक्लन सुजुकी मैककॉम्ब अन्य दो खिलाड़ी हैं, जिन्हें 50 से अधिक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में खेलने का अनुभव है। इस टूर्नामेंट का आयोजन भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में किया जा रहा है।



कादोवाकी ने खेलें 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच

आईसीसी ने कहा, ' जापान ने एशियाई खेलों की तैयारी को ध्यान में रखते हुए उन खिलाड़ियों को टीम में शामिल नहीं करने का फैसला किया है, जो आईसीसी नियमों के तहत टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने के योग्य हैं लेकिन एशियाई खेलों के नियमों के तहत अयोग्य हैं।' तीस वर्षीय कादोवाकी फ्लेमिंग ने अब तक 55 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 139.41 के स्ट्राइक रेट से 1871 रन बनाए हैं। उनके नाम पर दो शतक और 12 अर्धशतक दर्ज हैं।

महिला जूनियर हॉकी एशिया कप : 9 अंक के साथ शीर्ष पर टीम इंडिया

क्वार्टर फाइनल में भारत, जापान को दी करारी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| मोकी

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एशिया कप में अपना दबदबा बरकरार रखते हुए अपने तीसरे एलीट पूल मैच में जापान को 7-0 से करारी शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली। इस जीत से भारत के तीन मैचों में नौ अंक हो गए हैं और वह अभी एलीट पूल में शीर्ष पर है। भारत बुधवार को पूल के अपने आखिरी मैच में चीन का सामना करेगा, जिससे पूल में शीर्ष स्थान पर रहने वाली टीम का निर्धारण होगा। चीन के अभी दो मैचों में छह अंक हैं।

कोरिया के खिलाफ 4-1 की जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने और फिर मलेशिया के खिलाफ 11-1 से बड़ी जीत दर्ज करने वाली भारतीय टीम ने जापान के खिलाफ मुकाबले में अपनी आक्रामक लय को बरकरार रखा और शुरुआत से ही खेल पर नियंत्रण बना लिया।



भारत ने बनाए रखा अपना दबदबा

भारत के शुरुआती दबाव का फायदा उसे पांचवें मिनट में मिला जब कृष्णा शर्मा ने गोल दागकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। भारत को नौवें मिनट में जापानी डिफेंडर के सर्कल के अंदर फाउल करने से पेनल्टी मिली। सुप्रिया ने इसे गोल में बदलकर भारत को 2-0 से आगे कर दिया। भारत ने अपना दबदबा बनाए रखते हुए पहले क्वार्टर के आखिरी क्षणों में तीसरा गोल दागा। पूर्णिमा यादव ने 14वें मिनट में मैदानी गोल किया जिससे भारत ने पहले क्वार्टर में 3-0 की अच्छी बढ़त हासिल कर ली। दूसरे क्वार्टर में जापान ने अधिक आक्रामक रुख अपनाया और मैच में वापसी की कोशिश की। भारत ने भी अपनी बढ़त मजबूत करने की कोशिश की लेकिन दोनों में से कोई भी टीम इस क्वार्टर में गोल नहीं कर सकी। इस तरह से भारत हाफटाइम तक 3-0 से आगे था।

भारतीय रक्षापंक्ति के सामने नहीं चली जापान की

जापान ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में भी आक्रमण को प्राथमिकता दी लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति के सामने उसकी एक नहीं चली। इसके बाद भारत ने पांच मिनट के भीतर तीन गोल दाग दिए। गीता यादव ने 41वें मिनट में मैदानी गोल दागकर स्कोर 4-0 कर दिया। गीता ने 45वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। इसके तुरंत बाद पूर्णिमा ने भी अपना दूसरा गोल किया और तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत को 6-0 की बढ़त दिला दी। भारतीय टीम ने अंतिम क्वार्टर में भी अपना आक्रामक रुख बरकरार रखा और 50वें मिनट में सानिका चंद्रकांत माने के गोल से टूर्नामेंट में अपनी तीसरी जीत सुनिश्चित की।

एशियाई खेलों में नीली जर्सी में खेलेगी भारतीय हॉकी टीमें



एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कि भारत की पुरुष और महिला हॉकी टीमें जापान के आइची-नागोया में होने वाले आगामी एशियाई खेलों में नीली जर्सी पहनकर खेलेंगी। टिर्की ने कहा कि भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने टीम किट के रंगों को लेकर विकल्प दिए थे, जिसके बाद हॉकी इंडिया ने भारतीय टीम की जर्सी के लिए नीले रंग को पहली पसंद बनाया। टिर्की ने कहा, 'आईओए ने हमें टीम किट के लिए रंगों के विकल्प दिए थे।

HDFC BANK
शाखा : अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर - 492001, Tel: 0771-4243149/149
CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com
सूचना
हमारे कार्यालय द्वारा दिनांक 08.09.2026 को हरिभूमि एवं सेंट्रल क्रॉनिकल में प्रकाशित ई-नीलामी विक्रय सूचना के सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय :- 24-अगस्त-2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे भूलवश प्रकाशित हो गया है जिसे सुधार कर सुरक्षित संपत्ति के निरीक्षण की तिथि और समय:-24-सितंबर-2026, सुबह 10.30 बजे से शाम 5.30 बजे पढ़ा एवं समझा जावे।
प्राधिकृत अधिकारी, एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड



जापान में एक ऐसा मंदिर है, जहां नई इमारत बनाने के लिए पुरानी इमारत को गिराना कोई नुकसान नहीं, बल्कि परंपरा है। यहां वक्त गुजरने के साथ मंदिर बूढ़ा नहीं होता, क्योंकि उसे बूढ़ा होने का मौका ही नहीं दिया जाता। हर 20 साल बाद मंदिर को तोड़ा जाता है और ठीक वैसा ही नया मंदिर उसके बगल में खड़ा कर दिया जाता है।

1300 साल पुरानी परंपरा, हर 20 साल में तोड़ दिया जाता है यह पवित्र मंदिर

टोक्यो। यह कहानी है जापान के इसे शहर में मौजूद इसे जिंगू की, जिसे शिंतो धर्म के सबसे पवित्र और महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों में गिना जाता है। इसे जिंगू कोई अकेला मंदिर नहीं, बल्कि विशाल परिसर में फैले 100 से ज्यादा धार्मिक स्थलों का समूह है। इनमें दो सबसे महत्वपूर्ण हैं- नाइकू यानी इनर श्राइन और गेकू यानी आउटर श्राइन। नाइकू को खास तौर पर सबसे पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि यहां जापानी शाही परिवार से जुड़े पवित्र दर्पण को रखा गया है। इसकी परंपरा सदियों पुरानी है और इसका इतिहास प्राचीन जापान तक जाता है। इस मंदिर की सबसे हैरान करने वाली बात इसकी उम्र नहीं, बल्कि इसे बार-बार नया बनाने की परंपरा है। हर 20 साल में नाइकू और गेकू के मुख्य मंदिरों के साथ उजी ब्रिज का भी पुनर्निर्माण किया जाता है। पुराना मंदिर तोड़ा जाता है और उसके ठीक बगल में बने दूसरे स्थान पर नया मंदिर तैयार होता है। फिर अगली बार यही प्रक्रिया उलट जाती है यानी मंदिर की जगह बदलती रहती है, लेकिन उसकी बनावट, डिजाइन और परंपरा लगभग उसी रूप में आगे बढ़ती रहती है।

फिर करोड़ों से होता है पुनर्निर्माण!



दुनिया की अस्थिरता का प्रतीक

यह सिलसिला करीब 1,300 साल से चला आ रहा है। 2013 में हुए पुनर्निर्माण को इस परंपरा का 62वां संस्करण माना गया। अगला बड़ा पुनर्निर्माण 2033 होगा. शिंतो दर्शन में इसे प्रकृति के जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म तथा दुनिया की अस्थिरता का प्रतीक माना जाता है। लेकिन, इसके पीछे एक बेहद व्यावहारिक सोच भी है, जिसमें से सबसे प्रमुख पुरानी पीढ़ी से नई पीढ़ी तक मंदिर बनाने की तकनीक और कारीगरी पहुंचती रहे।

मंदिर बनाने से पहले निकालते हैं लकड़ी के लट्ठे

अब जरा उस नजारे की कल्पना कीजिए। मंदिर बनने से पहले यहां ओकिहिकी फेस्टिवल होता है। आसपास के इलाकों के हजारों लोग विशाल लकड़ी के लट्ठों को सड़कों से खींचकर ले जाते हैं। ये लकड़ियां जापानी साइप्रस यानी हिनोकी पेड़ों से तैयार की जाती हैं। मंदिर के पुनर्निर्माण के लिए बड़ी मात्रा में लकड़ी की जरूरत पड़ती है और कई पेड़ 200 साल से भी ज्यादा पुराने होते हैं। पूरी प्रक्रिया कोई दो-चार महीने का काम नहीं। पुनर्निर्माण से जुड़े धार्मिक अनुष्ठान और समारोह मिलाकर यह सिलसिला कम से कम आठ साल तक चलता है।



आखिर हर 20 साल में इसे तोड़ना ही क्यों?

हमारे जेहन में सवाल यह उठता है कि आखिर इस मंदिर को हर 20 साल में तोड़ा क्यों जाता है? इसका जवाब शायद जापान की पुरानी जीवनशैली में छिपा है। प्राचीन जापान में अनाज रखने वाले लकड़ी के गोदाम भी हर कुछ दशकों में दोबारा बनाए जाते थे। लकड़ी, खंभों और छप्पर की उम्र सीमित होती थी। इसलिए पुरानी संरचना हटाकर नई संरचना बनाना धीरे-धीरे परंपरा बन गया। इसी सोच ने आगे चलकर इसे जिंगू की अनोखी परंपरा का रूप ले लिया। दुनिया जहां पुरानी इमारत को बचाने के लिए संघर्ष करती है, वहीं जापान का यह मंदिर कुछ और ही कहानी सुनाता है।

रोचक खबरें

महिला के पेट से निकले 14 पेन 5 चम्मच और एक मोमबत्ती

अमरावती। आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले के मुख्यालय नरसाराओपेट स्थित एक निजी अस्पताल से एक बेहद हैरान करने वाला और मेडिकल जगत को चकित कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां सीने में दर्द की शिकायत लेकर पहुंची 33 वर्षीय महिला की जब डॉक्टरों ने जांच की, तो उसके पेट के अंदर का नजारा देखकर सब हैरान रह गए। महिला के पेट में 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और एक मोमबत्ती मौजूद थी। डॉक्टरों की टीम ने तुरंत लैप्रोस्कोपिक सर्जरी कर इन सभी चीजों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है।



जानकारी के अनुसार, पेटलुरिवारीपलेनी मंडल की रहने वाली 33 वर्षीय विवाहित महिला को पिछले कुछ समय से सीने में तेज दर्द की शिकायत थी। शनिवार को जब दर्द असहनीय हो गया, तो परिजन उसे आनन-फानन में नरसाराओपेट स्थित माताश्री अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टरों ने जब कई तरह के मेडिकल टेस्ट और स्कैन किए, तो महिला के पेट के अंदर असामान्य वस्तुएं होने की पुष्टि हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए डॉक्टरों ने महिला का ऑपरेशन करने का फैसला लिया। पेट में एक छोटा सा छेद करके (लैप्रोस्कोपिक सर्जरी) 14 पेन, 5 लकड़ी के चम्मच और 1 मोमबत्ती को सफलता पूर्वक बाहर निकाला गया।

हॉप शूट्स है दुनिया की सबसे महंगी सब्जी मंगाने के लिए करना पड़ता है ऑर्डर

न्यूयार्क। दुनिया की सबसे महंगी सब्जी का नाम हॉप शूट्स है, जो सामान्य सब्जी नहीं है। यह सब्जी शायद ही सब्जी मंडी या और दूसरी सब्जियों की तरह अन्य बाजार में मिलती हो। इस सब्जी को ऑर्डर करके मंगाया जा सकता है। बाजार में हॉप शूट्स सब्जी की कीमत 80 हजार से लेकर 1 लाख रुपए तक होती है। हॉप शूट्स की एक किलो दाम में आम आदमी एक हीरे की अंगूठी खरीद है। उत्तरी अमेरिका में हॉप शूट्स हरे और शंकु के आकार के फूल होते हैं। इस सब्जी का इस्तेमाल बीयर बनाने में होता है। इसके साथ ही इस सब्जी का इस्तेमाल तपेदिक के इलाज में होता है। माना जाता है कि इसके डंठल तपेदिक के इलाज के लिए काफी प्रभावी माने जाते हैं। हॉप शूट्स का इस्तेमाल दवाइयां बनाने में भी किया जाता है। हॉप्स को एक नियमित तापमान और छंटाई की आवश्कता होती है। कई वर्षों से यह सब्जी इसी कीमत पर बिक रही है। दुनिया की सबसे महंगी सब्जी की कीमत अलग-अलग होती है, क्योंकि इसकी कीमत इसके क्वालिटी पर भी निर्भर करती है। बेहद दुर्लभ सब्जी हॉप शूट्स का इस्तेमाल अलग-अलग इलाकों में अलग-अलग रूप में किया जाता है। हॉप शूट्स के फूलों को हॉप कोन्स कहा जाता है, जिनका का इस्तेमाल बीयर बनाने में होता है। इसके अलावा इस सब्जी के टहनियों को कई अलग-अलग तरह से खाने में भी इस्तेमाल होता है। दुनिया में कई सब्जियां महंगी बिकती हैं, लेकिन यह सब्जी बेहद महंगी है।



तकनीक

एआई स्कैनर बता देगा बीमारी और इलाज

अनोखा हॉस्पिटल! नहीं मिलेगा कोई डॉक्टर-नर्स

बीजिंग। चीन दुनियाभर में तकनीक के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल अब आम होता जा रहा है। हालिया खबरों में दावा किया जा रहा है कि चीन में कुछ अस्पताल ऐसे बन गए हैं, जहां डॉक्टर या नर्स नजर नहीं आते।

मरीज को सिर्फ एक एआई स्कैनर मशीन के सामने खड़ा होना पड़ता है, जो स्कैन करके बीमारी बता देती है और इलाज का तरीका भी सुझा देती है। यह खबर सोशल मीडिया और कुछ रिपोर्ट्स में चर्चा में है ,लेकिन असलियत कुछ अलग और अधिक संतुलित है। वास्तव में चीन में एआई आधारित स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ी प्रगति हुई है। सिंघुआ विश्वविद्यालय ने 'एआई एजेंट हॉस्पिटल' लॉन्च किया है, जिसमें 21 विभागों में दर्जनों एआई 'डॉक्टर' एजेंट काम करते हैं।



एआई या इंसानी डॉक्टर्स बेस्ट?

मेडिकल जजमेंट, जटिल मामलों का हैंडलिंग, मरीज से सहानुभूति और नैतिक जिम्मेदारी मानव डॉक्टरों की जरूरत है। कई चीनी विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि अगर युवा डॉक्टर शुरू से ही एआई पर निर्भर हो गए तो उनकी क्लिनिकल सोच कमजोर पड़ सकती है। इसलिए एआई को 'को-पायलट' या सहायक के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है ना कि पूर्ण प्रतिस्थापन के रूप में। चीन में डॉक्टरों की कमी और बढ़ती बुजुर्ग आबादी के कारण एआई को बढ़ावा दिया जा रहा है। बड़े अस्पतालों में मरीजों का दबाव बहुत ज्यादा होता है। एआई रिपोर्ट तैयार करने, प्रारंभिक डायग्नोसिस और रूटीन कामों में मदद करके डॉक्टरों का बोझ कम करता है। कुछ जगहों पर रोबोटिक सिस्टम सर्जरी में सहायता करते हैं। अल्ट्रासाउंड रोबोट जैसी तकनीकें भी आ रही हैं। मरीजों के लिए यह सुविधाजनक हो सकता है। लंबी कतारें कम हो सकती हैं, शुरुआती जांच तेज हो सकती है और दूर-दराज के इलाकों में भी बेहतर सेवा पहुंच सकती है। लेकिन प्राइवेसी, डेटा सुरक्षा, गलत डायग्नोसिस की जिम्मेदारी और रेगुलेशन जैसे मुद्दे अभी भी चुनौती हैं। सरकार और अस्पताल इन पर काम कर रहे हैं।

हो रहा है एक्सपेरिमेंट

हैनान प्रांत के बोआओ में 'सुपर एआई हॉस्पिटल' जैसी सुविधाएं शुरू हुई हैं, जहां एआई ट्राइएज, रिस्क अलर्ट, मेडिकल रिकॉर्ड्स का विश्लेषण और ट्रीटमेंट मैचिंग में मदद करता है। मरीज फोन पर लक्षण अपलोड कर सकते हैं और एआई प्रारंभिक सलाह देता है। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टर के पास पहले से तैयार केस समरी होती है। इलाज के बाद फॉलो-अप और दवा अलर्ट भी एआई संभालता है। फिर भी मानव डॉक्टर मौजूद रहते हैं और अंतिम फैसला उन्हीं का होता है।



इमेजिंग सिस्टम चीन के कई अस्पतालों में सक्रिय

एआई स्कैनर और इमेजिंग सिस्टम चीन के कई अस्पतालों में सक्रिय हैं। सीटी स्कैन, एमआरआई और अन्य इमेजिंग में एआई असामान्यताओं को जल्दी पकड़ लेता है। अलीबाबा के डीएएमओ अकादमी जैसे संस्थानों ने पैंक्रियाटिक कैंसर जैसी बीमारियों के शुरुआती चरण का पता लगाने वाले मॉडल विकसित किए हैं। कुछ सिस्टम एक स्कैन में कई तरह की असामान्यताएं चिन्हित कर सकते हैं। कार्डियोलॉजी में भी एआई सिस्टम डॉक्टरों की मदद कर रहे हैं। लेकिन, विशेषज्ञ साफ कहते हैं कि एआई अभी डॉक्टरों की जगह पूरी तरह नहीं ले सकता।

400 साल पुराना कुआं यहां एक डुबकी लगाते ही दूर हो जाते हैं रोग



हैदराबाद। तेलंगाना के संगारेड्डी जिले अंतर्गत सदाशिवपेट के राघवेंद्रनगर में स्थित एक प्राचीन सीढ़ीदार कुआं (बावड़ी) आज भी इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता की अनूठी मिसाल पेश कर रहा है। स्थानीय लोग इसे 'पुष्करिणी'मानकर पूरी श्रद्धा के साथ पूजते हैं। लगभग 400 वर्ष पूर्व निर्मित यह भव्य संरचना आज भी पूरी तरह सुरक्षित है और इसमें निरंतर जल भरा रहता है, जो हमारे पूर्वजों के बेजोड़ इंजीनियरिंग कौशल और दूरदर्शिता को दर्शाता है।

यह ऐतिहासिक कुआं केवल पेयजल का स्रोत नहीं, बल्कि अत्यंत पवित्र स्थान माना जाता है। स्थानीय निवासियों की दृढ़ आस्था है कि इस पुष्करिणी का जल पीने और इसमें स्नान करने से सभी प्रकार के रोग दूर हो जाते हैं तथा जीवन में शुभता का आगमन होता है। इस तेजस्वी पुष्करिणी का संबंध समीप स्थित प्रसिद्ध श्री जानकी रघुनाथस्वामी मंदिर से है।

करोड़पति के सपने और रोगमुक्ति से जुड़ा इतिहास

इस पुष्करिणी के निर्माण के पीछे एक दिलचस्प इतिहास जुड़ा है। प्राचीन समय में कुष्ठ रोग से पीड़ित एक धनवान व्यक्ति इस क्षेत्र में आए और अंजीर के पेड़ के नीचे विश्राम करने लगे। रात में भगवान रघुनाथ स्वामी ने उनके स्वप्न में दर्शन देकर बताया कि पास के छोटे से तालाब में स्नान करने से उनका रोग ठीक हो जाएगा। करोड़पति ने पूर्ण विश्वास के साथ स्नान किया और वे पूरी तरह रोगमुक्त हो गए। इसके आभार स्वरूप उन्होंने इस विशाल और सुंदर पुष्करिणी का निर्माण करवाया। यह मंदिर सदाशिवपेट शहर के बसने से भी पुराना बताया जाता है, जहां योगी जानकी रघुनाथ स्वामी ने तपस्या की थी।

मजदूरों को मिले दुर्लभ सोने के सिक्के, नहीं डोला ईमान

बेंगलुरू। कर्नाटक के बेलगाम (बेलगावी) जिले से ईमानदारी और ऐतिहासिक खोज की एक बेहद सराहनीय खबर सामने आई है। जिले के सवादत्ती तालुका स्थित इंचाल गांव में बीसीएम हॉस्टल के पास काम कर रहे निर्माण मजदूरों को जमीन के अंदर से 14 दुर्लभ सोने के सिक्के मिले। लाखों रुपए की कीमत और ऐतिहासिक महत्व वाले सिक्के मिलने के बावजूद मजदूरों ने कोई लालच

नहीं दिखाया और तत्काल स्थानीय प्रशासन को इसकी सूचना देकर सभी सिक्के अधिकारियों के हवाले कर दिए। बरामद किए गए 14 सोने के सिक्कों का कुल वजन 54.8 ग्राम है, जिसकी वर्तमान बाजार दर के हिसाब से अनुमानित कीमत लगभग 8.27 लाख रुपए बताई जा रही है। सिक्के मिलने के तुरंत बाद पंचायत विकास अधिकारी और तालुका पंचायत के कर्मचारियों की मौजूदगी में मजदूरों ने ये सभी सिक्के सवादत्ती के तहसीलदार मल्लिकार्जुन हेगन्नवर को सौंप दिए।

भारत ही नहीं, दुनिया के लिए सिरदर्द बना यूकेलिप्टस

ब्रासीलिया। भारत में लंबे समय से पर्यावरण वैज्ञानिक यूकेलिप्टस के पेड़ उगाए जाने को लेकर चिंता जाहिर करते रहे हैं। अब दुनिया भर में यूकेलिप्टस लगाए जाने के पर्यावरणीय प्रभावों ने वैज्ञानिकों की चिंता और बढ़ा दी है। अफ्रीका से लेकर दक्षिण अमेरिका तक के देशों में कई दशकों तक यूकेलिप्टस के पेड़ों को बढ़ावा दिया, जिसके बाद यहां बड़े-बड़े बागान तैयार हो गए।



दक्षिण अमेरिकी देश ब्राजील का यूकेलिप्टस उद्योग का एक मकसद था- तेजी से पेड़ उगाना, लुगदी के लिए उन्हें काटना और ग्लोबल पेपर इंडस्ट्री के लिए दोबारा इस्तेमाल हो सकने वाली सप्लाई बनाना। लेकिन, वैज्ञानिकों ने पाया है कि इसने भूजल के स्तर को बहुत बुरी तरह प्रभावित किया है।

उरुग्वे में 20 साल तक चले अध्ययन में इस असर का साफ डेटा मिलता है। यूकेलिप्टस और पाइन के पेड़ लगाने के 17 साल बाद घास के मैदान की तुलना में जंगल वाले वॉटरशेड में 35% पानी की कमी आई।



ड्राई फार्मिंग

जहां पानी की कमी है या सिंचाई का खर्च बहुत ज्यादा है, वहां ड्राई फार्मिंग खेती का एक उपयोगी विकल्प

न सिंचाई, न पानी की जरूरत फिर भी लहलहा रहे हैं खेत!

न्यूयार्क। हम अक्सर बाजार में टमाटर, आलू या दूसरी सब्जियों की बढ़ी हुई कीमत देखकर परेशान हो जाते हैं। लेकिन, इन सब्जियों को खेत से हमारी रसोई तक पहुंचाने के पीछे किसान की कितनी मेहनत होती है, इसका अंदाजा शायद ही हमें होता है। बदलते मौसम और पानी की कमी के बीच खेती करना आसान नहीं है। ऐसे में अमेरिका के एक किसान ने खेती का ऐसा तरीका अपनाया है, जो खासा दिलचस्प है। उन्होंने बिना सिंचाई के टमाटर, आलू, लहसुन और बीन्स जैसी फसलें उगाकर दिखा दी हैं। इस तरीके को ड्राई फार्मिंग कहा जाता है। अमेरिका के ऑरिगन राज्य में रहने वाले इस किसान के लिए ड्राई फार्मिंग कोई नया प्रयोग नहीं है। वह करीब 40 साल से इस तरीके से खेती कर रहे हैं।

पौधों के बीच रखी जाती है उचित दूरी

ऑरिगन यूनिवर्सिटी की 2014 में प्रकाशित एक स्टडी में भी उनके लंबे अनुभव का जिक्र किया गया था। इसके मुताबिक, 1974 से 2014 तक उन्होंने बिना सिंचाई के ऑर्गेनिक टमाटर, आलू, लहसुन और बीन्स जैसी कई फसलें उगाईं। ड्राई फार्मिंग में बीज बोने का तरीका भी काफी अहम है। बीजों को मिट्टी में इस तरह रखा जाता है कि वे जमीन की नमी के ज्यादा करीब रहें। पौधों के आसपास की मिट्टी को कुछ इंच तक ढीला रखा जाता है, ताकि जड़ों को फैलने की जगह मिले। पौधों के बीच उचित दूरी भी रखी जाती है, जिससे सीमित पानी और पोषक तत्वों के लिए उनके बीच ज्यादा प्रतिस्पर्धा न हो। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि ड्राई फार्मिंग हर जगह आसानी से की जा सकती है। फसल का चुनाव, मिट्टी, मौसम और बारिश का पैटर्न इसमें बड़ी भूमिका निभाते हैं। तेज बारिश या ऊपर से लगातार पानी डालना इस सिस्टम को बिगाड़ सकता है। फिर भी, जहां पानी की कमी है या सिंचाई का खर्च बहुत ज्यादा है, वहां ड्राई फार्मिंग खेती का एक उपयोगी विकल्प जरूर बन सकती है।



मिट्टी का प्रकार भी रखता है काफी मायने

इस खेती में मिट्टी का प्रकार भी काफी मायने रखता है। किसान ने ऐसी चिकनी मिट्टी का इस्तेमाल किया, जो पानी को ज्यादा समय तक अपने भीतर रोककर रख सकती है। इसके अलावा मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने के लिए दलहन जैसी फसलों को भी खेती का हिस्सा बनाया गया। किसान ने शुरुआत में ड्राई फार्मिंग कैलिफोर्निया में की थी। बाद में साल 2007 में वह ऑरिगन चले गए और करीब 9.6 एकड़ जमीन पर खेती शुरू की। यहां सबसे बड़ी चुनौती पानी की थी, क्योंकि सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने खेती जारी रखी और सफल भी रहे।